इस्लाम और आधुनिक विज्ञान की खोज

"हज़रत मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, अल्लाह के नबी और रसूल होने के सबूत में"

मुहम्मद अल्सय्यद मुहम्मद

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इस्लाम और आधुनिक विज्ञान की खोज

“हज़रत मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, अल्लाह के नबी और रसूल होने के सबूत में”

पेशकश: (मुहम्मद अल्सय्यद मुहम्मद)

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

﴿سَنُرِيهِمْ ءَايَٰتِنَا فِى ٱلْءَافَاقِ وَفِىٓ أَنفُسِهِمْ حَتَّىٰ يَتَبَيَّنَ لَهُمْ أَنَّهُ ٱلْحَقُّ ۗ أَوَ لَمْ يَكْفِ بِرَبِّكَ أَنَّهُۥ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ شَهِيدٌ ﴿٥٣﴾﴾

सूरए हामीम सज्दा-छटा रूकू

अनुवाद : हम उन्हें दिखाएंगे अपनी आयतें दुनिया भर में और ख़ुद उनके आपे में यहाँ तक कि उनपर खुल जाए कि बेशक वह हक़ है क्या तुम्हारे रब का हर चीज़ पर गवाह होना काफ़ी नहीं .

" शानदार वैज्ञानिक तथ्य जिसकी खबर १४०० साल पहले से अधिक क़ुरआन और (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) शरीफ ने दी है जिस समय किसी को भी इस तरह के तथ्यों का थोड़ा सा भी ज्ञान नहीं था फिर इसकी सच्चाई और विश्वसनीयता की पुष्टि करने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक खोजें आईं और यहीं से हज़रत (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) (सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम) के नबी और रसूल होना साबित होता है "

पेशकश : (मुहम्मद अल्सय्यद मुहम्मद)

अनुवाद : (मुहम्मद ज़ियाउल हक़ ग़ाज़ी)

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

विषय - सूची

परिचय 6

इस्लाम का संदेश 8

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) और उसकी एकता में विश्वास इस्लाम का संदेश 10

इस्लाम और उसकी दावत: उसके नबिओं और रसूल पर ईमान, और उनकी इज़्ज़त व एहतेराम . 16

इस्लाम और विज्ञान के लिए उसका संदेश 18

अधोनिक बिज्ञान कैसे एक सबूत और दलील हो सकती है, हमारे नबी (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) का मैसेज सच्चा है. 22

अधोनिक बिज्ञान के बारे में जो नोबेल क़ुरआन और हमारे नबी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने १४०० साल पाहिले बताया है. 24

आकाश 24

चैलेंज (1)

एशरा करते हुए: जिसके बारे में पाहिले से ही बताया गया है, जिसका इन्केशाफ़ अब किया जा रहा है! 41

चैलेंज (2)

एशरा करते हुए जिसके बारे में पाहिले से ही बताया गया है, जिसका इन्केशाफ़ अब किया जा रहा है! 43

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

चैलेंज (३)

एशरा करते हुए जिसके बारे में पाहिले से ही बताया गया है, जिसका इन्केशाफ़ अब किया जा रहा है! 44

भूमि और पर्वत 45

समुद्र के बारे में 51

मनुष्य के बारे में 57

पशु के बारे में 69

पंछी के बारे में 70

वनस्पति के बारे में 73

१४०० से अधिक साल पहले, (पवित्र क़ुरआन) और आधुनिक वैज्ञानिक की खोजों के लिए उनके संकेत के माध्यम से भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) के ज़रिये की गयी है. 76

(पवित्र क़ुरआन) और भविष्यवाणी, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) के ज़रिये, विभिन्न क्षेत्रों से वैज्ञानिकों के नियम. 78

इस्लामी निषेधाज्ञा और यूनिवर्सल आदेश, और इसके निहितार्थ बीच मौजूद है, आधुनिक विज्ञान द्वारा खोज और अनुरूपता. 85

इस्लामीक क़ानून और आधुनिक वैज्ञान की खोज के बीच संबंध. 87

पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की भविष्यवाणी और संदेश के नियम और संकेत का उदाहरण, एक संक्षिप्त. 93

उदाहरण: भविष्यद्वक्ताओं और संदेशवाहक की ओर से गवाही दी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के बारे में. 100

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

क्यों वोलोग इस्लाम धर्म स्वीकार किये थे? 102

निष्कर्ष के तौर पर 105

एक संदेश 106

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

परिचय

सब खूबियाँ (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) को जो मालिक सारे जहान वालों का, आकाश और पृथ्वी के निर्माता, अंधेरे और प्रकाश का रचनाकार, और मैं गवाही देता हूँ कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के सिवाय कोई परमेश्वर नहीं वह एक है उसका कोई साथी नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि हज़रत (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) उसके बंदे और रसूल हैं, हे (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), दरूद सलामती और बरकत हो हज़रत (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) पर जो सब से आखरी नबी और रसूल हैं, और दरूद सलामती और बरकत हो उनकी पत्नियों पर उनके घर के पवित्र सदस्यों पर उनके प्रिय साथियों पर उनके मार्गदर्शन का पालन करने वालों पर क़ियामत के दिन तक उनकी सुन्नत पर अमल करने वालों पर .

इस्लाम के सिद्धांत और उसके संदेश पर विचार करने वालों पर पूर्ण संगतता से स्पष्ट हो जाता जो इस्लम ने बयान किया है इसे मानव स्वभाव और सामान्य ज्ञान भी स्वीकार करता है

हम इस आसान सारांश अध्ययन में इस्लाम में ज्ञान और शिक्षा के महत्व पर पूर्ण पारदर्शिता के साथ अधिक प्रकाश डालना चाहते हैं ताकि पाठक के लिए प्रामाणिकता से स्पष्ट हो जाए इस्लाम ने राष्ट्रों और लोगों के विभिन्न जीवन क्षेत्रों में प्रगति को कितना महत्व दिया है, इसके लिए ज्ञान और शिक्षा के माध्यम से विभिन्न प्रकार के विज्ञान को शामिल किया और वैज्ञानिक तथ्य का संकेत १४०० साल पहले से अधिक दिया जिस समय किसी को भी इस तरह के तथ्यों का थोड़ा सा भी ज्ञान नहीं था और आधुनिक प्रौद्योगिकी के पूर्ववर्ती सबूत की वास्तविकता यह है कि हज़रत (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के नबी और रसूल हैं.

और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) सर्वशक्तिमान की मदद से इस आसान सारांश अध्ययन में साक्ष्य और निर्देशिका के साथ संक्षिप्तता में हवाला दूंगा ताकि किताब लम्बी और उबाऊ न हो,

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

और मैं (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) सर्वशक्तिमान से प्रार्थना करता हूँ हमारे अच्छे कर्मों को स्वीकार करे और हमारे लिए उसे बढ़ाए और हमारी उपदेश से अपने बन्दों का हृदय खोल दे और यह अपने बन्दों के मार्गदर्शन के लिए सबसे अच्छा कारण बनाए, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) सर्वशक्तिमान इसका वली और ऐसा करने में सक्षम है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इस्लाम का संदेश

यह परमेश्वर के आदतों में से है कि जब मानव जाति अपने ईश्वर के मार्ग से भटक जाता है नबियों और दूतों की शिक्षाओं से दूर हो जाता है और जरूरत हद से बढ़ जाती है तो परमेश्वर अपने नबियों और दूतों को मानवता की ओर भेजता है और इसी कारन परमेश्वर सर्वशक्तिमान ने अंतिम नबी हज़रत (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), को इस्लाम धर्म के साथ भेजा जो कि स्वाभाविक धर्म हैं, और इसी पर परमेश्वर ने अपने बन्दों को पैदा किया, इस्लाम का अर्थ है : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के प्रति समर्पण, खुद को उसके हवाले कर देना और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के आदेश के प्रति उत्तरदायी इस्लाम सभी के लिए एक संदेश के रूप में आया है पवित्र विश्वासों के साथ एक एसे परमेश्वर में आस्था का संदेश जो एक है और सब का निर्माता है.

इस्लाम नबियों और दूतों पर ईमान की और उनकी शानो शौकत बढ़ाने की दावत देता है, मार्गदर्शक प्रार्थनाओं और सच्चे कानूनों का पालन करने की दावत देता है शिक्षा और विज्ञान की और जीवन के हरे छेत्र में मानवता की उन्नति की दावत देता है अच्छे नैतिकता और न्यायाधीश लेन-देन की दावत देता है यही वजह है कि जिसका स्वभाव नेक और शुद्ध है और जिसकी बुद्धि उचित और अच्छा है इसे स्वीकार करता है.

इस्लाम आया अमन शांति के लिए अनुबंधों और समझौतों के सुरक्षा के लिए परोपकार के लिए उग्रवाद और आतंकवाद से दूर , इस्लाम को बदनाम करने के लिए तथाकथित कुछ लोग इसे अंजाम दे रहे हैं, जिसका इस्लाम से कोई ताल्लुक़ नहीं है यह बात दिन की रोशनी की तरह स्पष्ट है कि इस्लाम के दुश्मन इस्लाम की छवि धूमिल करने के लिए और इसकी वास्तविकता बिगाड़ने के लिए उग्रवाद और आतंकवाद का हथकंडा अपना रहे हैं.

इस्लाम में जो विश्वास की पवित्रता और इबादत की शुद्धता हैं वह हज़रत (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) और अहले सुन्नत के अनुसरण में हैं उन दुष्ट संदिग्ध समुदायों से मुक्त जिसने इबादत में फसाद कर रखा है और इस्लाम से झूठा रिश्ता जोड़ रखा है इस्लाम में इसकी कोई जगह नहीं परन्तु यदि वह हज़रत

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

(मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), और उनके साथी के रास्ते पे चले जिन्हें (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) ने अपने नबी के समर्थन और उनके संदेश के प्रसार के लिए चुना आज जिस तरह इस्लाम चुनौतियां का सामना कर रहा है और जो इस्लाम की प्रकाश को मिटाना चाह रहे है.

वह कभी सफल नहीं हो सकते, मुशरिकीन शत्रुओं की ईर्ष्या के बावजूद इस्लाम हमेशा प्रबल रहेगा प्रत्येक इंसाफ़ पसंद के सामने इस्लाम की सहिष्णुता और उसका उपदेश जाहिर है उसका विश्वास की पवित्रता इबादत की शुद्धता और अच्छा कानून नेकी का आदेश बुराई से रोकना, सर्वशक्तिमान ईश्वर ने अपनी किताब कुरआन में हज़रत (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की शान में सच फ़रमाया:

अनुवाद :वो उन्हें भलाई का हुक्म देगा और बुराई से मना फ़रमाएगा और सुथरी चीज़ें उनके लिये हलाल फ़रमाएगा गन्दी चीज़ें उनपर हराम करेगा {157} सूरए अअराफ़ – १९

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) और उसकी एकता में विश्वास इस्लाम का संदेश

इस्लाम एकेश्वरवाद का धर्म है जो अपने प्रभु और निर्माता का परिचय करवाने आया है, उसकी महान और सुन्दर गुणों को बताने आया है ऐसे प्रभु में विश्वास के लिए आमंत्रित करता है. जिसने इस दुनिया को अभाव से अस्तित्व में लाया और वह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की पाक ज़ात है तो अगर कोई नास्तिक और इनकार करने वाला यह कहते हुए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के अस्तित्व से इनकार करता है :

जो नजर नहीं आता इस पर ईमान नहीं और हम (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) को देख नहीं सकते तो उसका वजूद नहीं: तो आप इस बात का क्या जवाब देंगे: तुम अपनी बुद्धि नहीं देख सकते जो तुम्हारे सिर में मौजूद है तुम अपनी आत्मा नहीं देख सकते जो तुम्हारे बीच मौजूद है, लेकिन आप इन दोनो में विश्वास रखते हैं इस आसार के अस्तित्व के आधार पे जो इस बात पे संकेत देता है और इसी तरह उसका उदाहरण आकर्षण (Attraction) भी है इसके अलावा भी कई उदाहरण है जो बिन देखे (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के अस्तित्व पर संकेत देता है इस तरह अनगिनत उदाहरण है जो उसकी एकता, प्रवाह की क्षमता, ज्ञान की महानता गुण की पूर्णता पर संकेत देता है इसी तरह कई आसार और संकेत हैं जो इस विश्व निर्माता के अस्तित्व पे तर्क है और वह सृष्टिकर्ता परमेश्वर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की ज़ात है.

इस बात को वास्तविक रूप से स्पष्ट करने के लिए मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि मनुष्य बाहरी विशेषताओं और आंतरिक प्रणाली से घटक मशीन घटक की तरह है बल्कि मानव किसी भी मशीन की तुलना में अधिक जटिल है यदि एक छोटी मशीन की बात करें तो यह अपने निर्माता की शिक्षाओं का मोहताज है जो इसे चलाने का तरीका बयान करता है जो उसके उपयोग का बेहतर विधि बताता है ताकि मशीन क्षतिग्रस्त न हो जो इस बात का सबूत है कि कोई न कोई उसका बनाने वाला है और बात यहीं तक खत्म नहीं होती बल्कि अगर हम इसके बनाने वाले को नहीं देखते फिर भी हम इस मशीन को चलाने के लिए उसकी शिक्षाओं

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

का पालन करते हैं इसके शर्त और तरीके के साथ जो उसने बताया है और जब मशीन के हवाले से यह बात है तो

प्रश्न: मनुष्य को किसने बनाया - मनुष्य के बारे में हमें क्या लगता है जोकि मशीन की तुलना में अधिक जटिल है क्या यह अनुदेश और मार्गदर्शन का जरूरतमंद नहीं, मार्गदर्शन की एक किताब जो उसके निर्माता द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार मानव व्यवहार बताते हो जीने का तरीका बताते हो और यह सृष्टिकर्ता परमेश्वर है तुम्हारे बारे में अधिक जानता है क्योंकि वह तुम्हारा निर्माता है.

उत्तर: जी हाँ इस किताब की जरूरत है जो इस परमेश्वर की उपस्थिति की पुष्टि करता है, जो निर्माता और सृष्टिकर्ता है अपने निर्माण का, यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) (सर्वशक्तिमान) है जिसने अपनी पवित्र किताब (कुरान) उतारा पिछले पवित्र आसमानी किताबों में सबसे अंत किताब जो मजमूई तोर पर मानव के मार्गदर्शन की जरूरत और क़यामत के दिन तक जीवन जीने का तरीका है मनुष्य इस किताब के बिना, उसके निर्देशों के अनुपालन के बिना जो उसके निर्माता ने उसे दिया है जंगली दरिन्दा जानवर के तरह हो जाता है क्योंकि वहाँ कानून लागू करने वाला कोई नहीं होता माँ बेटी और बहन से महरम से (जिससे शादी मना है) शादी से रोकने वाला कोई नहीं होता यह सब इसलिए है क्योंकि हम अपने प्रभु की शिक्षा से दूर हैं.

वह कौन सी चीज़ है जो दूसरों के साथ सच्चाई और अमानत दारी से मामले के लिए मजबूर करती है झूठ धोखा और विश्वासघात से दूर रखती है और अगर किसी युक्ति के लिए झूठ धोखा और विश्वासघात करता है या पद सफलता और लालच के लिए करता है तो जाहिर है.

उसके पास उसके प्रभु से कोई किताब शिक्षा और निर्देश नहीं जो उसे इस तरह के बुरे कम से रोके और सज़ा दे जिस दिन सृष्टिकर्ता परमेश्वर से सबका हिसाब होना है.

वह परमेश्वर जिसने दुनिया को शून्य से अस्तित्व में लिया और जो मृत को हिसाब व किताब के लिए पुनर्जीवित करेगा, मनुष्य अगर उस किताब में विश्वास के बिना जिसे (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) ने इसके लिए खास क्या है, उसके

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

शिक्षाओं और निर्देशों का पालन न करते हुए अच्छे आचरण को अपनाता है, तो व्यवहार और जीवन जीने में मनुष्य जंगली दरिन्दा जानवर की तरह हो जाता है क्योंकि यदि आप अपने निर्माता के निर्देश का पालन नहीं करते तो माँ या बेटी या बहन और उनके अलावा जिनसे से विवाह या संभोग प्रतिबन्धित है विवाह या संभोग करने में रोकने वाली कोई चीज़ नहीं होती अगर सत्य और अमानत दारी से बात करें कि आखिर वह कौन सी बात है जो इंसान को इसके लिए मजबूर करती है तो वह धोखाधड़ी और विश्वासघात है.

जो किसी पद या पुरस्कार प्राप्त करने के लालच में करता है क्योंकि अपने निर्माता के निर्देश का पालन नहीं करता है क्योंकि उस बुराई और अधोलोक (झूठ बोलना, धोखाधड़ी विश्वासघात और अन्य बुराई) से रोकने वाली बात (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के तालिमात है जिसमें सृष्टिकर्ता परमेश्वर से न्याय दे दिन प्राणियों पर हर पाप का दंड स्पष्ट है.

यदि मनुष्य अनुदेश पुस्तक जो उसके लिए विशेष है में आस्था के बिना अच्छी विशेषताओं को अपनाता है तो सांसारिक स्वार्थों में स्वयं का विरोधी होगा, इसलिये इस्लाम मनुष्य को स्वयं का विरोध के खिलाफ निमंत्रण करता है, और उस आसमानी किताब पर ईमान लाने के लिए निमंत्रण करता है जो आस्मानी पुस्तकों में सबसे आखिरी किताब है जिसे कुरान कहा जाता है, जिसमें अपने निर्माता से निर्देश और मार्गदर्शन है, जो व्यक्ति और समुदाय के व्यवहार को समायोजित करता है और सर्वशक्तिमान आविष्कारक निर्माता (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) पर ईमान लाने के लिए निमंत्रण करता है.

इस्लाम सृष्टिकर्ता परमेश्वर की एकता में विश्वास के लिए कहता है क्योंकि यदि परमेश्वर एक से अधिक होते तो उनमें मतभेद हो जाती और आपस में एक दूसरे पर नेतृत्व के लिये लड़ाई कर बैठते और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) का सारा निर्माण समाप्त हो जाता आकाश और पृथ्वी क्षतिग्रस्त हो जाती और ये सारी चीजें गंतव्य नहीं इसलिए जरूरी है कि निर्माता (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) एक हो और यह सर्वशक्तिमान (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) है। इसके अलावा जो मैं ने दर्शाया है शुद्ध वृत्ति और तर्कसंगत मन एक अकेले निर्माता और अद्वितीय गुण ईश्वर को मानता है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

मिन्नतों के आवंटन , (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की इबादत और आदेश के अनुपालन केवल एक ईश्वर के लिए होना चाहिए अन्यथा बंदे कहां जाएँगे जब परमेश्वर के आदेश खुद आपस में टकराता हो और एक दूसरे से अलग हो, तो गरीब बन्दा किसका आदेश माने और किसका आदेश का पालन करे यदि इनमें से किसी एक का आदेश माने तो दूसरे की अवज्ञा होगी और उसके दण्ड का पात्र होगा, इसलिए इस्लाम निमंत्रण करता है इस धर्म के समर्थन का जिसे शुद्ध वृत्ति और तर्कसंगत मन स्वीकार करता हो इस्लाम निमंत्रण करता है सृष्टिकर्ता परमेश्वर की एकता का और वह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) सर्वशक्तिमान है और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) सर्वशक्तिमान का अभिन्न हिस्सा नहीं हो सकता न कोई उसका मिस्ल और ना ही प्रतिभागी हो सकता है वह सर्वशक्तिमान न किसी का पिता है और न उसका कोई पुत्र है.

स्वच्छ और तर्कसंगतम नस्वीकार नहीं करते मशरूम (प्रसवकीपत्नीकेरूपमेंसमारोह) उसकी सृष्टिकर्ता परमेश्वर लेनेके लिए, यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) प्रजापति (सीऔरओला) कीएकता धारणा कई देवताओंकीओरजाताहै, औरनहीं हैक्योंकि या बच्चे, मानवद्वारा यदिलेने केलिए, सृष्टिकर्ता परमेश्वर और एकबेटाहै.

उस लड़के की दिव्यता में विश्वा सकरने के लिए नेतृत्वकियाहै, कि वह, अपने पिता के गुणों के मुताबिक़ होगा क्योंकि, देवत्व, और कहा कि इसतरह की धारणा कई सवालों की ओर जाताहै (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) को यह इनकार करने वाला है कि इसमें कोई शक नहीं है).

निन्दा, उदाहरणकेलिए:

क्या दूसरे और तीसरे लेनेके लिए एक लड़के से एक बेटा है, (यहांतक कि एक बार पहले) सेलिया गयाहै, जो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) कोरो कताहै ... तो, और उसके बाद तो भविष्य में प्रचुर मात्रामें है, और कई देवताओं उनके व्यं जनों देवत्वहै, और यालियाजासकताहै?? एक बेटा पहलेसे ही द्वितीय, तृतीय ... मानव (जिन).

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

या मनुष्यों की तुलना में अन्य प्राणियों के अलावा अन्य प्राणियों के लिए और वे तो मानव जाति और जिन्न (स्वर्गदूतों) के रिंग में देखरेख और कर रहे हैं जो जिन्न भी देवत्व पिता के अपने गुण है

और यह (abounded) गया है और अति प्राचीन काल से कई देवताओं वहाँ थे??

क्या देवत्व के अपने गुणों बन गया है? जो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) का एक बेटा है, जिसे लिया गया है, और बताया गया था, जो इस लड़के को रोकता है?

अपने पिता के गुणों, अन्य दूसरे से ... उसे दो या तीन लड़के ले रहा है, और उसके बाद इन लड़कों का व्यं जाने लेते हैं!?

उनके पिता और केवल देवत्व और इतने करने के लिए उनके व्यंजनों हो जाता है ??

कोई संदेह नहीं है, इस तरह की धारणा, पहले से कहीं ज्यादा अन्य अतिक्रमण किसी के द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है, जो देवताओं की बहुलता का मानना है कि सुराग नहीं है, यह सच है तार्किक दिमाग.

और यह भी, यदि मनुष्य हैं, जो अपने प्राणियों में से एक है, साथ (ईसाई धर्म द्वारा दावा के रूप में) मानव प्रकृति के देवता हैं, ये क्यों स्वीकार नहीं?.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) भी पिछले एक और अन्य मानव प्राणियों के प्राणियों (जिन) या जो वे कर रहा है, उसके साथ अन्य प्रकृति पड़ा है.

मानव जाति की उत्पत्ति और जिन्न (स्वर्गदूतों) के प्रयोजन या (में अन्य प्राणियों में से एक के साथ अन्य प्रकृति है ?.

वर्तमान) और जो उनके बारे में कुछ भी पता नहीं है या जीव के साथ स्वभाव और (भविष्य में) अन्य छवियों ?.

और फिर लाजिमी है और देवताओं की बहुलता है, उसके प्राणियों के साथ उनही कि प्रकृति के हैं, और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की छवियों का दावा है, और इससे पहले कि उचित करने के लिए भी विपरीत था, (ईसाई) धर्म का दावा के रूप में तीन (ईसाई धर्म के दावों के रूप कि अपने ही (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) (३)

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

स्वभाव और उनमें से तस्वीरें परमेश्वर के पुत्र की ! मानव प्रकृति) और इस तरह एक विश्वास चाल की स्वीकृति, अंत में होने के लिए इसी तरह के पहले है.

९ ... आदि) के कई अलग-अलग स्वभाव और चित्रों के देवता का ०.८ में दावा, ७.६, साथ देवताओं के रूप में अन्य प्राणियों के साथ (५.४.

यह प्रत्येक संख्या में अपने स्वयं के व्यक्तिगत के स्वतंत्र क्रिया को व्यक्त करता है जो इस संख्या (की इच्छा पर आत्म-निर्भर करता है कि अंतनिर्दलीय), एक अनंत (१) किसी (एक (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के बराबर संख्या), और उचित और से बेहोश आवश्यक तो विपरीत है.

कोई संदेह नहीं है इस तरह के विश्वास (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के पक्ष में फिट नहीं है कि मान्यताओं की एक अनंत संख्या को सर्वशक्तिमान की ओर जाता है, कि वहाँ है, और देवताओं की बहुलता और न शुद्ध वृत्ति और मन से स्वीकार नहीं किया जाता है, जो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) प्रजापति, की एकता के लिए अंत में होता है) है, जो कोई ऊंचा सही अक़्ल वाला?! जिसने पहले विज्ञान, कुरान प्रकार से करने का आह्वान किया और पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ﷺ के आदेश शिक्षा राष्ट्र है.

धर्मशास्त्र (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के शब्दों में के रूप में (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) सर्वशक्तिमान निर्माता की एकता: (कोई (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) नहीं है, लेकिन (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) पता है कि वहाँ है) (सूरत (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) :१९)

﴿ قُلْ هُوَ ٱللَّهُ أَحَدٌ ۝١ ٱللَّهُ ٱلصَّمَدُ ۝٢ لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ ۝٣
وَلَمْ يَكُن لَّهُۥ كُفُوًا أَحَدٌۢ ۝٤ ﴾

(सूरा इख्लास १-४)

इसलिए, इस्लाम (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) में विश्वास करने के लिए बुला, जो स्पष्ट मन के साथ असंगत नहीं है, जो प्रकृति का एक धर्म है., प्रजापति और एकता, जो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल)

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इस्लाम और उसकी दावत: उसके नबिओं और रसूल पर ईमान, और उनकी इज़्ज़त व एहतेराम .

इस्लाम नबियों पर विश्वास, और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) पूर्णांकों के दूतों बुला आया, और वे उनमें से उसकी रचना करने के लिए आदेश, और रोक परियोजनाओं, और उसके निर्माण की शिक्षाओं पर अमल करने के लिए उनका जन्म हुआ था, और दाहने हाथ उठाया गया है, उसे सूचित करने के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) से कर रहे हैं, क्योंकि अपने उपकरणों के लिए उनके भाग्य में वृद्धि.

हम यहूदी धर्म (यीशु मसीह) - शांति की भविष्यवाणी उन पर हो- खंडन किया है पाते हैं, जिसमें एक समय में, उन्होंने कहा बदसूरत शब्द (जहां यहूदी ईसा मसीह,) व्यभिचार से इस्लाम का जन्म ऐसे बुराई से दोषमुक्त दावा किया, कि कहने के लिए आया था, लेकिन यह भी कीस मात्रा बढ़ जाती है!

और प्रेरितों की पहली संकल्प की वह सर्वशक्तिमान ईश्वर से, नबी को भेजा जाएगा और वह (शांति उस पर हो) एक मुखबिर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की तरफ से.

वह नबियों और, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के नबी के सब बन्दे के लिए हैं (यहूदी और ईसाई) धर्म अनुपात पाया, जिसमें एक समय में उनके साथ गलती की हैं, और उनसे तड़क रहे हैं!

उनके भाग्य और उसकी भविष्यवाणी के आरोपों के बावजूद उनके व्यवसाय में कोई कमी है, और आरोपी की पहचान के लिए लंगर डाले, हम इस्लाम केवल धर्म है, लगता है कि इस तरह के दोष और ब्रह्म बदसूरत और वे (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) द्वारा चुना जाता है क्योंकि यहां तक कि अपने उपकरणों के भाग्य उठाना, अपने लोगों के सूचित करने और उन्हें उनके लिए एक रोल मॉडल एक अच्छा उदाहरण और एक रोल मॉडल हो जाने के लिए.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

और हमें करने के लिए भेज दिया है जो यह मॉडल:

उसे वह वजन था कि उसे करने के लिए, न केवल उस पर अनुपात शराब पीने पर हम (यहूदी और ईसाई) धर्म हारून (बछड़े के रूप में एक बुत फोटोग्राफर) बछड़े की इबादत! पैगंबर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, कि लगता है अनुपात (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) शांति के बहुत सारे नबी के लिए किया.

यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की नबियों और बेवफाई के दूतों और एक प्रमुख पापों कि (degrades) के लिए (यहूदी और ईसाई) धर्म दोनों का अनुपात है!

उनके भाग्य और उनके व्यवसाय में डाल दिया है, और क्या उन्हें एक रोल मॉडल नहीं है? और सृष्टिकर्ता परमेश्वर के थोक करने के लिए अनुकरणीय और उदाहरण के द्वारा, और यहां तक कि गाली-गलौज की तरह, ओला और फिर यह उन्हें उसे सूचित करने के लिए उन्हें पता चला, और अनुकरणीय और नक़ल जो उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प नहीं था क्योंकि.

हमारा इस्लाम सब (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के नबियों और ऐसी बदसूरत और अविश्वास और बहुदेववाद, के दूतों से आया लगता है, लेकिन यह भी (सर्वशक्तिमान फिर उन्हें अच्छे रोल मॉडल हैं और सबसे अच्छा रोल मॉडल और इस तरह के उदाहरण के द्वारा, और टाटर सृष्टिकर्ता परमेश्वर बनाता है.

और के बारे में) ऊंचा क्या नुकसान और नबियों और दूतों के लिए एक बुरा विकल्प से नुस्खा तड़क, और सर्वशक्तिमान सुंदरता के सभी लक्षण है कि नबियों और प्रेषक का उचित चयन सहित सही नुस्खा.

इसलिए, इस्लाम कॉल में से एक सब नबी और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के रसूल और अपने उपकरणों के लिए अपने भाग्य के उठाने में विश्वास करने के लिए आया है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इस्लाम और विज्ञान के लिए उसका संदेश

इस्लाम लोग को एकेश्वरवाद नूर बहुदेव वाद के अंधेरे से, और मूर्ति इबादत से, अंधकार से प्रकाश को बाहर आने के लिए आया था.

और एक (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), लोगों को सत्य और न्याय की रोशनी फैलाने, के लिए उत्पीड़न, अन्याय और अत्याचार के अंधेरे से बाहर लाने, और दान ज्ञान के प्रकाश के रूप में अज्ञानता, और भ्रम के अंधेरे से बाहर लोगों के लिए तो उसके रास्ते में चलते हैं, और उन्नति और परिष्कार जीवन के सभी पहलुओं में मानवता।

और एक बयान कि: एक निशानी है, कि नबियों और (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), पर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा पता चला पहली बात पवित्र (कुरान) से.

(बनाया है जो बा सेमी (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के रूप में पढ़ा परमेश्वर, सर्वशक्तिमान) [कुरान, अल अलक़: १]

कुरआन का शब्द है, एक उसके बाद, और फिर अपने राष्ट्र की इस प्रारूप और पैगंबर मोहम्मद ﷺ का दायित्व जाना जाता है, पढ़ने के विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान और ज्ञान के लिए है.

तो और कुरान कि पहली बात यह है, कि विभिन्न प्रकार और विभिन्न क्षेत्रों के सामान्य में एक विज्ञान है, आग्रह किया.

इसके अलावा, कुरान, न केवल ध्वज के लिए बुला रही है, और केवल उसे जोर दिया, लेकिन डब्ल्यू अधिक और संच पर बुलाया

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के शब्दों में विज्ञान के रूप में,﴿....وَقُل رَّبِّ زِدْنِي عِلْمًا ﴿١١٤﴾﴾ [ताहा: 114], पैगंबर और बाध्यकारी जो एक प्रारूप उसके बाद (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), इसके अलावा सामान्य में विज्ञान की पढ़ाई, और संग्रह करने के लिए उपाय करने के लिए, और फिर अपने राष्ट्र की (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), अधिक से न सिर्फ क्या फायदा हुआ है, और सीखा है, और है, कि मानव जीवन की अवधि के

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

दौरान, और बात डब्ल्यू क्या यह इस बात की पुष्टि की गई है ،जिसमें उन्होंने द्वारा सुनाई (और जो जिसके माध्यम से (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) स्वर्ग करने के लिए आसान तरीका है की तलाश के लिए)

(कहा, पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) मुस्लिम], कि विज्ञान का संग्रह है - (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की संतुष्टि के लिए कारणों में से एक सामान्य नियम के रूप में - अच्छे विश्वास की हालत, और सर्वशक्तिमान और फिर आशीर्वाद (धन्य और ऊंचा), एक स्वर्ग की सभा जीतने के लिए).

एक महत्वपूर्ण सवाल: क्यों विज्ञान के लिए इस्लाम कहता है, और उससे आग्रह किया, वह चाहता किया है?

इस सवाल का जवाब निम्नलिखित में उल्लिखित है:

१- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है :

"और ज्ञान दिया गया है, जो उन लोगों को क्या अपने प्रभु से आप को पता चला है हो सकता है में ऊंचा पथ, सभी प्रशंसा के मालिक को सच्चाई और गाइड है कि देखते हैं।" [कुरान, सबा ': ६]

कौन सा मतलब यह है, कि मानव जाति को इस्लाम के लिए कहा जाता है? और ज्ञान प्राप्त कर रहा है और ज्ञान वाले लोगों जैसा बनने के लिए उनसे (सच्चा और इस पर अभिनय) प्रोत्साहित किया है, जिसके अनुसार काम किया है, और अपनी ज्ञान के खुद को वंचित है, जबकि उसकी बुद्धि का सबसे अच्छा उपयोग किए गए हैं, उसेकी ओर एक ईमानदार इरादे के साथ, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) से इनाम की आशंका) इच्छाओं और बाध्यकारी हठ, अज़्ज़ा व जल है, वह तो (पवित्र क़ुरआन) के संदेश की सच्चाई को सिद्ध करने वाली सबूतों और साक्ष्यों को देखना होगा, और यह सच है कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),) है, जिसनेकि, अज़्ज़ा व जल, सीधे रास्ते पर मानव जाति के लिए एक मार्गदर्शन के रूप में की रक्षा करने की कसम खाई है.

2- और यह भी कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के शब्दों की: "यह केवल (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) को डर है कि उसका दास के बीच ज्ञान है जो उन लोगों के लिए है ..." {फा तर २८}.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

कौन सा है, ज्ञान का अर्थ है ये? - और उसके फल - इस्लाम हासिल करने के लिए हमें प्रोत्साहित करती है जो इस प्रकार है: (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का डर है, और कहा कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के संकेत, आशीर्वाद और एहसान के ज्ञान के माध्यम से होता है.

मानव जाति, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लक्षण पहचानने, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) द्वारा उसे दीगई उसकी बुद्धि का सबसे अच्छा उपयोग किए गए तो, अगर ज्ञान के माध्यम से.

तो यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), प्रजापति की क्षमता की अनर्गल में विश्वास करने के लिए उसे नेतृत्व करेंगे, उसके आविष्कार की मौलिकता और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के अस्तित्व में उसकी निश्चितता में ऊंचा प्रजापति और, उनकी एकता उसे बढ़ रही है, इसके बारे में उनका सटीक निष्पादन.

मतलब: अपने सभी चिन्ह और चमत्कार के साथ इस ब्रह्मांड का (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) शानदार प्रजापति केवल ... यह भी शामिल है कि एक उनके अनर्गल क्षमता में विशेष और अद्वितीय (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), अपने फैसले की पूर्णता, और अपने ज्ञान का विस्तार और सभी हो है, और इतने पर और आगे ठीक है उनकी, अज़्ज़ा व जल, अगर वहाँ थे और अधिक एक (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) से प्रजापति, मतभेद और असमानताओं उभरेगा, और एक दूसरे पर ही पदोन्नत, और आकाश होगा, क्योंकि और कर रहे हैं कि पूर्ण और सुंदर विशेषताओं से पृथ्वी बर्बाद हो जाएगा.

इसके अलावा, ज्ञान होने और एक की बुद्धि का सबसे अच्छा इस्तेमाल कर रही है, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), करने के लिए विनम्रता और प्रस्तुत करने में मानव जाति बढ़ जाती है, और करने के लिए, समर्पण और उनके आदेश के अनुपालन के ऊंचा: उनके आदेश और उनकी रोक से परहेज से बंधे; उसकी आज्ञाकारिता को गतिमान और उनकी अवज्ञा परहेज; उनकी दया और उसकी सजा के डर के लिए तरस; और उन्होंने कहा, उनकी पवित्र, विनम्र और प्रस्तुत का वादा किया जो उनकी खुशी और स्वर्ग, कमाने की उम्मीद करता है.

और, अतीत की वास्तव में कई मुस्लिम विद्वानों (उन क्षेत्रों में विशेषज्ञों के रूप में) कई यहाँ तक कि हमारे वर्तमान युग करने के लिए विभिन्न विज्ञान के

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

लिए योगदान चमक बनाया है, इन विद्वानों और, उनके आधुनिक वैज्ञानिक योगदान के कुछ उदाहरण:

डॉक्टर अहमद हसन जुवेल, (ख 26 फ़रवरी 1946।): रसायन शास्त्र जिसमें उन्होंने अपने शोध के लिए 1999 में (रसायन) विज्ञान में पुरस्कार प्राप्त करने वाले (कैलिफोर्निया) प्रौद्योगिकी संस्थान, संयुक्त राज्य (अमरीका), एक मिस्र रसायनज्ञ, रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर जानकारी के, रासायनिक प्रक्रिया के दौरान देखा जासकता है, कि इस तरह के "femtosecond," कहा जाता है समय की राशि में लेजर बीम की तस्वीर की जासकती है, कि एक माइक्रोस्कोप का आविष्कार किया.

और महत्वपूर्ण बात यह उल्लेख करने के लिए: "पढ़ें !," पहले के आदेश प्राप्त हुआ है और हो गया था, जो मुसलमानों को इस्लाम के लिए कहता है और उभाड़ता है, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), कहता है की, माध्यम प्रोत्साहित करती है, कि ज्ञान प्राप्त करने की दिशा में अपनी ऊर्जा और क्षमताओं का निर्देशन नहीं कर रहे हैं सिर्फ इसलिए कि पीछा किया, और इस्लाम और उसके संदेश दोषी हैं. इसका मतलब यह नहीं है कि उसकी धन्य! साथ ही उसके बाद उसके राष्ट्र से (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) , द्वारा पर काम किया.

बल्कि, दोष इस्लाम पर और आगे के लिए कहता है, और उभाड़ता प्रोत्साहित करता है, और कहा कि ज्ञान के साथ निम्नलिखित के मामले में (विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में उन विशेषज्ञों) आलसी और लापरवाह था जो कोई उस पर पूरी तरह से है!.

इस्लाम अच्छा है, और क्या यह करने के लिए आदेश, सिवाय इसके कि मानव जाति को विकसित करने की दिशा में एक पथ, का सुझाव है और इसे करने के लिए बताया नहीं किया!?

और यह एक बुराई की ओर रास्ते और यह क्या यह निषिद्ध है, और इसके खिलाफ चेतावनी दी है, सिवाय इसके कि गिरावट और प्रतिगमन मानव जाति के लिए और अपने मूल्यों, सिद्धांतों और नैतिकता को बढ़ावा मिलेगा!?.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

अधोनिक बिज्ञान कैसे एक सबूत और दलील हो सकती है, हमारे नबी (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) का मैसेज सच्चा है.

इस खंड के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए, हम स्पष्ट करना चाहते हैं:

हम स्पष्ट रूप से अभी बुक करें, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), का सच भाषण, और वह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के बारे में हमें सूचित किया है की सच्चाई यह है, कि उसे करने के लिए आमंत्रित किया - (पवित्र क़ुरआन) - तो यह है, कि वह नबी और रसूल (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) थे, कि उनके संदेश और प्रतिज्ञान में विश्वास जरूरी है.

वास्तव में वह ".

क्रूर, भरोसेमंद एक" उपनाम और किया गया था कि इस तरह के (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) अच्छी तरह से अपने लड़कपन के बाद से उसकी सत्यता और विश्वसनीयता के लिए जाना जाता था, नबी, उसे और क़ुरैश के जिले विश्वासियों से अपने संदेश में निर्देशित आक्रामकता के बावजूद, वे सब उसकी सच्चाई और विश्वसनीयता के लिए गवाही दी.

1400 से अधिक साल पहले, (पवित्र क़ुरआन) और सचमुच आदर्श हदीसों की बात की थी और ब्रह्मांड के बारे में और साथ ही कोई भी इस तरह के मामलों के बारे में थोड़ा सा भी ज्ञान था जब एक समय में विज्ञान के सभी क्षेत्रों, हमें सूचित किया.

आधुनिक तकनीकी विज्ञान इस जानकारी की सटीकता की हद तक की खोज करने के लिए आ गया है। तो, क्या (पवित्र क़ुरआन) की सटीकता हम में से है, और क्या सचमुच आदर्श हदीसों पर छुआ सूचित है - हाल ही में जब तक नहीं की खोज की अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों से - वैज्ञानिक दृष्टि से तो सवाल बने हुए हैं, साबित कर रहे हैं:

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

यह अनदेखी के बारे में इस तरह के तथ्यों की (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), को सूचित किया है कि कौन है? और यह कोई एक की थोड़ी सी भी ज्ञान था कि, उसे इन साइंसेज (सभी क्षेत्रों) सिखाया है, और यही कारण है कि कौन है?.

जवाब है जिसके लिए कोई विकल्प नहीं है: (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), अनदेखी के बारे में इस तरह के तथ्यों (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) सूचित करने वाले एक अपने अनर्गल क्षमता और सही ज्ञान है और क्या यह भी शामिल है के द्वारा वर्णित अनदेखी के ज्ञान, के पास जो एक है। वह वास्तव में, रहस्योद्घाटन से जुड़ा आकाश के निर्माता और से सिखाया गया था कि एक वसीयतनामा और सबूत के रूप में सेवा करने के लिए अपने अंतिम पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), के उसके पास से एक का समर्थन किया गया था (उसे इस ज्ञान देने) पृथ्वी: (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल).

इसलिए, इस तरह से, आधुनिक वैज्ञानिक खोजों (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), एक नबी और रसूल थे, कि एक वसीयतनामा और सबूत के रूप में सेवा करते हैं.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

अधोनिक बिज्ञान के बारे में जो नोबेल क़ुरआन और हमारे नबी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने १४०० साल पाहिले बताया है.

(पवित्र क़ुरआन) और सचमुच आदर्श हदीसों के बारे में सूचित किया और आकाश, पृथ्वी, पहाड़ों, समुद्रों, मानवता, पशुओं, पक्षियों और पौधों के विषय में अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों करने के लिए संकेत। यह १४०० से अधिक साल पहले की बात है - एक समय में कोई भी इस तरह के तथ्यों के बारे में थोड़ा सा भी ज्ञान था। तो फिर आधुनिक विज्ञान केवल उन तथ्यों की सच्चाई और शुद्धता की खोज करने के लिए, अपने उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ आया था.

(पवित्र क़ुरआन) और सचमुच आदर्श हदीसों के बारे में बताया और संकेत है कि वैज्ञानिक तथ्यों के बीच से:

आकाश

१- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है: "और जिस किसी (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) मार्गदर्शन करने के लिए चाहा, वह इस्लाम के लिए अपने स्तन खोलता है, और जिस किसी वह भटक भेजने के लिए चाहा, वह ... उसके स्तन बंद कर दिया और कहा कि वह आसमान तक चढ़ रहा है, मानो, कसना बनाता है"

[क़ुरान, अल अनआम : १२५]

परिभाषाएं:

- "उसके स्तन बंद": अर्थ, उसकी छाती के कारण श्वसन प्रणाली में गड़बड़ी और अनियमितता के लिए, तंग और व्यापक नहीं है और विशाल है.

- "कसना": जिसका अर्थ है, बेहद तंग.

- "चढ़ाई": अर्थ, कठिनाई और बाधा के साथ आरोही.

इस महान (पवित्र क़ुरआन) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के रास्ते से भटका करने वाले व्यक्ति के बारे में बात करता है; और उन्होंने कहा कि उनकी चढ़ाई की कठिनाई से पीड़ित है, आकाश में चढ़ना करने के लिए कोशिश करता है जो एक तरह, एक बेहद तंग हालत में अपने सीने से प्रस्तुत करना है कि इस तरह इस

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

दुनिया में उस पर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के अधिकार के बारे में.

इसलिए, (पवित्र क़ुरआन) आकाश की ओर चढ़ता है, जो एक की हालत के बारे में हमें बताते हैं, और वह कारण (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है, से अशांति और स्पष्ट उनकी श्वसन प्रणाली की अनियमितता, छाती के चरम तंगी से ग्रस्त है कि, "बंद कर दिया और कसना "और उनका कहा," चढ़ाई".

आधुनिक विज्ञान वायुमंडल के ऊपरी स्तरों की ओर आरोही, जबकि हवा के दबाव में एक बूंद सांस लेने में छाती और कठिनाई में जकड़न की भावना का कारण बनता है, जो होती है कि खोज की है.

इस से, कोई भी इस तरह के तथ्यों का थोड़ा सा भी ज्ञान था जब इस महान (क़ुरआन), एक समय में 1400 से अधिक साल पहले करने के लिए संकेत है कि इस अद्भुत वैज्ञानिक तथ्य की सच्चाई है, में स्पष्ट कर दिया, एक अभूतपूर्व, संक्षिप्त चित्रण के माध्यम से स्पष्ट हो जाता है इस (पवित्र क़ुरआन) में केवल तीन शब्द.

इन शब्दों को अपने सीने तंग और कसना है, कि आकाश की ओर आरोही एक की हालत का वर्णन है कि, "तंग और कंस्ट्रक्शन" दो शब्द हैं से.

"चढ़ाई" तीसरी शब्द, एक आरोही क्योंकि वह हवा के दबाव में भारी गिरावट से सदा उसका क्या उदगम में कठिनाई पाता है बल्कि उदगम आसान नहीं है, जो इंगित करता है, जो अरबी भाषा में एक फार्म पर ले जाता है.

पत्र की भी अपनी पसंद (पवित्र क़ुरआन), के शब्दों में कैसे सटीक और सावधानीपूर्वक है, कि ?! इसलिए यह (पवित्र क़ुरआन) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के भाषण है कि इस तथ्य के गवाह के रूप में कार्य करता है.

२- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"और उनके लिए एक संकेत है कि हम वे अंधेरे में हैं, दिन उधर से वापस लेने, और निहारना, रात है। और सूर्य (नियुक्त) एक अवधि के लिए अपने निर्धारित पाठ्यक्रम पर चलता है। यही कारण है कि सभी ताकतवर, सभी की जानकारी के फरमान है.

और चंद्रमा, हम यह मकान (पार करने के लिए) यह पुराने सूखे घुमावदार तारीख डंठल की तरह लौटने तक के लिए मापा है.यह चंद्रमा से आगे निकल करने

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

के लिए सूर्य के लिए नहीं है, और न ही रात दिन आगे बढ़ना होता है। वे सभी एक कक्षा में, प्रत्येक तैरने लगते हैं".

[कुरान, यासीन: 37-40]

परिभाषाएं:

- "कक्षा": अर्थ, गति की एक परिपत्र आकार का पथ.

- "वे सब फ्लोट": पानी में एक तैराक के रूप में, अंतरिक्ष में एक नियंत्रित, चिकनी और आसान तरीके से साथ चलते हैं.

रात और दिन इसकी सतह पर एक दूसरे के सफल होने के रूप में इन महान छंद, पृथ्वी पर एक गर्भित संकेत के साथ रात और (पहली पवित्र क़ुरआन करीम में) दिन के बारे में बात करते हैं। फिर, छंद (दूसरी पवित्र क़ुरआन करीम में) सूरज के बारे में बात करते हैं; तब (तीसरी पवित्र क़ुरआन करीम में) चंद्रमा के बारे में; वे "सभी नाव उनके कहने में स्पष्ट है के रूप में तो चौथी पवित्र क़ुरआन करीम, (पवित्र क़ुरआन) बहुवचन तनाव में आ गया है कि इस तरह सूर्य और चंद्रमा के साथ ही रात और कुल मिलाकर (पृथ्वी के लिए देखें), जो दिन के बारे में बोलती है, "जो कम से कम 3 (सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी) है, बहुवचन तनाव में जो इंगित करता है.

संदर्भ सिर्फ सूर्य और चंद्रमा के लिए किया गया था, तो शब्द का इस्तेमाल किया दोहरे तनाव में इंगित करता है जो "वे दोनों," हो गया होता। हालांकि शब्द का इस्तेमाल किया है कि हम (सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी) के रूप में बताया, बहुवचन जो इंगित करता है ", वे सब 'था.

इन महान छंद सूरज, चाँद और सितारे के बारे में बात की थी, के बाद वे सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी के बारे में दो अद्भुत और जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों का उल्लेख। वो हैं:

A- उनकी बात में तीन (सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी) में से प्रत्येक के आंदोलन का उल्लेख के माध्यम से अंतरिक्ष में पृथ्वी के आंदोलन,: "। वे एक कक्षा में सभी नाव, प्रत्येक" उस के शीर्ष पर, पवित्र क़ुरआन करीम चरम विस्तार के साथ इस आंदोलन का वर्णन , और यह सिर्फ उन्होंने कहा के रूप में पानी में एक तैराक,

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

साथ आसानी से ग्लाइड होता है के रूप में एक नियंत्रित, चिकनी और आसान आंदोलन है कि: "फ्लोट".

B- "वे एक कक्षा में सभी नाव, प्रत्येक।" उन्होंने कहा: के रूप में, वे सभी (सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी), गति (कक्षा) के एक परिपत्र आकार का पथ में साथ ले जाने का उल्लेख है कि के माध्यम से अंतरिक्ष में पृथ्वी के आंदोलन का विवरण, इस पवित्र क़ुरआन करीम पहले से ही 1400 साल पहले से अधिक इस बात का हमें सूचित किया था, जबकि हाल ही में खोज की गई है क्या है.

शानदार ज्ञान और (पवित्र क़ुरआन) की शैली से: यह पृथ्वी (रात और दिन) के बारे में बात करने के लिए इस्तेमाल किया अभिव्यक्ति के माध्यम से, यह परेशान या सदमा नहीं किया है कि इस तरीके से पृथ्वी के आंदोलन के एक बहुत ही सूक्ष्म संकेत दिया आदिम मानसिकता यह 1400 साल पहले संबोधित कर रहे थे.

तो (पवित्र क़ुरआन) की भव्यता, बुद्धि और शैली की हद क्या है ??!

इसलिए, यह (पवित्र क़ुरआन) उनके पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) को नीचे भेजा (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की दिव्य पुस्तकों के अंतिम है स्पष्ट है कि उस में के साथ अपने संदेश की एक सच्चाई के सबूत और प्रामाणिकता ले जाने, (सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

३- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"और हम स्वर्ग से उन्हें एक गेट खोला और वे, वे निश्चित रूप से कह सकते हैं कि बहां आरोही जारी रखने के लिए थे, भले ही: 'हमारी आँखें (मानो) कर दिया गया है चकाचौंध, अस्वीकार, हम मोहित एक लोग हैं. [कुरान, अल हिज्र: 14-15]

परिभाषाएं:

- "वे जारी रखने के लिए थे": जिसका अर्थ है, वे (क्रिया का इस्तेमाल किया जाता है, एक रात के समय घटना के बारे में बात जब अरबी भाषा में इस क्रिया का प्रयोग कार्रवाई दिन के समय में होने वाली इंगित करता है) हो गया.

- "आरोही": जिसका अर्थ है, जैसे एक तिरछा, वक्र या असमता साथ उदगम, यह दर्शाता है, आकाश को ऊपर की ओर झुका "पुराने सूखे घुमावदार तारीख डंठल," या यह सूख जाता है जब दुबला और घटता है कि एक पुराने ताड़ के पेड़ के

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

क्लस्टर शाखा। इसके अलावा, पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) का कहलाते हैं, आकाश को यात्रा (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) का "उदगम".

- "हमारी आँखों किया गया है (मानो) चकाचौंध": अर्थ, हमारी दृष्टि अवरुद्ध कर दिया गया है या हम (एक नहीं रह देखता है) को देखने से रोका गया है.

- "मोहित": अर्थ, हम जादू से प्रभावित हुए हैं.

1400 से अधिक साल पहले - इस महान कुरआन एक अनुमति के उदाहरण देकर स्पष्ट करना, घुसना और आकाश के माध्यम से पारित करने के लिए प्रदान किया गया है, लगता है इस आंदोलन का विवरण और तरीके से.

यह पहले कभी नहीं हुआ है कि हाल ही में एक घटना है, जिसका अर्थ है (पवित्र क़ुरआन) अवधि "और यहां तक कि अगर" इसके उद्घाटन में प्रयोग किया जाता है कि इस तरह - यह आगे राहगीर पहली बार के लिए आकाश को अपने उदगम के दौरान से आश्चर्यचकित हो जाएगी क्या दिखाता में विस्तृत और संक्षिप्त शब्दावली के माध्यम से एक शानदार दृश्य और अद्भुत चित्रण.

संक्षेप में, इस (पवित्र क़ुरआन) का अर्थ है, सच्चाई से इनकार करते हैं जिद्दी, घमंडी लोगों को प्रदान किया गया है, भले ही अनुमति (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), अपने शानदार क्षमता, या उनका मूल शिल्प कौशल के संकेत के कुछ देखने के लिए आकाश को चढ़ा करने के लिए है वे मानते हैं और न ही बल्कि वे अपनी आँखों देखा क्या शक होता है, विश्वास है, और वे वे जादू से प्रभावित किया गया था, क्योंकि वे क्या देखा था कि यह कहना होगा न.

इन दो महान छंद, एक लाइन में, कई अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों हम, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की इच्छा से, क्या इस प्रकार में पर विस्तृत होगा जो (आधुनिक विज्ञान के लिए सबूत है जो की सच्चाई और शुद्धता) के बारे में हमें सूचित:

A- पहले (पवित्र क़ुरआन), शब्द के प्रयोग के द्वारा "गेट," आकाश उन्हें मर्मज्ञ या असंभव हो जाएगा के माध्यम से गुजर रहा है कि बिना कुछ द्वार है कि इंगित करता है.

"और हम स्वर्ग ... से उन्हें एक गेट खोला, भले ही" अर्थ, आकाश उन्हें असंभव होगा मर्मज्ञ बिना कि प्रवेश द्वार है, और यह आधुनिक विज्ञान की खोज

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

की है क्या है: वह बड़ा कहते हैं। किसी भी अंतरिक्ष जहाज आकाश को चढ़ा करने का प्रयास किया और पाया गया है कि इन विशिष्ट फाटकों के अलावा अन्य के माध्यम से वातावरण अनुप्रस्थ हैं, तो यह जल्दी से टकराने और विस्फोट होगा.

B- वह बड़ा, "आरोही" (इच्छुक), अर्थ कहा के रूप में पहली (पवित्र क़ुरआन) अंतरिक्ष में आंदोलन एक घुमावदार, तुला ढंग से है कि हमें बताते हैं, न कि एक सीधे तरीके से, आकाश करने की दिशा में उदगम एक घुमावदार, टेढ़े ढंग से है, नहीं एक सीधी रेखा में, और आधुनिक विज्ञान इस (पवित्र क़ुरआन) इंगित करता है की सच्चाई की खोज की है, और वह यह है: आकाश में आंदोलन की वजह से आकाश में आगे बढ़ विभिन्न लोगों के गुरुत्वाकर्षण में अंतर करने के लिए, घुमावदार लाइनों में ही है.

C- पहले (पवित्र क़ुरआन) अवधि आकाश में उदगम वर्णन करने के लिए "वे जारी रखा," उपयोग करता है। और इस क्रिया का प्रयोग कार्रवाई नहीं रात के अंधेरे में, दिन के समय में जगह लेता है कि इंगित करता है.

वातावरण - एक अद्भुत वैज्ञानिक के एक सूक्ष्म संकेत में, वे कुछ भी देखने के लिए अपनी असमर्थता के बारे में हमें बता देंगे, और उनकी आंखों से देखने से रोका गया है कि फिर दूसरा (पवित्र क़ुरआन) को अपने में उदगम और आकाश के प्रवेश के बाद हमें बताते हैं, कि इस (पवित्र क़ुरआन) से तथ्य: आकाश और वातावरण की पहुंच में अपने उदगम के बाद, वे इसे करने की वजह से कुछ भी नहीं देखा जा सकता है कि, एक पिच काले अंधेरे से आश्चर्यचकित हो जाएगी, और इसके बारे में क्योंकि वे खो दिया है उस पर विश्वास करेंगे कि उनकी दृष्टि, उनके उदगम व्यापक दिन की रोशनी में किया गया था कि इस तथ्य के बावजूद.

D- जोर से करने के लिए अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों के इन दो महान छंद पर्याप्त नहीं होगा क्या; वे भी, "अस्वीकार, हम मोहित एक लोग हैं, उनका कहावत के रूप में, यह के माध्यम से गुजर जाने के बाद एक की हालत को दिखाता है जो शब्द" मोहित "के उपयोग के माध्यम से पृथ्वी के वायुमंडल गुजर जाने के बाद, जबकि आकाश की ओर आरोही क्या एक देखेंगे वर्णित "पहली बार के लिए, पृथ्वी के वायुमंडल के माध्यम से स्वर्ग की ओर चढ़ा और पारित कर दिया गया है, जो एक-एक करके इस बयान के लिए कारण स्पष्ट किया है, जो:

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

i) उनकी दृष्टि और काम कर रहा अछूता है, जबकि दिन के उजाले में आकाश की ओर आरोही के बाद, वे पृथ्वी के वायुमंडल के माध्यम से गुजर जाने के बाद पिच तिमिर से आश्चर्य नहीं होगा, और वे अपनी दृष्टि खो दिया है, कि इस से ग्रहण करेंगे। उनके वर्तमान चौंकाने वाला स्थिति के लिए उनकी व्याख्या वे पास आवश्यक है ताकि वे अपनी दृष्टि खो नहीं है कि एहसास करने के लिए, जिससे उन्हें लगता है कि पिच तिमिर के बीच में - स्टार - अचानक, वे प्रकाश की अब तक की दूरी पीला दाग में होगा निरीक्षण कारण यह वास्तव में क्या हो रहा है समझाने के लिए अपनी असमर्थता को, मोहित कर दिया.

सिर्फ एक लाइन में - (पवित्र क़ुरआन) इतनी अद्भुत और संक्षेप में दर्शाया गया है कि यह दृश्य की खोज की और आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से फोटो खिंचवाने की गई है कि क्या वास्तव में है.

ऐसा करके, हम (पवित्र क़ुरआन) यह 1400 साल पहले की आदिम मानसिकता, साथ ही उन्नत तकनीकी विज्ञान के युग की मानसिकता संबोधित कर रहे थे कि खाते में ले लिया कैसे साकार करने के लिए आते हैं.

कैसे सावधानीपूर्वक (पवित्र क़ुरआन) के भाव और वाक्पटुता हैं? !! और कैसे खूबसूरत और अनूठा इसका विवरण और चित्रण कर रहे हैं? !! और यह का एक संकेत है क्या ???

इसमें कोई शक नहीं है कि सभी को (पवित्र क़ुरआन) और की वैधता का एक संकेत है अपने (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), धन्य और ऊंचा द्वारा संरक्षित किया जा रहा है कि यह देवी स्पीरिट को संबोधित कर रहे हैं और सभी स्थानों और समय में मानव जाति का मार्गदर्शन करने के लिए उपयुक्त है कि; वैसे ही यह सब नबी और रसूल के भरोसेमंद मुहर यह लाया जाता है और अपने संदेश में कहा जाता है, जो एक की सच्चाई का एक संकेत है, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

कुरान के वाक्यांशों और अभिव्यक्ति के भीतर विवरण और निहितार्थ है कि वे इसे अपने भरोसेमंद पैगंबर पर, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),) से तथ्य रहस्योद्घाटन में है कि गवाही है कि इस तरह के हैं, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), और साथ ही उसका फोन और उनके संदेश की सच्चाई.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

४- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"शक्ति के साथ हम स्वर्ग का निर्माण किया था। वास्तव में, हम उसके अंतरिक्ष की विशालता का विस्तार करने में सक्षम हैं।" [कुरान, अल- जारियात : ४७]

परिभाषाएं:

- "स्वर्ग": पृथ्वी शामिल हैं जो बाह्य अंतरिक्ष.

- "शक्ति के साथ": शक्ति और क्षमता और यथातथ्यता के साथ.

- "उसके अंतरिक्ष की विशालता का विस्तार करने में सक्षम": हम निश्चित रूप से इसकी विशालता में वृद्धि होगी और हम इसे लगातार विस्तार और प्रसार होने का कारण होगा.

(पवित्र क़ुरआन) आकाश के बारे में बोलता है, और विशिष्ट रूप से और ठीक इसे बनाने के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की क्षमता की भव्यता के बारे में.

यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की अज़्ज़ा व जल है, वास्तव में उनकी शक्ति और क्षमता के साथ स्वर्ग बनाया है, और यह विशाल बना दिया है कि हमें बताते हैं; इसके अलावा, वह अपनी विशालता बढ़ाने के लिए और कारण होगा कि यह लगातार विस्तार और प्रसार किया जाना है.

दरअसल, आधुनिक विज्ञान (पवित्र क़ुरआन) हमें बताता है क्या की सच्चाई का पर्दाफाश किया है इस तरह के आधुनिक तकनीक की पुष्टि की है कि सितारों, साथ ही आकाशगंगाओं कि - आश्चर्यजनक संख्या तक पहुंच गया सितारों का बना हुआ है - असाधारण उच्च गति पर एक दूसरे से दूर ले जाते हैं, कभी कभी प्रकाश की गति (300,000 किमी / सेकंड) के करीब तक पहुंच गया.

वैज्ञानिकों ने एक स्टार के स्पेक्ट्रम लाल करने के लिए आंशिक है कि एहसास हुआ.

इसलिए यह ब्रह्मांड की विशेषताओं में से एक यह लगातार विस्तार हो रहा है कि यह है कि वैज्ञानिकों के लिए की पुष्टि की थी, और कहा कि (पवित्र क़ुरआन) का तात्पर्य है कि वास्तव में क्या है: इस विस्तार प्राचीन काल में था और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) तक जारी रहेगा, चाहा .

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

क्या कोई भी इस तरह के तथ्यों के बारे में थोड़ा सा भी विचार किया था जब एक समय में, 1400 से अधिक साल पहले, बताए और इन के रूप में इस तरह के अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों की ओर इशारा में (पवित्र क़ुरआन) पूर्वता से संकेत दिया है, और जो की सच्चाई तक पता नहीं था आधुनिक समय?!!.

5- (अल्लाह, अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"ज्ञात जो लोग नास्तिकता आकाश और पृथ्वी तो हम उन्हें जुदा, एक यूनाइटेड टुकड़े के रूप में एक साथ शामिल हो गए थे नहीं है कि? और हम हर जीवित चीज पानी से बना दिया है। वे तो विश्वास नहीं करेंगे? "

परिभाषाएं:

- "एक संयुक्त टुकड़े के रूप में एक साथ शामिल हो गए थे": एक दूसरे से जुड़ा है, में आकाश और पृथ्वी को एक-दूसरे से जुड़े थे.

- "तो फिर हम उन्हें जुदा": वे एक-दूसरे से जुड़े थे के बाद हम उन्हें (आकाश और पृथ्वी) के दो अलग कर दिया.

इस महान (पवित्र क़ुरआन), आकाश और पृथ्वी के (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के निर्माण के बारे में बात करता है, और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की रचना की मौलिकता पर विचार के लिए प्रोत्साहित करता है, और जिस तरह से हम पालन जो इस ब्रह्मांड आदेश अपने निर्माता पहचान है, और उस पर विश्वास करने में, शुरू हो गया था उसकी विशेषताओं की भव्यता और उनका अनर्गल क्षमता.

(पवित्र क़ुरआन) उन्होंने कहा, ऊंचा, कहते हैं, के रूप में आकाश और पृथ्वी को शुरू में, एक बात के रूप में एक दूसरे से जुड़े थे कि हमें बताते हैं, "एक संयुक्त टुकड़े के रूप में एक साथ शामिल हो गए थे।" तो फिर वे अलग हो गए थे, वह बड़ा रूप में कहते हैं, "तो हम उन्हें जुदा".

निरंतर विस्तार की खोज के बाद आधुनिक समय में प्रचलित सिद्धांत है, जो - दरअसल, आधुनिक विज्ञान के वैज्ञानिकों केवल आधुनिक समय (बिग बैंग थ्योरी में की खोज की है जो इस पवित्र क़ुरआन) में अवगत करा अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों की सच्चाई का पर्दाफाश किया है ब्रह्माण्ड का).

बिग बैंग थ्योरी ब्रह्मांड अस्तित्व में रहा है के रूप में लंबे समय के रूप में

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

यह विस्तार किया गया है, तो यह करीब एक साथ अतीत में कुछ समय में किया गया है चाहिए कि कहते हैं.

हम लोग एक दूसरे को आ रहे थे यानी, उनके विस्तार की दिशा में आगे बढ़ विपरीत इन आकाशगंगाओं की कल्पना है, तो वे अंततः वह, ऊंचा, "एक संयुक्त टुकड़े के रूप में एक साथ शामिल हो गए थे" कहते हैं एक टुकड़ा (एक दूसरे से जुड़ी हो जाएगा) एक साथ रख सभी आकाशगंगाओं की राशि के बराबर आकार में.

भौतिकविदों उनकी गुरुत्वाकर्षण खिंचाव की तीव्रता के रूप में करता आकाशगंगाओं एक दूसरे के करीब आने और जब भी उनके लगाव बढ़ रही है, एक दूसरे, उनके बड़े पैमाने पर वृद्धि के साथ कनेक्ट कि कहते हैं.

फिर, इस "बात" जब तक एक दूसरे से बढ़ जाती है, और इस दबाव बढ़ जाती है पर 'सितारों की गुरुत्वाकर्षण शक्ति एक कण, तो छोटी संभव आकार के आकार बन जाता है। फिर, इस दबाव, अत्यधिक शक्तिशाली "बात" फट (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) रूप में कहते हैं, "तब हम उन्हें जुदा"), फिर अंत में आकाश से मिलकर ब्रह्मांड और पृथ्वी बनने ठंडा किरणों के रूप में अपने हिस्से फैलाव जो हम आज निरीक्षण करते हैं.

कैसे सटीक और वाक्पटु (पवित्र कुरआन) अभिव्यक्ति कर रहा है? !! और वे का एक संकेत क्या कर रहा है??.

इसमें कोई शक नहीं है कि वे (पवित्र कुरआन) हमें बताता है, और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) का यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से रहस्योद्घाटन उनके भरोसेमंद पैगंबर पर है कि, नबी और रसूल की मुहर, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

६- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"यह धुआं था फिर जब वह स्वर्ग की ओर से अधिक गुलाब ..."

[कुरान, फूस्से लत : ११]

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),) द्वारा इसके निर्माण की शुरुआत में - धुआं था इस (पवित्र कुरआन) स्वर्ग कि बताता है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

आधुनिक विज्ञान धन्य है, निर्माण और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) से ब्रह्मांड के गठन की शुरुआत में बिग बैंग से उत्पन्न इस "प्रारंभिक सार्वभौमिक धूम्रपान" को चित्रित करने में सक्षम और ऊंचा था। दरअसल, पुरातात्विक अवशेष तब वह स्वर्ग की ओर से अधिक गुलाब, "(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), रूप में कहते हैं, धन्य और ऊंचा (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), ने इसके निर्माण की शुरुआत में स्वर्ग, धुआं वास्तव में था कि पुष्टि करता है जो ज्ञात ब्रह्मांड के सबसे बाहरी किनारों पर पाया गया यह धुआं था, जब ... ".

कैसे सटीक और वाक्पटु (पवित्र क़ुरआन) अभिव्यक्ति कर रहा है? !! और वे का एक संकेत क्या कर रहे हैं ??.

एक शक के बिना, अपनी संपूर्णता में है कि (पवित्र क़ुरआन) की प्रामाणिकता को इंगित करता है, और यह, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से रहस्योद्घाटन उनके भरोसेमंद पैगंबर पर है कि, सब नबी और रसूल की मुहर, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

७- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"तो मैं सितारों की स्थिति की कसम खाता हूँ, लेकिन आप जानते हैं कि अगर और वास्तव में, कि, वास्तव में एक महान शपथ है". [क़ुरान, अल Waqiah: ७५-७६]

पहले (पवित्र क़ुरआन) में, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), सितारों की स्थिति बहाल करना चाहती है.

अच्छी तरह से जाना जाता है और, जैसा कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) यह वह दूसरे (पवित्र क़ुरआन) में हमें करने के लिए हमें बताता है, और इसके अलावा पुष्टि करता है जो की एक शानदार बात यह है कि इस शपथ जिसके द्वारा वह द्वारा "पहली पवित्र क़ुरआन करीम में कसम खाई थी कि है, सिवाय इसके कि कुछ भी की कसम खाता नहीं है सितारों की स्थिति, "एक शानदार शपथ है.

हम पूछते हैं: सितारों की सेटिंग पदों से इस शपथ ग्रहण के पीछे ज्ञान क्या है? यह इस (पवित्र क़ुरआन) से छंद में अन्य के रूप में है, और क्यों सितारों की "पदों" द्वारा और न सितारों स्वयं द्वारा शपथ था? और इस शपथ एक भव्य

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

शपथ इस शपथ के बारे में हमारी समझ को जोड़ने के तथ्य यह है कि क्या करता है? और क्या यह एक शानदार शपथ बनाता है?

इन सब सवालों का जवाब है, कि इस तरह की आधुनिक तकनीक क्या हम अपनी आँखों से देखना वास्तव में सितारों नहीं है कि इस बात की पुष्टि की है की खोज की है आधुनिक क्या विज्ञान के क्षेत्र में स्थित है; यह सितारों की स्थिति है लेकिन है.

सूरज - हम अपने पदों पर देख रहा है बल्कि हमें क्या हमारे लिए निकटतम स्टार को देखने के लिए उदाहरण के लिए, यह संभव नहीं है। गुप्त सूर्य पृथ्वी से लगभग 150,000,000 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, और इसकी रोशनी हम तक के लिए इसके बारे में 8 मिनट लगते हैं.

यह क्या हम अपनी आँखों से देखते बल्कि यह सूरज एक बार के माध्यम से पारित कर दिया है, जो एक स्थिति है, वास्तव में सूर्य नहीं है कि इस कारण के लिए है.

मतलब, हम एक भी क्षण में हमारी आँखों से देखते हैं कि सूरज 8 मिनट पहले कि स्थिति में उपस्थित थे.

इसलिए, सूरज क्या दूरी पर हम से सूर्य की है कि कई गुना झूठ है कि अन्य सितारों के बारे में हमारे लिए निकटतम तारा, है?!.

इसके अतिरिक्त, बहुत पहले विस्फोट किया है कि तारे हैं, लेकिन हम उन्हें हर रात को देखने के लिए जारी ... या ज्यादा ठीक है, हम इसलिए उनके प्रकाश है कि बहुत लंबे समय तक लेने से, हम से मन में इन सितारों को 'चरम दूरी रखते हुए अपने पदों पर हर रात को देखने के हमें तक पहुँचने के लिए.

हमें सूरज या किसी अन्य स्टार को देखने के लिए इस कारण से, यह संभव नहीं है; पिछले कुरआन छंद के पहले, उनकी कहावत में करने के लिए संकेत के रूप में नहीं बल्कि क्या हम देखते हैं, वे के माध्यम से पारित कर दिया है कि पदों है "सितारों की स्थिति से".

तो, कैसे सटीक (पवित्र क़ुरआन) की अभिव्यक्ति कर रहा है? !! और वे का एक संकेत क्या कर रहा है??.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

८- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"स्वर्ग है, और रात आनेवाला द्वारा; और क्या आप रात आनेवाला पता है क्या करना होगा? चमक भेदी के स्टार।" [कुरान, पर तारिक: १-३]

परिभाषाएं:

- "रात आनेवाला": पहुंच हासिल करने की मांग, दस्तक देता है कि स्टार; इसलिए रात आगंतुक के रूप में वर्णन.

- "चमक भेदी के स्टार": पहले (पवित्र क़ुरआन) में शब्द "रात आनेवाला" द्वारा समझाया गया था, के रूप में अपनी दस्तक द्वारा आकाश की चुप्पी बेध कि स्टार.

उन्होंने कहा, ऊंचा, अपनी दस्तक के साथ आकाश के मौन में घुसा है जो एक रात आनेवाला, के रूप में वर्णन है कि स्टार: (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, उनकी सबसे शानदार कृतियों में से एक ने कसम खाते हैं.

दरअसल, उन्नत वैज्ञानिक रिकॉर्डिंग तरीकों के उपयोग के माध्यम से, आधुनिक विज्ञान ", रात आनेवाला" यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के विवरण में के रूप में मजबूत, सतत दस्तक देता है बाहर की सुविधा देता है, जिसमें एक स्टार के जीवन में एक चरण की खोज की है और इस स्तर में स्टार कहा जाता है मन में प्रति सेकंड 30 दालों तक पहुँचने के लिए रेडियो तरंगों के अनुरूप दालों के रूप में भेजा जाता है कि इसकी दस्तक देता है, की आवृत्ति में रखते हुए भी (दिल की धड़कन से) एक "डिब्बा" के रूप में भेजा "न्यूट्रॉन स्टार,".

एक सुसंगत तरीके से जारी है कि अपनी मजबूत, शक्तिशाली दस्तक देता है के साथ (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) का विवरण ("चमक भेदी के स्टार") के रूप में था, आकाश की चुप्पी और शांतिपूर्ण शांत पियर्स के लिए इस कारण से, इस अवस्था के दौरान स्टार के लिए एक अद्वितीय और संक्षिप्त तरीके से स्टार के जीवन के इस महत्वपूर्ण चरण में.

तो, कैसे सटीक (पवित्र क़ुरआन) की अभिव्यक्ति कर रहा है, और हाल के समय तक की खोज नहीं कर रहे थे, जो पहले 1400 वर्षों में इस तरह के वैज्ञानिक तथ्यों को उनके संकेत,? !! और वे का एक संकेत क्या कर रहे हैं ??.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

९- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"सूरज और इसकी चमक द्वारा; और यह है कि यह (सूर्य) के रूप में चंद्रमा द्वारा; और दिन से यह यह पता चलता है के रूप में; और यह है कि यह (सूर्य) छा लेता है के रूप में रात को". [कुरान, ऐश-शम्स: 1-4]

परिभाषाएं:

- "यह पता चलता है": प्रस्तुत करता है, यह उजागर करता है.

- "यह छा लेता है": यह शामिल किया गया है.

इन महान छंद में, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) उसका अनर्गल क्षमता के संकेत के रूप में अपने शानदार स्पष्ट संकेत की एक संख्या है और उसका रचना की विशिष्टता द्वारा कसम खता है.

उन लोगों के बीच से: यह सेट और रात के गिरने के बाद सूरज प्रकार है, जो सूरज, दोपहर, और चन्द्रमा.

इसके बाद, उन्होंने कहा, अज़्ज़ा व जल, दिन और रात के द्वारा कसम खाते हैं.

हालांकि, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), दो महान छंद में दिन और रात के द्वारा अपने शपथ ग्रहण, "में और दिन को यह पता चलता है के रूप में; और यह छा लेता है के रूप में रात को " दिन की विशेषताओं से यह सूर्य से पता चलता है, कि यह प्रस्तुत करता है, और यह सादा और स्पष्ट करता है, कि हमारे लिए स्पष्ट किया; और रात की विशेषताओं से है, कि यह सूर्य छा लेता है, और इसे शामिल किया गया है.

जिसकी चौड़ाई लगभग 200 किलोमीटर तक पहुँच जाता है - दरअसल, आधुनिक विज्ञान दिन के उजाले की परत खोज की है कि सूरज को उजागर करता है और यह स्पष्ट है कि सूरज की किरणों वे बिखरे हुए हैं और कर रहे हैं के बाद जब तक नहीं देखा जाता है कि इस तरह के आंख, नहीं विपरीत ... के लिए क्या करता है पृथ्वी की गैसीय परत के निम्नतम स्तर पर - कई अत्यंत मिनट वस्तुओं पर बार (धूल कणों, सुखाया पानी की बूँदें, और हवा के एक विशेष एकाग्रता से बना गैस के अणुओं के विभिन्न प्रकार के उदाहरण के लिए) परिलक्षित.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इस कारण से, यह सूरज को बेनकाब और दिखाने के लिए पृथ्वी शामिल है, कि दिन के उजाले परत, (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है, है, की प्रकृति है " यह पता चलता है के रूप में दिन तक ".

आधुनिक विज्ञान भी रात लगातार छा लेता है और पूरी तरह से सूर्य को शामिल किया गया है कि खोज की है ऐसे भी दिन के उजाले में, पृथ्वी के वायुमंडल से बाहर निकलने पर, पिच काले अंधेरे लेकिन कुछ भी नहीं देखा जाएगा कि; और सूरज केवल एक पीला, नीला डिस्क के रूप में देखा जा सकता है; और सितारों प्रकाश के ही रूप में छोटे, पीला (specks) देखा जाएगा.

"यह छा लेता है, के रूप में और रात को" इस कारण से, यह कुछ भी नहीं है, लेकिन वह बड़ा रूप में कहते हैं, छा लेता है और सूरज को शामिल किया गया है, जो रात, होगा, दर असल, इन वैज्ञानिक तथ्यों को हाल ही में खोज की गई है, अभी तक कोई भी उनमें से थोड़ासा भी ज्ञान था जब (पवित्र क़ुरआन), एक समय में 1400 से अधिक साल पहले उन्हें करने के लिए संकेत है ... इसलिए एक संकेत है, कि क्या है ??.

१०- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"... घंटो पास आ गया है, और चाँद अलग-अलग फांक कर दिया गया है" [कुरान, अल कमर: १]

सुनाई अब्दुल्लाह इब्न मसूद: "चंद्रमा को दो भागों में विभाजित किया गया था और उस पर पैगंबर के जीवनकाल के दौरान पैगंबर ने कहा, '(इस के लिए) गवाही।" [बुखारी]

सुनाई अनस बिन मलिक: "मक्का के लोग उन्हें एक चमत्कार दिखाने के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के रसूल अनुरोध किया है कि, और वे दो हिस्सों के बीच 'माउंट हीरा देखा तक तो वह उन्हें चांद के बंटवारे से पता चला है". [बुखारी]

इस (पवित्र क़ुरआन) में, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), सत्यवादिता की निशानी है, और सबूत के रूप में, अपने नबी और रसूल (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के समय के दौरान चंद्रमा के बंटवारे के बारे में हमें बताता है, अपने संदेश की.

यह मक्का के लोगों ने अपनी भविष्यवाणी और संदेश की सच्चाई का प्रमाण

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

के रूप में उन्हें एक संकेत है, या चमत्कार का उत्पादन करने में सक्षम होगा (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के द्वारा भेजे गए और समर्थित केवल एक को दिखाने के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के (रसूल) अनुरोध के बाद किया गया.

अर्थ: वह नबी हैं, उसका साबित होता है, कि कुछ अलौकिक है, और वह क्या लाया की सच्चाई दिखाने के लिए.

उन्हें रसूल ने उन से कहा, जबकि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), एक जगह में प्रत्येक भाग की अनुमति से, दो में विभाजित था, जो चंद्रमा से पता चला, तो, पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) "गवाह हैं".

दरअसल (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), इस शानदार चमत्कार की घटना की पुष्टि जो अवशेष संरक्षित रखा गया है.

आधुनिक विज्ञान से अधिक एक किलोमीटर के लिए कई सौ मीटर के बीच अलग - अलग गहराई के साथ चांद पर बहुत लंबी और खोखले दरारें की उपस्थिति की खोज की है; _ 5 _किलोमीटर की दूरी के लिए आधा किलोमीटर के बीच उनकी चौड़ाई, सीधे या दांतेदार लाइनों में सैकड़ों किलोमीटर, अप करने के लिए खींच.

ये लंबे समय आश्चर्यजनक दरार के रूप में जाना जाता है "चंद्र चन्द्र उपत्यका.

इन लंबी दरारें में से एक का प्रदर्शन एक चंद्र फोटोग्राफ चंद्रमा के लगभग बीच में लिया गया था.

(पवित्र क़ुरआन) पर 1400 साल पहले इस अद्भुत वैज्ञानिक तथ्य की ओर संकेत ... तो क्या है, क्या एक संकेत है? !!.

11- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के रसूल (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने कहा:

"सितारा घट रहा है, जब वादा किया था, स्वर्ग लाया जाएगा ... तारे आकाश के लिए विश्वास रखवाले हैं, और ..." [मुस्लिम, एक लंबे, मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) से]

इस भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) सितारों की

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

मौजूदगी के लिए आकाश की रक्षा, और ब्रह्मांड में एक संतुलन का एक संकेत है कि हमें बताते हैं; सितारों के पतन के लिए गए थे और उनके प्रकाश रह गए हैं और बाहर साफ हो गया था कि; वे सब गिर रहे थे और फैलाया जा या यदि है, तो उस ब्रह्मांड, मानव जाति अपने कार्यों के लिए, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा खाते में लाया जाएगा, जिसमें घंटे के आने का संकेत के क्रम में एक अशांति का संकेत होता है। स्वर्ग (पवित्र क़ुरआन) बंटवारे से के बारे में हमें सूचित किया और स्वर्ग के अलग-अलग फोड़ना, और उसके (किया गया है कि खनिजों से मिलता-जुलता तेल की गंदगी उबलते को बदल रहा है, जो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) से वादा किया गया था, कि क्या लाया जाएगा पिघल गए और भंग) ... और, (पवित्र क़ुरआन) हमें सूचित किया है कि जो से उस के अलावा अन्य.

दरअसल, आधुनिक विज्ञान यह सितारों उनके अलग अलग गुरुत्वाकर्षण खींचतान के माध्यम से एक दूसरे से मजबूती देते हैं कि स्थापित किया गया है, ऐसी है कि हमें सूचित किया पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) जो कि सत्य की खोज करने के लिए आ गया है.

इस कारण से, 'सितारों की मौजूदगी स्वर्ग है एक हिस्सा है, जो की सार्वभौमिक आदेश के संरक्षण के लिए एक कारण (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), उसके कहने में हमें सूचित नबी के रूप में है, "तारे आकाश के लिए विश्वास रखवाले हैं।" इसी तरह इन विभिन्न गुरुत्वाकर्षण ढह खींचती है, तो सितारे भी पतन होता है और घट रहा है, अपने जीवन काल स्थगित होगा कि इस तरह की है, इसलिए यूनिवर्सल आदेश के पतन, स्वर्ग है, जिनमें से एक हिस्सा है, नबी के रूप में (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) उनके कहने में हमें सूचित किया, "सितारों घट रहा है और जब स्वर्ग का वादा किया गया था कि क्या लाया जाएगा ...".

तो कैसे सटीक इस भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) की अभिव्यक्ति कर रहे हैं, और हाल ही में पता चला था कि इस सार्वभौमिक तथ्य को अपने भाषण दिया और संक्षिप्त संकेत? !! और यह का एक संकेत क्या है ??.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

चैलेंज (1)

एशरा करते हुए: जिसके बारे में पाहिले से ही बताया गया है, जिसका इन्केशाफ़ अब किया जा रहा है!

१२- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

एक पुस्तक पुस्तकों के लिए ऊपर गिर गयी जैसे हम स्वर्ग ऊपर रोल करेगा "और जब डे (याद)। हम पहली रचना शुरू किया, हम यह दोहराना होगा ... " [कुरान, अल अंबिया : १०४]

परिभाषाएं:

- "हम स्वर्ग को रोल": हम एक साथ स्वर्ग आकर्षित ही चारों ओर लपेट.

- "तक लुढ़का": करार, लपेटकर और समापन, इसे बाहर बढ़ाया गया था के बाद एक बात यह है कि खुद पर हटना बनाने के रूप में यदि.

- "एक पुस्तक": कुछ लिखा है पृष्ठों जिस पर.

- "पुस्तकों के लिए": इन पन्नों पर क्या लिखा है.

इस (पवित्र क़ुरआन) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), उसके कार्यों के लिए खाते में मानव जाति लेने के लिए नियुक्त किया है, जो काल की स्थापना की निशानी के रूप में, ब्रह्मांड के अंत के बारे में बात करता है; और इस ब्रह्मांड के अंत पाठ से बाहर फैला है, पृष्ठों की रैपिंग की तरह है, के आसपास ही स्वर्ग लपेटकर द्वारा किया जाएगा, कि बाहर फैल जाने के बाद में बाधा, एक साथ लुढ़का.

उन्होंने कहा कि (पवित्र क़ुरआन) बताता है, रूप में आकाश और पृथ्वी एक बार (एक वस्तु तो अलग रूप में जुड़े थे, उसी तरह के बाद, हम पहले से स्पष्ट किया है जिसमें से वैज्ञानिक सबूत 'एक संयुक्त टुकड़े के रूप में एक साथ शामिल हो गए थे, तो हम उन्हें जुदा " उन्होंने कहा, इसलिए प्रचलित सिद्धांत, बिग बैंग थ्योरी के शब्दों में, "हम स्वर्ग का निर्माण किया शक्ति के साथ। वास्तव में, हम उसके अंतरिक्ष की विशालता का विस्तार करने में सक्षम हैं" कहते हैं, खींच और ब्रह्मांड के प्रसार निरंतर की खोज फैलाया जा रहा है के बाद पाठ के पन्नों तक

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

लुढ़का और (constricted) हैं बाहर फैल के रूप में वह कहते हैं, के रूप में), वास्तव में (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), आकाश हटना होगा "एक पुस्तक पुस्तकों के लिए ऊपर गिर गयी जैसे हम स्वर्ग को रोल होगा".

आधुनिक विज्ञान ब्रह्मांड के विस्तार, और प्रचलित बिग बैंग थ्योरी के शब्दों की घटना की पुष्टि करता है और उसके बाद, यह पाया गया:

विस्तार और ब्रह्मांड के प्रसार - यही एक दिशा में गुरुत्वाकर्षण के विपरीत है.

वह बड़ा रूप में कहते हैं इस कारण से, अंततः गुरुत्वाकर्षण खिंचाव ", स्वर्ग, खुद पर पीछे हटना, ऐसी है कि एक बार फिर से खुद को चारों ओर इकट्ठा और जमा करने के लिए शुरू करने के लिए ब्रह्मांड के कारण, एक भारी विस्फोट में जिसके परिणामस्वरूप, हम बाहर की ओर धकेलने बल को दूर करेंगे पुस्तकों के लिए ऊपर गिर गयी एक पुस्तक की तरह स्वर्ग ऊपर रोल होगा".

इसलिए, जो कहते हैं, बिग क्रंच थ्योरी, के शब्दों में:

अंततः ब्रह्मांड के कारण की शुरुआत में हुआ है कि बिग बैंग के लिए हो रहा जावक धक्का बल पर काबू पाने के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव का एक परिणाम के रूप में, एक बार फिर से खुद को चारों ओर इकट्ठा और जमा करेंगे ब्रह्मांड के गठन, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के रूप में ब्रह्मांड के गठन की शुरुआत में विस्फोट हो गया है कि प्रारंभिक द्रव्यमान मिलता-जुलता एक मास में बदल रहे हैं, कहते हैं, 'हम पहली रचना शुरू किया, हम यह दोहराना होगा.

तो कैसे सटीक और वाक्पटु (पवित्र क़ुरआन) की अभिव्यक्ति कर रहे हैं? !! और वे का एक संकेत क्या कर रहे हैं ??.

इसमें कोई शक नहीं है कि अपनी संपूर्णता में (पवित्र क़ुरआन) की सटीकता का एक संकेत है, और यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) से रहस्योद्घाटन उनके भरोसेमंद रसूल पर है कि, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

चैलेंज (2)

एशरा करते हुए जिसके बारे में पाहिले से ही बताया गया है, जिसका इन्केशाफ़ अब किया जा रहा है!

१३- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है:

"और सूर्य और चंद्रमा एक साथ शामिल किया जाएगा।" [कुरान, अल- क़ियाम: ९]

परिभाषाएं:

- "एक साथ शामिल हो गए": एक साथ तैयार

(पवित्र क़ुरआन) उनके कार्यों के लिए, मानव जाति (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा खाते में लाया जाएगा, जिसमें काल की कई संकेत, एक के बारे में बोलती है.

सूर्य और चंद्रमा में शामिल हो गए और एक दूसरे से जुड़ी होगी कि: इन संकेतों में से एक इस (पवित्र क़ुरआन) का हमें बताते हैं क्या है.

दरअसल, आधुनिक विज्ञान चाँद, वह बड़ा रूप में है, इसलिए उनकी एक दूसरे के लिए संलग्न, सूरज के उस में घूम रहा है, चाँद अंत में पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव के बाहर कदम होगा जिसका अर्थ है कि एक साल में 3 सेमी पर पृथ्वी से वापस ले लिया है कि खोज की है कहते हैं, "और सूर्य और चंद्रमा एक साथ शामिल किया जाएगा.

और यह वैज्ञानिक रूप से पुष्टि की गई है: बिग क्रंच सिद्धांत के अनुसार - हम पिछले पवित्र क़ुरआन करीम के वैज्ञानिक सबूतों में से एक के रूप में पहले के लिए, जो आसपास ही ब्रह्मांड की फिर से संचय के साथ, सूर्य और चंद्रमा एक साथ शामिल किया जाना चाहिए (पवित्र क़ुरआन), उनके कहने में, 1400 से अधिक साल पहले हमें सूचित के रूप में और एक दूसरे से जुड़ी "और सूर्य और चंद्रमा एक साथ शामिल किया जाएगा".

तो, की ओर इशारा करते हैं और 1400 से अधिक साल पहले, इन अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों के बारे में हमें सूचित करने में (पवित्र क़ुरआन) पूर्वता से संकेत दिया है, केवल हमारे समय की तकनीकी प्रगति के बाद पता चला रहे थे? !!.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

चैलेंज (३)

एशरा करते हुए जिसके बारे में पाहिले से ही बताया गया है, जिसका इन्केशाफ़ अब किया जा रहा है!

(14) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के मैसेंजर (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने कहा:

"सूरज पश्चिम से बढ़ जाता है, जब तक घंटो स्थापित नहीं किया जा जाएगा ..." [बुखारी]

इस महान भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) सूरज पश्चिम की दिशा से वृद्धि होगी, जब बजाय यह पूर्व से बढ़ती से करने के लिए प्रयोग किया जाता है एक समय आएगा कि हमें बताते हैं.

और कहा कि मानव जाति को अपने कार्यों के लिए, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा खाते में ले जाया जाएगा जब घंटे की होने वाला है, पर किया जाएगा.

दरअसल, आधुनिक विज्ञान भी कम अंततः अपनी रोटेशन की दिशा में यह पूर्व से पश्चिम तक घूमता है, जैसे कि बदलने के लिए और रिवर्स जाएगा जो अर्थ है कि एक दूसरे की हर सदी की तुलना में अपनी धुरी पर पृथ्वी के घूर्णन की गति में एक सुस्ती और कमी की खोज की है पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) भविष्यवाणी.

(मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) में कहा, इसलिए, पश्चिम से सूरज की बढ़ती.

तो, कैसे सटीक की अभिव्यक्ति कर रहे हैं? !! और वे का एक संकेत क्या कर रहे हैं ??.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

भूमि और पर्वत

(१५) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"और उसके बाद वह पृथ्वी फैल गया।" [कुरान, एक- नाज़ी आत: ३०]

(एक शब्द का अर्थ "जमीनी स्तर; बगीचे बिस्तर" से प्राप्त) शब्द "ऊँचा नीड़" कभी कभी तो इसकी देता है, शुतुरमुर्ग अपने पैरों के साथ इसे नीचे जमीन बाहर दुबला बना देती है, जैसे कि अपने अंडे देती है, जहां जगह का वर्णन करने के लिए प्रयोग किया जाता है अंडे, इसलिए एक अंडे की अंडाकार आकार ले रही है.

अवधि का मतलब है, "उन्होंने कहा कि पृथ्वी फैल": वह यह चपटा है और यह फैल गया है और यह एक अंडाकार आकार दे दी है.

इसलिए, पवित्र क़ुरआन करीम का पूरा अर्थ (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, पृथ्वी चपटा और (शुतुरमुर्ग अंडे, बहुत बड़े हैं), के रूप में के अर्थ में विस्तार से बताया है अपने बड़े आकार के बावजूद, यह एक अंडाकार आकार दे रही है, यह है कि प्रसार है "ऊँचा नीड़".

दरअसल, आधुनिक खगोलविदों पृथ्वी पूरी तरह से गोल, जैसे कि वे यह भूमध्य रेखा के साथ इंडेंट पाया कि, व्यापक ... अर्थ (बीच में से फुलाया एक गेंद जैसी) ध्रुवों पर नहीं है कि हाल के दिनों में की खोज की है, वे के रूप में, यह अंडाकार आकार का पाया (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, "वह पृथ्वी फैल गया। कहता ".

यह कोई भी इसके बारे में थोड़ा सा भी ज्ञान था जब (पवित्र क़ुरआन), एक समय में १४०० से अधिक साल पहले करने के लिए संकेत है, जो हाल ही में पता चला एक वैज्ञानिक तथ्य है. इसलिए इस बात का एक संकेत है क्या ???

(१६) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"और विभाजन जो पृथ्वी ..." [कुरान, तारिक: १२]

अर्थ: अपनी दरारें और दरारों के द्वारा होती है जो पृथ्वी.

(पवित्र क़ुरआन) जिसमें हम रहते हैं,पर पृथ्वी की विशेषताओं में से एक यह

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

है, कि यह इस तरह के रूप में वर्णित किया जा सकता है कि इस तरह बड़ी दरारें और दरारें, किया है कि हमें बताते हैं.

आधुनिक विज्ञान यह दरारें के एक नेटवर्क किलोमीटर (64,000 से अधिक किलोमीटर) के हजारों के लिए पृथ्वी भर में फैला है कि स्थापित है, और इस नेटवर्क की गई है कि इस तरह के (पवित्र क़ुरआन) पर 1400 साल पहले सूचित जो कि की सच्चाई का पर्दाफाश किया है दरारें पूरी तरह से 65 किलोमीटर की गहराई तक पृथ्वी की चट्टानी परत प्रवेश.

इस पवित्र क़ुरआन करीम के 1400 से अधिक साल पहले संकेत है, कि एक हाल ही में खोज वैज्ञानिक तथ्य है.

तो क्या का एक संकेत है कि नहीं ???.

(१७) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"और तुम पृथ्वी बंजर देखते हैं, लेकिन हम उस पर पानी (बारिश) नीचे भेजने के लिए, यह जीवन के लिए हड़कंप मच गया है, यह फूल जाती है और (विकास) के आगे हर सुंदर तरह डालता है।" [कुरान, अल हज: ५].

परिभाषाएं:

- "बंजर": मृत, सूखा, पौधों के जीवन से रहित.

- "यह हड़कंप मच गया है": यह चलता रहता है.

, यह बढ़ जाती है बढ़ता है और फुलाया हो जाता है: - "यह फूल जाती है".

(पवित्र क़ुरआन) बारिश पृथ्वी पर आकाश से उतरता है, जब मिट्टी को बनाने वाले छोटे अनाज हड़कंप मच गया और उसके बाद वे (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के रूप में, वृद्धि "यह हड़कंप मच गया है," (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है ले जाया गया, हमें बताते हैं कि "यह फूल जाती है।" यह कहकर आधुनिक विज्ञान (पवित्र क़ुरआन) हमें सूचित किया है कि जो की सच्चाई का पर्दाफाश किया है: आंदोलन की खोज और बरसाई जब मिट्टी के छोटे अनाज में सूजन.

उस के लिए स्पष्टीकरण मिट्टी अनाज एक साथ एक दूसरे के शीर्ष पर दबाया प्लेटों से बना रहे हैं; यह अलग जब बारिश विद्युत शुल्क को ध्यान में

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

उसमें खनिजों में मतभेद रखते हुए बनते हैं.

यह इन प्लेटों के बीच सरगर्मी होता है कि इस कारण के लिए है (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है: "यह हड़कंप मच गया है"), मिट्टी अनाज, इसलिए, सूजन बनाने के लिए और मिट्टी अनाज की बढ़ती कि इन प्लेटों के बीच में पानी प्रवेश करने का एक परिणाम , के रूप में (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की "यह फूल जाती है.

मिट्टी अनाज की सूजन के लाभ से संयंत्र (अपनी किया जा रहा हड़कंप मच गया और बाद में प्लेटों के बीच संग्रहित पर दर्ज किया गया है कि पानी से) इसके लिए आवश्यक पानी की सप्लाई कर रहा है। इसके अलावा, सरगर्मी के बाद प्लेटों संयंत्र डंठल और इसके बाद के विकास के प्रवेश की सुविधा, मुलायम हो जाते हैं.

तो, क्या 1400 से अधिक साल पहले, इन अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों को अपने संकेत में (पवित्र क़ुरआन) की पूर्वता से संकेत दिया जा सकता है, कि सिर्फ इस युग की आधुनिक तकनीक के माध्यम से खोज की गई है? !!.

(१८) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"और आप पहाड़ों देखते हैं और उन्हें ठोस लगता है, लेकिन वे दूर बादलों के गुजर जाने के रूप में दूर पारित करेगा होगा.

वास्तव में, यह सब बातें सिद्ध कौन (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) का कार्य,! उन्होंने कहा कि आप क्या करते हैं के साथ अच्छी तरह से परिचित है.

[कुरान, अल नमल: ८८]

परिभाषाएं:

- "और उन्हें ठोस लगता है कि": आप वे अपने पदों में स्थिर और स्थिर हैं कि मानता है, फिर भी वे वास्तव में से गुजर रहा है और पारित की तरह चलती है और बादलों के आगे बढ़ रहे हैं.

(पवित्र क़ुरआन) पहाड़ों के बारे में बोल रहा है, और वे जिसका गठन उन्होंने सिद्ध (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, के अन्य सभी निर्माण जैसे कर रहे हैं.

(पवित्र क़ुरआन) जिसका सृजन और गठन (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), सिद्ध

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इन पहाड़ों, मनन करने के लिए हमें आमंत्रित किया है; वे अपने पदों में ठोस और स्तब्ध कर रहे हैं के रूप में यदि वे पर्यवेक्षक दिखाई देते हैं कि हालांकि, (पवित्र क़ुरआन) हमें बताता है) के रूप में वास्तविकता है कि वे बादलों की आवाजाही के लिए इसी तरह से आगे बढ़ रहे हैं.

एक बादलों देखने को मिलती है, एक शुरू में उन्हें स्थिर होना मानते। हालांकि, करीब जांच पर एक एक शक के बिना उनके गुजर रहा है और आंदोलन की सूचना है। इस तरह के पहाड़ों और उनके आंदोलन के साथ मामला है.

अपनी धुरी पर इसकी पुष्टि की रोटेशन के साथ ही सूर्य के चारों ओर अपनी क्रांति - आधुनिक विज्ञान पहाड़ों वास्तव में पृथ्वी के आंदोलन के अनुसार कदम है कि खोज की है.

पहाड़ों की यह विशेष आंदोलन - पृथ्वी के आंदोलन के अनुसार - आंखों से नहीं माना जाता है और इसलिए यह है कि वे स्तब्ध हैं कि माना जाता है। बल्कि, एक जांच और विचार कर पर्यवेक्षक, कि वाणी और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है, यह इस बात का खंडन करने के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ना जो आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों के उपयोग के माध्यम से, यह एहसास होता है "और आप पहाड़ों देखते हैं और उन्हें ठोस लगता है, लेकिन वे पारित करेगा होगा दूर दूर बादलों के गुजर जाने के रूप में ".

इसलिए, (पवित्र क़ुरआन) वास्तव में दो अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों के लिए गया है:

A) (पृथ्वी के आंदोलन के अनुसार) पहाड़ों के आंदोलन.

B) पृथ्वी के आंदोलन (पहाड़ों पृथ्वी के खूंटे हैं, और यदि नहीं, तो पृथ्वी की आवाजाही के लिए नहीं ले जाया जाएगा के बाद से).

(पवित्र क़ुरआन) की बुद्धि और वाग्मिता की भव्यता से: (पवित्र क़ुरआन), खाते में उनकी कहावत में स्पष्ट है कि यह साल पहले 1400 से अधिक संबोधित कर रहे थे आदिम मानसिकता ले लिया, "लेकिन वे गुजर दूर बादलों के रूप में दूर पारित करेगा "आसानी से पहाड़ों के आंदोलन के साथ ही पृथ्वी के आंदोलन की ओर इशारा करते हैं, सावधान नहीं इस तरह के वैज्ञानिक तथ्यों के न थोड़ा सा भी ज्ञान था कि आदिम मानसिकता को परेशान करने के लिए.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

हम भी (पवित्र क़ुरआन), उनकी कहावत है, "के माध्यम से सभी बातें सिद्ध कौन (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का कार्य," वह बनाया है और गठन सब कुछ के अपने शानदार पूर्णता में (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, के काम मनन करने के लिए हमें आमंत्रित किया है कि लगता है, और इस इसके बाद में घटित नहीं होगा - इसके बाद लेखांकन और बदला की जगह है - के रूप में नहीं बल्कि, यह विज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों क्या हासिल किया है के माध्यम से इस दुनिया में जगह ले जाना चाहिए.

तो, (पवित्र क़ुरआन) कैसे शानदार, बुद्धिमान और वाक्पटु है ??!

(१९) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"और उन्होंने कहा कि यह आप के साथ मिलाने चाहिए, ऐसा न हो फर्म खड़े पृथ्वी पहाड़ों में चिपका दिया है". [कुरान, अल नहल: १५]

परिभाषाएं:

- "पहाड़ों खड़े फर्म": फर्म, स्थिर पहाड़ों.

- "यह आप के साथ मिलाने चाहिए ऐसा न हो कि": दुबला या के बारे में स्थानांतरित करने के लिए नहीं जा सके.

(२०) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"हम एक बिस्तर के रूप में पृथ्वी नहीं किया है? खूंटे के रूप में और पहाड़ों? "

[कुरान, अल-नबा ': 6-7]

परिभाषाएं:

- "खूंटे": पृथ्वी के लिए खूंटे के रूप में, अपने संतुलन को बनाए रखने के लिए.

पहले (पवित्र क़ुरआन) हम पर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के पक्ष में की भव्यता का हमें बताते हैं, और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), पृथ्वी को बनाया और पृथ्वी स्थिर और उसके वचन के रूप में, कमाल की है और के बारे में जाने से रखने के लिए आदेश में, उस पर अटल पहाड़ बनाए गए "ऐसा न हो कि यह आप के साथ मिलाने चाहिए".

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

दूसरे शब्दों में, (पवित्र क़ुरआन) यदि इन फर्म पहाड़ों के लिए, पृथ्वी हम आज का निरीक्षण रास्ते में बसे नहीं किया जाएगा न कि इस तथ्य की ओर इशारा है, और यह रॉक और के बारे में ले जाया जाएगा, और इस तरह के कारण ही हम पर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के पक्ष के लिए है.

उनके भूमिगत जड़ों बड़े होते हैं जो उनकी विशेषताओं में से एक है कि: दूसरा (पवित्र क़ुरआन) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), पृथ्वी स्थिर है, और कमाल की है और के बारे में जाने से रखने के लिए आदेश में बना दिया है कि इन फर्म, स्थिर पहाड़ों का विस्तृत विवरण की हमें बताते हैं, एक पेग है जब हम पृथ्वी को स्थिर है और वह कहते हैं, के रूप में कमाल की है, और के बारे में चलती है, खूंटे के रूप में अभिनय से रखने के लिए आदेश में, जमीन के ऊपर देखते हैं वह हिस्सा है, "और खूंटे? रूप में पहाड़ों" अच्छी तरह से जाना जाता है और रूप में, से कुछ को स्थिर करने के लिए मैदान में जोर, जमीन के ऊपर हिस्सा जमीन में जोर दिया गया था, जो भाग की तुलना में एक पूरी बहुत कम है.

आधुनिक विज्ञान कोई भी निम्न खोजों बना रहे थे कि इस तरह की थोड़ी सी भी ज्ञान था, जिनमें से (पवित्र क़ुरआन) पर 1400 साल पहले हमारे लिए संकेत करना और सूचित किया है जो उन लोगों के वैज्ञानिक तथ्यों की सच्चाई का पर्दाफाश किया है:

A) पृथ्वी की चट्टानी परत के भीतर पहाड़ों 'गहरी जड़ों के बारे में 10 -15 जमीन के ऊपर हिस्से से अधिक बार, (पवित्र क़ुरआन) हमें बताता है संकेत करना बस के रूप में कर रहे हैं कि "और खूंटे के रूप में पहाड़ों?" भूमिगत भाग एक पेग की हमेशा पृथ्वी के बारे में हिस्सा तुलना में काफी अधिक है.

B) यही कारण है, कि अपने बारी-बारी से धुरी पर धरती के संतुलन और स्थिरता और व्यवस्था की रक्षा के लिए, और, इसलिए, चपेट में (पवित्र क़ुरआन) हमें बताता है के बारे में बात की थी, बस के रूप में और कमाल के बारे में जाने से रोकने अपने कांप को कम करने के लिए और पहाड़ों काम "ऐसा न हो यह आप के साथ मिलाने चाहिए। "दूसरे शब्दों में, यह रॉक या के बारे में कदम नहीं करता है तो.

तो, क्या केवल हमारे वर्तमान युग की तकनीकी प्रगति के बाद खोज रहे थे, जो 1400 साल पहले से अधिक इन अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों को अपने संकेत में (पवित्र क़ुरआन) की पूर्वता ने संकेत दिया है? !!.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

समुद्र के बारे में

(२१) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"और प्रज्वलित समुद्र के द्वारा". [कुरान, अत-तूर: ६]

मतलब, समुद्र यह बेहद गर्म बना रही अपनी मंजिल हीटिंग की ओर जाता है, जो आग, द्वारा प्रज्वलित। यह बेहद गर्म हो जाता है जब तक उदाहरण के लिए, वाक्यांश "ओवन को गर्मी" यह प्रज्वलित करने के लिए इसका मतलब है.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के मैसेन्जर (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने कहा:

"वास्तव में, समुद्र एक आग है, और आग के नीचे एक समुद्र है नीचे ..." [सुनन, अबू दाऊद, और, अल बैयहकि]

इस (पवित्र कुरआन) में, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, अपने शानदार कृतियों, समुद्र में से एक ने कसम खाते हैं, और इसलिए यह बेहद गर्म बनने के लिए पैदा कर अपनी मंजिल हीटिंग, आग से प्रज्वलित होने के रूप में वर्णन करता है.

भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस), "दरअसल, समुद्र के नीचे एक आग है ..." इस समुद्र की विशेषताओं में से एक यह एक आग है नीचे रूप में उन्होंने कहा, कि है कि बताते हैं और उन्होंने कहा कि इस आग के नीचे है, कि एक समुद्र है "... और आग के नीचे एक समुद्र है".

कोई एक के बाद हाल ही में खोज रहे थे कि थोड़ा सा भी ज्ञान है, इस तरह की थी, जिनमें से 1400 से अधिक साल पहले वैज्ञानिक तथ्यों,: आधुनिक विज्ञान (पवित्र कुरआन) और पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) हमें सूचित करने के लिए जो की सच्चाई का पर्दाफाश किया है:

A) पिघलने चट्टान के विस्फोट के कारण समुद्र और समुद्र के फर्श के प्रसार की घटना - मुलायम रॉक प्रतीत होता है कि उच्च तापमान आग का एक परिणाम के रूप में पिघल जाए - तब होता है, जो समुद्र और समुद्र के फर्श, में गहरी दरारें और दरारों के माध्यम से , ऊपर सेंटीग्रेड 1000 से अधिक डिग्री करने के लिए समुद्र और समुद्र के फर्श के तापमान में वृद्धि हुई है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इस आग तो (पवित्र क़ुरआन) हमें बताता है "और के द्वारा, इन समुद्रों के अपने विवरण में के बारे में बताया बस के रूप में, तो इसकी प्रज्वलन और चरम हीटिंग की ओर जाता है जो समुद्र और समुद्र तल की सबसे कम गहराई पर पानी के साथ मिक्स समुद्र प्रज्वलित.

"इसी तरह, सिर्फ जब उन्होंने कहा की बात की थी पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के रूप में," वास्तव में, समुद्र एक आग है नीचे.

B) उच्च तापमान आग का एक परिणाम के रूप में पिघलने प्रतीत होता है कि मुलायम रॉक - पिघलने चट्टान के नीचे पानी की एक बड़ी राशि की उपस्थिति में पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के रूप में पृथ्वी के कमजोर बिंदुओं पर, "उन्होंने कहा कि जब से बात की थी ... और नीचे आग एक समुद्र है.

"इस पानी की यह राशि पृथ्वी की सतह पर पानी की मात्रा की तुलना में कई गुना अधिक माना जाता है.

कोई भी उनमें से थोड़ा सा भी ज्ञान था जब तो, कैसे सटीक और वाक्पटु (पवित्र क़ुरआन) और सचमुच आदर्श हदीस, इन अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों को उनके संकेत में 1400 से अधिक साल पहले के भाव एक समय में कर रहे हैं? !! और वे का एक संकेत क्या कर रहे हैं ??.

(२२) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"या एक बड़ी लहर से सबसे ऊपर एक बड़ी लहर के साथ अभिभूत एक विशाल गहरे समुद्र में अंधेरा है, जैसे, काले बादलों से सबसे ऊपर: अंधेरे, एक के ऊपर एक; एक आदमी ने हाथ फैला है, तो वह शायद ही इसे देख सकते हैं!" [कुरान, अन-नूर: ४०]

परिभाषाएं:

- "विशाल गहरे समुद्र": गहरे समुद्र में.

- "अभिभूत": पर काबू पाने और से कवर किया.

इस महान (पवित्र क़ुरआन) हमें बताता है, कि गैर विश्वासियों के कामों कि

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), में, और उनकी एकता में विश्वास करते हैं, और न ही वे अपने नबियों और दूतों का पालन नहीं किया था जो उन लोगों - वे अच्छे कर्मों होना दिखाई देते हैं, हालांकि वे नहीं करेंगे (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा स्वीकार किए जाते हैं, और वे क्योंकि उनके अविश्वास और विश्वास की कमी की वजह से उन्हें कोई मूल्य या लाभ के हैं किया.

सागर के चरम गहराई में अंधेरे के लिए इसी प्रकार उन्होंने कहा कि यह लाभ लाता है कि प्रकाश को आम तौर पर है, क्योंकि जो मानव जाति से कोई लाभ प्राप्त कर सकते हैं "एक विशाल गहरे समुद्र में अंधकार की तरह ...", कहते हैं, के रूप में.

इस महान (पवित्र क़ुरआन) भी हमें करने के लिए समुद्र के एक खास पहलू का वर्णन करता है: वह कहते हैं, क्योंकि यह लहरों के दो प्रकार है कि, "एक महान लहर से सबसे ऊपर एक बड़ी लहर ..." यह भी हमारे लिए में है कि अंधेरे का वर्णन समुद्र की गहराई: यह अंधेरे का स्तर है, और वे कहते हैं कि यह, की वजह से चरम अंधेरे को, उसके सामने अपने हाथ देखने के लिए समुद्र की गहराई में इस अंधेरे में एक व्यक्ति के लिए बिल्कुल असंभव है कि, "अंधेरे, एक के ऊपर एक; एक आदमी ने हाथ फैला है, तो वह शायद ही इसे देख सकते हैं! "

दरअसल, आधुनिक विज्ञान हैं जो गहरे समुद्र और महासागरों, में लहरों के दो प्रकार के अस्तित्व की खोज की है:

A) भूतल लहरें, समुद्र और महासागरों की सतह पर.

B) सिर्फ समुद्र और समुद्र तल के ऊपर इनर लहरें.

और कहा कि (पवित्र क़ुरआन) हमें बताता है, से, के बारे में हमें सूचित वास्तव में क्या है, "एक महान लहर से सबसे ऊपर एक बड़ी लहर".

आधुनिक विज्ञान भी वह सूरज की रोशनी अलग स्पेक्ट्रा में भंग कर रहा है, जैसे कि "अंधेरे, एक के ऊपर एक ...," कहते हैं, के रूप में उनमें से ज्यादातर पूरी तरह से अलग गहराई में अवशोषित, अंधेरे के विभिन्न स्तरों के एक भीड़ की खोज की है.

उदाहरण के लिए, समुद्र की सतह से लगभग 200 मीटर की गहराई पर कुल

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

अंधेरे नहीं है; समुद्र की सतह से लगभग 1000 मीटर की गहराई पर है, जबकि पिच काले अंधेरे उदास है.

और कहा कि (पवित्र क़ुरआन) हमें बताता है, "अंधेरे, एक के ऊपर एक करके, के बारे में हमें सूचित वास्तव में क्या है; आदमी ने हाथ फैला है, तो वह शायद ही इसे देख सकते हैं! "

ये वैज्ञानिक तथ्यों को हाल ही में खोज की गई है; कोई भी उनमें से थोड़ा सा भी ज्ञान था फिर भी जब (पवित्र क़ुरआन), एक समय में 1400 से अधिक साल पहले उनके लिए.

तो क्या का एक संकेत है कि है ???

(२३) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"वह दो समुद्र की बैठक एक साथ ढीला छोड़ दिया है। उन दोनों के बीच उनमें से कोई भी लांघा सकता है, जो एक बाधा है। फिर अपने प्रभु के आशीर्वाद के लिए जो आप दोनों को मना करेगा? उनमें से बाहर दोनों मोती और मूंगा आते हैं ". [कुरान, रहमान: १९-२२]

परिभाषाएं:

- "वह दो समुद्र ढीला है": शब्द "खो जाने" की वजह से उनके बैठक बिंदु पर समुद्र की बैठक में से प्रत्येक की तरंगों के लिए, एक कमाल भाटा और प्रवाह इंगित करता है.

- "एक साथ बैठक": दो समुद्र के किनारों को पूरा.

- "एक बाधा": सम्मिश्रण से रोकता है जो एक बाधा.

- "उनमें से कोई भी लांघा जा सकता है": न तो दो समुद्र के दूसरे में खत्म पार, जिससे एक साथ मिश्रण.

निर्दिष्ट क्षेत्रों में एक दूसरे को समुद्र के प्रवाह निर्देशन, और अपनी बैठक: पहले दो (पवित्र क़ुरआन) के छंद के बारे में (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की शानदार क्षमता का संकेत है, जो संकेत में से एक बात। दो महान छंद भी इस तथ्य के बावजूद इन दो नमक पानी समुद्र बैठक नामित क्षेत्र (पवित्र क़ुरआन) से स्पष्ट है

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

यहाँ के रूप में करने के लिए भेजा दो समुद्र उनमें से बाहर ", नमक पानी में एक दूसरे हैं कि कि हमें सूचित मूंगा केवल नमक पानी समुद्र में पाया जा सकता है के बाद से दोनों, एक के पानी अभी भी कारण उन दोनों के बीच एक बाधा के अस्तित्व के लिए, दूसरे के साथ कि मिश्रण नहीं है)", मोती और मूंगा आते हैं.

दरअसल, यह समुद्र और महासागरों वास्तव में जोनों बैठक में एक दूसरे से मिलना है, कि खोज की गई है। उदाहरण के लिए, भूमध्य सागर अटलांटिक महासागर के साथ मिलता है; लाल सागर हिंद महासागर के साथ मिलता है; वह कहते हैं, के रूप में और महासागरों के रूप में अच्छी तरह से एक दूसरे के साथ मिलना "उन्होंने कहा कि एक साथ दो समुद्र बैठक ढीला है.

" (पवित्र क़ुरआन) में, समुद्र और महासागरों में एक ही अवधि के अंतर्गत वर्गीकृत कर रहे हैं "समुद्र").

दरअसल, आधुनिक विज्ञान वे दोनों नमक पानी से बना रहे हैं कि इस तथ्य के बावजूद समुद्र और समुद्र जल के घनत्व में एक फर्क है, की खोज की है। इसी तरह, समुद्र के पानी में खारापन का स्तर समुद्र जल के उस से अलग है। ऑक्सीजन भंग करने के लिए दोनों की क्षमता, महासागरों के साथ कि मिश्रण समुद्र का जल प्रत्येक के विशिष्ट विशेषताओं की रक्षा के लिए है जो रोकता बाधा के इस प्रकार के समारोह के रूप में करता इसी तरह, समुद्र और महासागरों के तापमान भिन्न होते हैं.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), कहता है, "उन्हें उनमें से कोई भी लांघा सकता है, जो एक बाधा है के बीच".

इसलिए, एक के पानी, हर एक की अलग विशेषताओं में फेरबदल, अन्य में पार नहीं करते.

(२४) : हम (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), कहता है, के माध्यम से परिभाषित करेंगे कि जलीय बाधा का एक और प्रकार है:

"और यह दे दिया है वह कौन स्वादिष्ट और मीठा, और अन्य नमक और कड़वा एक दो समुद्र, नि: शुल्क है, और वह एक बाधा है और उन दोनों के बीच एक पूरा विभाजन का गठन किया है।" [कुरान, अल- फुरकान : ५३]

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

परिभाषाएं:

- "मीठा": असाधारण ताजा.

- "कड़वा": बेहद नमकीन.

- "बाधा": एक बाधा के मिश्रण से उन्हें रोकने.

- "पूरा विभाजन": उनकी मिश्रण को रोकता है जो एक रुकावट.

इधर, (पवित्र कुरआन) ताजा नदी जल और नमकीन समुद्र के पानी के बीच बैठक बिंदु पर मौजूद है, जो जलीय बाधा की एक अन्य प्रकार के बारे में बोलती है। दो पानी एक दूसरे के साथ मिश्रण से रोका जाता है, और (पवित्र कुरआन) के अंत में, यह इस बाधा को पूरी तरह से नमकीन समुद्र के पानी के साथ नए सिरे से नदी के पानी के मिश्रण को रोकता है जो एक रुकावट है, कि पुष्टि की है.

दरअसल, आधुनिक विज्ञान ताजा नदी जल और नमकीन समुद्र के पानी के बीच बैठक बिंदु पर स्थित है, जो जलीय बाधा की एक अन्य प्रकार के अस्तित्व की खोज की है.

इसलिए काम करता है जो ताजा नदी जल और नमकीन समुद्र के पानी के बीच घनत्व में अंतर की खोज, के अलावा - अन्य कारकों के अलावा - उन्होंने कहा, ऊंचा, कहते हैं, के रूप में एक बाधा है, एक दूसरे के साथ दो पानी के मिश्रण के बीच आने के रूप में ताजा पानी नदी, जहां क्षेत्र है, जो नदी के मुहाने पर पानी: पानी की एक अन्य प्रकार ताजा नदी जल और नमकीन समुद्र के पानी के बीच बैठक क्षेत्रों में खोज की थी, "और वह उन दोनों के बीच एक बाधा का गठन किया है" नदी और समुद्र के पानी का मिश्रण बाधा एक बाधा और रुकावट के रूप में अभिनय (नील नदी भूमध्य सागर में क्षेत्र है जहां की तरह) नमक के पानी को समुद्र में.

लेकिन यह नदी के मुहाने पर है कि यह पानी में रहने वाले अपने स्वयं के विशेष समुद्री जीवन है कि इस तरह के अपने बेहद ताजा नदी के पानी से अलग अपनी अलग गुणों के साथ-साथ बेहद नमकीन समुद्र का पानी है, देखा गया है, कि इतना ही नहीं कारण, ताजगी और नुनखरापन के भिन्न स्तरों के लिए, नदी के पानी और समुद्र के पानी दोनों के लिए चलती से प्रतिबंधित है, तो यह नदी या

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

समुद्र के पानी में बाहर निकलने से इन प्राणियों की एक बाधा और रोकथाम हो जाता है.

नदी के मुहाने के क्षेत्र के लिए विशेष रूप से इन प्राणियों (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है, के रूप में "पूरा विभाजन," नदी के मुंह से क्षेत्र के बाहर उन प्राणियों से काट दिया और उन्होंने कहा कि जब (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), सच बोला, "और वही कर रहा है, उन दोनों के बीच एक बाधा है और पूरा विभाजन निर्धारित किया है".

तो, कैसे सटीक कोई एक समय में की थोड़ी सी भी ज्ञान था, जो पहले 1400 साल से अधिक इन अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों को उनके संकेत में (पवित्र क़ुरआन) का भाव, कर रहा है? !! और वे का एक संकेत क्या कर रहा है ??.

मनुष्य के बारे में

(२५) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"तुम (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से इनाम के लिए नहीं की उम्मीद है कि आप के साथ क्या बात है? वह चरणों में बनाया गया है, जबकि? "

[कुरान, नूह: 13-14]

परिभाषाएं:

- "चरणों में": अलग-अलग चरणों में.

(२६) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"हे मानव जाति! आप जी उठने के बारे में संदेह में है, तो वास्तव में कर रहे हैं! हम तो मुक्ति की बूंदों से, फिर एक थक्का से, तो मांस का एक छोटा गांठ से, कुछ का गठन किया और कुछ बेडौल, धूल से आपने बनाया है। " [कुरान, अल हज: ५]

परिभाषाएं:

- "मुक्ति की बूंदों": एक पुरुष और महिला प्रजनन या प्रसव के कारण है कि पानी की तुच्छ राशि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है पसंद है, जिसका अर्थ है 'मुक्ति का मिश्रित बूँदें, "पुरुष और महिला मुक्ति का मिश्रण).

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

- "एक थक्का": गर्भ के ऊपरी भाग को पकड़ लेता है कि रक्त की एक कठोर टुकड़ा.

- "एक छोटी सी गांठ मांस": मांस / मांस का एक टुकड़ा चबाया कुछ के आकार.

- "कुछ का गठन किया और कुछ बेडौल": मांस का यह टुकड़ा चबाया आकार और कुछ की लग रही है और वास्तव में दो भागों में है: शरीर के अंगों का गठन किया गया है, जिसमें एक हिस्सा (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है, अर्थ है:

"कुछ का गठन"); और कुछ भी नहीं का गठन किया गया है, जिसमें एक और हिस्सा.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है, अर्थ है: "कुछ बेडौल").

(२७) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"और वास्तव में हम मिट्टी का एक उद्धरण से बाहर आदमी बनाया। इसके बाद हम एक सुरक्षित दर्ज कराने में मुक्ति का एक बूंदों के रूप में उसे बनाया है। तो फिर हम तो एक थक्का में मुक्ति की बूंदों बनाया हम शरीर के एक छोटे से गांठ में थक्का बना दिया है, तो हम शरीर की हड्डियों के उस छोटे से गांठ से बाहर कर दिया है, तो हम मांस के साथ हड्डियों पहने, और फिर हम के रूप में इसे आगे लाया एक और रचना। तो धन्य (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), रचनाकारों में से सबसे अच्छा हो! " [कुरान, अल- मूंमेनूंन: १२-१४]

परिभाषाएं:

- "मिट्टी का एक उद्धरण": हम एडम बनाया - मिट्टी की एक निकाले सार से - सभी मानव जाति का पिता है.

- "मुक्ति की बूंदों": एक पुरुष और महिला के प्रसव के लिए कारण है कि पानी की तुच्छ राशि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है पसंद है, जिसका अर्थ है 'मुक्ति का मिश्रित बूँदें, "पुरुष और महिला मुक्ति का मिश्रण).

- "एक थक्का": गर्भ के ऊपरी भाग को पकड़ लेता है कि रक्त की एक कठोर टुकड़ा.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

- "मांस के एक छोटे गांठ": मांस / मांस का एक टुकड़ा चबाया कुछ के आकार.

(२८) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"मुक्ति की मिश्रित बूंदों से वास्तव में, हम बनाया है आदमी ..." [कुरान, अल-इनसान: २]

परिभाषाएं:

- "मुक्ति की मिश्रित बूँदें": पुरुष और महिला मुक्ति का मिश्रण.

(२९) : इमाम अहमद अपने 'मुसनद "में सुनाई:

एक यहूदी एक बार कह रही है, पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के लिए एक प्रश्न उत्पन्न: "ओह (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) , क्या एक मानव बनाया से" (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के मैसेन्जर " ओह, यहूदी आदमी, एक मानव कह कर जवाब दिया तो एक आदमी और एक औरत के निर्वहन के निर्वहन के मिलन से बनाई गई है" [अहमद: ४४२४]

इन महान छंद कोई भी इन बातों का थोड़ा सा भी ज्ञान था जब एक समय में, 1400 से अधिक साल पहले चरम यथातथ्यता और संक्षिप्त भाव के साथ भ्रूण के विकास (मनुष्य का निर्माण) के चरणों के बारे में बात करते हैं, और हाल ही में खोज की गई है आधुनिक समय.

पहले (पवित्र क़ुरआन) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, विभिन्न स्तरों पर मानव जाति के लिए बनाया है, हमें बताता है कि.

शुरू से ही मनुष्य के रूप - यद्यपि अत्यंत छोटे -, बल्कि, वे हम एक पूर्ण पर ले लिया है कि लगता है कि करने के लिए इस्तेमाल लोगों को एक मानव के निर्माण के विभिन्न चरणों के बारे में बात नहीं की: यह क्या प्रचलित धारणा है कि समय पर था के विरोध में है जो उसके बाद थोड़ा-थोड़ा करके बढ़ी.

आधुनिक विज्ञान इस विश्वास की निरर्थकता उजागर, और (पवित्र क़ुरआन) हमें सूचित किया है कि जो की सटीकता की पुष्टि की है, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है, मानव जाति के निर्माण के विभिन्न चरणों में है कि "वह चरणों में

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

बनाया गया है, वहीं ..."

दूसरे और तीसरे (पवित्र क़ुरआन) के छंद यह मिट्टी बन गया था के बाद (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, गंदगी से (एडम, शांति उस पर हो) पहला मानव बनाया है कि हमें बताओ; यह एक भ्रूण हो जाता है जब तक उसके बाद, वे शुरू से ही मानव विकास के चरणों के बारे में बात करने पर जाना है, उसके शरीर के अंगों में से कुछ का गठन किया गया है.

यह तीसरी (पवित्र क़ुरआन) की आयत के रूप में है, मानव विकास के चरणों में से पहला है कि मुक्ति का एक तुच्छ राशि के रूप में परिभाषित विलक्षण अर्थ में करने के लिए भेजा "मुक्ति की बूंदों,", और नहीं बहुवचन है, (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है, में की तरह है, जिसका अर्थ "मुक्ति की मिश्रित बूँदें," पुरुष और महिला मुक्ति का मिश्रण) पुरुष और महिला प्रसव के लिए कारण.

इसके बाद मुक्ति की बूंदों के गर्भ के ऊपरी भाग को पकड़ लेता है, जो कठोर रक्त का एक टुकड़ा बन जहां दूसरे चरण, "थक्का," है, कि तीसरे चरण, "मांस के छोटे गांठ," या मांस का एक टुकड़ा आकार और चबाया कुछ की नजर है के बाद। मांस की यह गांठ वास्तव में दो भागों में है: (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), फ़रमाता है का अर्थ है, जो शरीर के अंगों का गठन किया गया है, जिसमें एक हिस्सा है, "कुछ का गठन"; और कोई शरीर के अंगों को (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), फ़रमाता है, का अर्थ है जो "कुछ बेडौल" का गठन किया गया है, जिसमें एक और हिस्सा पहली (पवित्र क़ुरआन करीम) मानव विकास के चरणों के बारे में बात की थी क्या स्थापित करने के बाद - छुट्टी के चला जाता है; थक्का; मांस की गांठ - तीसरी पवित्र क़ुरआन करीम बताते हैं कि उसके बाद क्या आता है: के मंच "हड्डी गठन," फिर "कपड़े हड्डियों," की है कि तब की है कि "एक और रचना".

चौथे (पवित्र क़ुरआन) मानव बनाई गई है, जिसमें से मुक्ति पुरुष की है कि नहीं है कि स्पष्ट रूप से हमें बताते हैं या केवल महिला ही; बल्कि यह उन दोनों के निर्वहन से है.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का अर्थ "मुक्ति की मिश्रित बूँदें,", एक पुरुष और एक महिला से मुक्ति का मिश्रण कह कर स्पष्ट किया जाता है के रूप में इंसान की रचना, एक साथ पुरुष और महिला का निर्वहन कर रहा है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

यह भी मानव एक साथ एक आदमी और औरत के निर्वहन से बनाया जाता है, जो बताते हैं कि भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) में स्पष्ट किया जाता है.

अत्यंत मिनट आयामों में - मासिक धर्म के रक्त से बना हुआ था इससे पहले और ऊपर से, 18 वीं सदी तक, यह मानव भ्रूण कि माना जाता था.

हालांकि, डिंब की खोज के बाद, यह पूरी तरह से मानव शरीर डिंब के भीतर का गठन किया गया है कि माना जाता था.

फिर, शुक्राणु की खोज के बाद, यह पूरी तरह से मानव शरीर के शुक्राणु के सिर में गठन किया गया था कि माना जाता था.

एक ही समय में (पवित्र क़ुरआन) के बारे में बताया कि उन अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों की सच्चाई की पुष्टि करते हुए हालांकि, समय के साथ, और आधुनिक तकनीकी विधियों का अद्भुत प्रगति के साथ, आधुनिक विज्ञान से अधिक है, उन दावों के सभी में निरर्थकता का पर्दाफाश किया है 1400 साल पहले, आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से भ्रूण के विकास की छवियों पर कब्जा करने के बाद.

क्या आधुनिक विज्ञान निम्नलिखित में अभिव्यक्त किया जा सकता अद्भुत वैज्ञानिक खोजों में से हासिल की है:

१- उत्सर्जित शुक्राणुओं का केवल एक बहुत तुच्छ नंबर गर्भाशय नहर, ५०० से अधिक नहीं पहुँच; यही नहीं, लेकिन केवल एक ही शुक्राणु बदले में मिश्रित, निषेचित मुक्ति डिंब और शुक्राणु से मिलकर हो जाता है जो डिंब, प्रवेश ही नहीं। यह ", तीसरे (पवित्र क़ुरआन) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), फ़रमाता है, के माध्यम से हम में से बताते हैं कि वास्तव में क्या अर्थ" मिश्रित मुक्ति की बूंदों, "पुरुष और महिला मुक्ति का मिश्रण है, और साथ ही, भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) में उल्लेख किया है के रूप में क्या है ... एक मानव एक आदमी और एक औरत के निर्वहन के निर्वहन के मिलन से बनाई गई है".

हमें (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, तीन (पवित्र क़ुरआन) के छंद में "मुक्ति" की कहावत मनन, और यह एकवचन और बहुवचन नहीं में व्यक्त किया है कि चलो.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

केवल एक ही शुक्राणु एक मिश्रित निर्वहन करता है, जो एक डिंब, प्रवेश इसका कारण यह है। इस से, (पवित्र क़ुरआन) के भाव की यथातथ्यता के रूप में अच्छी तरह से अपने प्रभाव और आधुनिक विज्ञान क्या हासिल किया है के साथ उनकी अनुरूपता की हद तक के रूप में, यह साफ है.

२- (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है के रूप में मानव जाति, गर्भ के ऊपरी भाग के लिए कठोर रक्त पकड़ के एक टुकड़े के रूप में मुक्ति का मिश्रण है, और साथ ही भ्रूण को देखने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से मानव भ्रूण के विकास की छवियों पर कब्जा करने के बाद, यह संभव है "एक थक्का"; के रूप में अच्छी तरह से (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है, क्योंकि यह चबाया इस स्तर कुछ में जैसा दिखता है, जब तक दाढ़ दांत के बीच रखा मांस या मिट्टी का एक टुकड़ा, "मांस का एक मुश्त" के रूप में भ्रूण के रूप में यह भी मांस के इस गांठ वास्तव में दो है कि देखा जा सकता है भागों: (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है, जिनमें से एक में शरीर के अंगों के कुछ "कुछ का गठन," का गठन किया गया है; (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), कहता है, और जो कुछ भी में एक और हिस्सा "कुछ बेडौल" का गठन किया गया है, दूसरे शब्दों में, हम एक गलत और अवैज्ञानिक होगा कि, "पूरी तरह बेडौल" "पूरी तरह से गठित" या के रूप में मांस के इस गांठ का वर्णन करने के लिए थे विवरण.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), कहते रूप में विस्तार से सही वैज्ञानिक विवरण, (पवित्र क़ुरआन) हमें सूचित किया है कि जो है "... मांस की एक गांठ, कुछ का गठन किया और कुछ का गठन नहीं किया" (पवित्र क़ुरआन) की अभिव्यक्ति कर रहे हैं तो कैसे सटीक ??

(अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है के रूप में मानव जाति, हड्डी गठन के स्तर को देखने के लिए इसके बाद, यह "तो फिर हम शरीर की हड्डियों के उस छोटे से गांठ से बाहर कर दिया," यह भी संभव है; (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है के रूप में कपड़े के रूप में अच्छी तरह के रूप में मंच मांस के साथ हड्डियों, "तब हम मांस के साथ हड्डियों पहने।" इसी तरह, यह "अन्य रचना" मंच है, इस दौरान मानव भ्रूण की जिसमें उपस्थिति देखने के लिए भी संभव है "हम एक और रचना के रूप में इसे आगे लाया तो" मंच पिछले चरणों में अपनी उपस्थिति से अलग है, और (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है के रूप में अपनी उपस्थिति, अन्य

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

प्राणियों के भ्रूण से अलग है.

इन पवित्र क़ुरआन करीम चरम यथातथ्यता में और संक्षिप्त भाव का उपयोग कर एक अनूठा चित्रण के माध्यम से हमें सूचित किया है कि जो आदेश में मानव भ्रूण के विकास (इंसान की रचना) के चरणों में हैं.

तो, कैसे सटीक और वाक्पटु (पवित्र क़ुरआन) की अभिव्यक्ति कर रहे हैं? !! और उनके ही हाल ही में खोज रहे थे, जो 1400 से अधिक साल पहले इन अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों, की ओर इशारा में और आधुनिक प्रौद्योगिकी के विकास के बाद, (पवित्र क़ुरआन) और सचमुच आदर्श की पूर्वता से संकेत दिया है क्या? !!.

एक शक के बिना, अपने में यह पूरी तरह से (पवित्र क़ुरआन) की प्रामाणिकता को इंगित करता है, और यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, से रहस्योद्घाटन उनके भरोसेमंद पैगंबर पर है कि, सब नबी और रसूल (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की मुहर है.

(३०) : (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"निश्चित रूप से! हमारी आयतों में जो हम आग में जलाए.

उनकी खाल के माध्यम से भुना रहे हैं जितनी बार, हम वे सजा स्वाद सकता है कि अन्य खाल के लिए उन्हें बदल जाएगा.

वास्तव में, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) सभी वार, कभी सबसे शक्तिशाली है".[कुरान, अन नीसा : ५६]

परिभाषाएं:

- "के माध्यम से भुना हुआ": जला दिया और जला देना.

- "अन्य खाल के लिए उन्हें बदलने": उन्हें अपनी त्वचा के अलावा अन्य त्वचा दे.

(पवित्र क़ुरआन) गैर विश्वासियों की सजा के बारे में हमें बताते हैं - (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के संकेत से इनकार किया है, जो उन लोगों - (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), में विश्वास की ओर है क्योंकि उनकी जिद और अहंकार की, नरक की आग और उनके अंतिम अंत हो जाएगा कि और उनकी एकता.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के अस्तित्व, उनकी एकता, उनकी विशेषताओं और उनकी अनर्गल क्षमता की भव्यता से संकेत मिलता है, कि संकेत के लिए, गिना जा सकता है की तुलना में अधिक हैं। (पवित्र क़ुरआन) हमें करने के लिए वे अपने (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) और निर्माता को नहीं पहचाना क्योंकि नरक के लोगों को कठोर दंड का भुगतना होगा की हद बताते हैं, और उनकी एकता, अज़्ज़ा व जल में विश्वास की कमी का एक परिणाम के रूप में, पवित्र क़ुरआन करीम इन जिद्दी काफिरों की त्वचा जला देना है हर बार, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, वे स्वाद और सजा महसूस कर सकते हैं, इसलिए है कि जला दिया गया है जो उनकी त्वचा के अलावा अन्य, नई त्वचा के लिए इसे बदल जाएगा कि हमें बताता है.

यह इस नए त्वचा के लिए नहीं हैं, तो वे स्वाद या सजा महसूस करने में सक्षम नहीं होगा कि निहित है.

अर्थ: त्वचा (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), उन्हें नरक की सजा को महसूस करने के लिए एक कारण के रूप में क्या बना दिया है.

आधुनिक विज्ञान दर्द महसूस करने की क्षमता के कारण जो जला सनसनी केन्द्रों, त्वचा में स्थित हैं कि खोज की है.

इसके अलावा, त्वचा आग से जला दिया, और जला उनकी खाल के माध्यम से भुना रहे हैं के रूप में अक्सर, हम अन्य खाल के लिए उन्हें बदल जाएगा "के रूप में, एक उच्च डिग्री के (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है, के रूप में जलने नष्ट कर दिया जाएगा कि होश अंग था कि अगर वे सजा स्वाद सकता है ... "

इसलिए, कोई भी इसके बारे में थोड़ा सा भी ज्ञान था जब (पवित्र क़ुरआन), एक समय में 1400 से अधिक साल पहले हमें सूचित किया है कि जो की सच्चाई को स्पष्ट। तो क्या है का एक संकेत है? !!.

31- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के मैसेन्जर (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने कहा:

"बयालीस रातों भ्रूण पर पारित कर दिया है, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), यह आकार एक परी जो भेजता है, और यह इसकी सुनवाई, दृष्टि, त्वचा, मांस और हड्डियों देता है ..." [मुस्लिम]

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

मुक्ति की मिश्रित बूँदें, हम पहले से समझाया जो पुरुष और महिला के निर्वहन से - यह तो जमाने की है, और भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) बयालीस रातों भ्रूण का गठन किया है, जिसमें से भ्रूण से अधिक बीत चुके हैं, जब हमें बताते हैं कि इसकी सुनवाई, दृष्टि, त्वचा, मांस और हड्डियों बनाई गई हैं.

आधुनिक विज्ञान निषेचन के 7 वें सप्ताह के शुरू में (दिन 43 से शुरू के लिए सटीक है कि खोज की है - 42 रातों पारित कर दिया है के बाद, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) , अपने बयान में के बारे में हमें सूचित नबी के रूप में "बयालीस रात बीत चुके हैं, जब ...") भ्रूण के कंकाल प्रसार करने के लिए शुरू होता है और मनुष्य के रूप प्रकट करने के लिए शुरू होता है.

जय (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए योग्य !!.

कैसे सटीक (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) की अभिव्यक्ति कर रहे हैं, और सही संख्या पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के बारे में हमें सूचित किया कि? !! और का एक संकेत है कि क्या है ??.

इसमें कोई शक नहीं है कि यह है कि एक ही हाल ही में खोज की गई है जो पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के , 1400 साल, पहले अधिक वर्षों के लिए कि वैज्ञानिक तथ्यों की यथातथ्यता का संकेत है, और कम से है, समय, कोई एक का थोड़ा सा भी ज्ञान था.

इसलिए वे वह एक नबी, इसलिए उसका फोन की सच्चाई का एक सबूत और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के अपने संदेश के रूप में सेवारत, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से रहस्योद्घाटन के साथ भेजा है कि इस बात का गवाह हैं).

32- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के मैसेन्जर (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने कहा:

"मनुष्य की मुक्ति मोटी और सफेद है, और औरत का निर्वहन पतली और पीले रंग की है ..." [सहीह अल जामी 'अल-सगीर]

भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) पुरुष उपजाऊ द्रव देखो और महिला उपजाऊ तरल पदार्थ की तुलना में रंग, एक अलग गुणवत्ता

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

की है कि हमें बताते हैं.

एक महिला की पतली है, जबकि नर उपजाऊ तरल पदार्थ, मोटी है; एक महिला के पीले रंग की है, जबकि उसका रंग सफेद है.

शायद यह पुरुष उपजाऊ द्रव सफेद है कि अच्छी तरह से जाना जाता था। बहरहाल, महिला उपजाऊ तरल पदार्थ के रंग में हाल के दिनों में जब तक किसी के द्वारा नहीं जाना जाता था. और हां, वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महान उन्नति के बाद, यह महिलाओं को भी पुरुषों की तरह, उपजाऊ तरल पदार्थ है कि स्थापित है, लेकिन यह बात अलग है की गई थी.

महिला उपजाऊ तरल पदार्थ ", पतली और पीले रंग की है, और वास्तव में, डिंब यह भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) उसकी कह कर, व्यक्त जो यह निहित है जिसमें तरल पदार्थ के रंग के अनुरूप है, कि इस तरह के, अपने सादे पीला दिखाने के लिए फोटो खिंचवाने गया था महिला उपजाऊ द्रव पतली और पीले रंग की है".

यह है ... तो क्या इस महान भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) 1400 से अधिक साल पहले करने के लिए संकेत है, जो हाल ही में खोज वैज्ञानिक तथ्य है, संकेत करता है? !!.

33- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के मैसेन्जर (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने कहा:

"आदम के बेटे की वह सब बनाया गया था और जिसमें से वह पुनर्जीवित किया जाएगा, जिसमें से कोक्सीक्स, को छोड़कर पृथ्वी द्वारा खाया जाएगा".

"एक हड्डी को छोड़कर क्षय नहीं होता है कि मानव शरीर के कुछ भी नहीं है; कि मानव शरीर के जी उठने के दिवस पर निर्मित किया जाएगा, जिनमें से कोक्सीक्स, के अंत में छोटी हड्डी है".

"पृथ्वी कोक्सीक्स छोड़कर मानव शरीर से सब कुछ खा जाएगा?" यह कहा गया था, "ओह, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के रसूल यह क्या है?" उसने कहा, "एक सरसों के बीज के लिए इसी प्रकार, आप निर्मित किया जाएगा इसे से".

[अल मुस्तब्रक 'अला रूप- सहीहैनं]

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

परिभाषाएं:

- "कोक्सीक्स": रीढ़ की हड्डी के निचले सिरे पर स्थित एक सरसों के बीज के लिए इसी तरह की एक हड्डी.

- "निर्मित": उसकी रचना और गठन की बहाली के जी उठने के दिवस पर मौत के बाद.

इन महान भविष्यवाणी हदीस कि, एक सरसों के बीज के समान एक हड्डी को छोड़कर, पानी और गंदगी के अपने मूल सामग्री में बदल, मृत्यु और अपनी कब्र में मानव शरीर की अंत्येष्टि के बाद, पृथ्वी यह सब खा जाएगा कि हमें सूचित रीढ़ की हड्डी के निचले छोर पर स्थित है, कोक्सीक्स कहा जाता है; और मानव भ्रूण इस छोटे हड्डी से बनाया है, और एक व्यक्ति निर्मित और पुनर्जीवित किया जाना है, मौत के बाद से यह सुधार और जी उठने के दिवस पर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा अपने कर्मों के लिए खाते में लाया जाएगा कि था कि.

इस छोटे से हड्डी, कोक्सीक्स, भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) हमें सूचित के रूप में, क्षय नहीं होता और पृथ्वी द्वारा निगल नहीं है.

यह बिखर, और मानव जाति के लिए नए सिरे से बनाया जाएगा इसे से नहीं है.

दरअसल, आधुनिक विज्ञान निम्नलिखित की खोज की है:

A) भ्रूण के बारे में १५ दिन पुरानी है, जब एक पतली रेखा के रूप में जाना जाता है, प्रकट होता है "प्राथमिक / आदिम लकीर।" यह लाइन प्राथमिक / आदिम संयुक्त "के रूप में जाना जाता भ्रूण डिस्क के बीच में एक बहुत छोटा सा, थोड़ा फुलाया शुरुआत है "जो की भ्रूण तंत्रिका तंत्र का निर्माण किया है। इसके बाद, भ्रूण धीरे-धीरे अपने सभी शारीरिक अंगों का निर्माण करने के लिए शुरू होता है। कोक्सीक्स हड्डी बनता जा रहा है - अपने सभी भागों, धीरे-धीरे दूर जाना प्राथमिक स्ट्रीक और प्राथमिक संयुक्त के निर्माण के बाद भ्रूण के पीछे करने के लिए यह रीढ़ की हड्डी के अंत में बैठती है जब तक.

B) और सभी भ्रूण के ऊतकों, अंगों और प्रणालियों के निर्माण में अपनी

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

भूमिका की स्थापना - हंस Spemann प्राथमिक आयोजक अपनी खोज के (कोक्सीक्स प्राथमिक स्ट्रीक और प्राथमिक संयुक्त लिए एक और शब्द) के लिए, 1935, में जीवन विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था.

इसके अलावा, यह उबला हुआ किया गया हो रही अपनी बावजूद, वे इसे एक माध्यमिक भ्रूण अक्ष निर्माण करती है कि खोज, उबला हुआ और एक कोक्सीक्स कुचल दिया, और उसके बाद अन्य भ्रूण में प्रत्यारोपित किया जिसमें उन्होंने और उनकी टीम ने प्रदर्शन किया है कि एक प्रयोग है, के माध्यम से, क्षय नहीं होता कि स्थापना यहां तक कि इस वैज्ञानिक तथ्य की बात करने के लिए पहली बार एक नबियों के सरदार, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) यह जानकर कि, नहीं - सिर्फ (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) सूचित नबी के रूप में - और यह क्षय, नहीं होता है, कि इस तथ्य की पुष्टि की है, जो कुचल उस पर) पर 1400 साल पहले.

हाल ही में विज्ञान द्वारा की खोज की गई है कि पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) 1400 से पहले अधिक वर्षों के बारे में हमें सूचित किया कि ये अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों, निम्न में अभिव्यक्त किया जा सकता है:

A) कोक्सीक्स - रीढ़ की हड्डी के पीछे में निहित है कि यह हड्डी जिसके माध्यम से सभी भ्रूण के ऊतकों, अंगों और प्रणालियों बना रहे हैं.

B) कोक्सीक्स - रीढ़ की हड्डी के पीछे में निहित है कि यह हड्डी कुचल या उबलते के माध्यम से बिखर, और मानव शरीर के पृथ्वी के विघटन के बाद बनी हुई नहीं है.

C) अन्य भ्रूण में अपने उबलते, कुचल और आरोपण के बाद, अपने को कुचल दिया और उबले गया होने के बावजूद कोक्सीक्स यह क्षय नहीं होता कि स्पष्ट है, जो एक माध्यमिक भ्रूण अक्ष हो, पाया था, और कहा कि इसके माध्यम से मानव जाति को खंगाला और नए सिरे से निर्मित किया जाएगा.

इसलिए, हाल ही में पता चला है, और समय पर, कोई भी उनमें से थोड़ा सा भी ज्ञान था जो थे पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की हदीस, और वे पहले 1400 से अधिक वर्षों के लिए संकेत है, कि अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों की यथातथ्यता.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

दरअसल, वे वह इसके अलावा पर हो उसका फोन और उनके संदेश की प्रामाणिकता की सच्चाई का एक सबूत के रूप में (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा रहस्योद्घाटन दिया गया था, जो एक नबी तथ्य यह है, कि एक गवाह के रूप में .

पशु के बारे में

३४- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"वह कसूरवार था, जबकि तब एक मछली उसे निगल लिया।" [कुरान, - साफ़ फात: १४२]

- "उसे निगल लिया": इसे निगल के क्रम में एक निवाला तरह अपने मुंह में ले लिया.

- "एक मछली": विशिष्ट विशेषताओं के साथ एक विशाल समुद्री जीव (एक व्हेल).

(पवित्र क़ुरआन) एक विशाल समुद्री जीव भोजन का एक निवाला तरह उसे निगल लिया है, कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), (के नबी जोनाह समुद्र में थे, वहीं मजबूत तरंगों वह में यात्रा कर रहे थे, जहाज को हिलाकर रख दिया है.

इस प्राणी उसकी हड्डियों के किसी भी तोड़ने या उसके मांस के किसी भी कुचल बिना उसे निगल लिया; तो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), तटके पास उसे थूक प्राणी के कारण से उसे बचाया. इस से, प्राणी के मुंह के रूप में अच्छी तरह से अपने विशाल आकार की चौड़ाई स्पष्ट कर दिया है.

दरअसल, एक विशाल समुद्री जीव की खोज की विशेषताओं जिसका हाल के दिनों में अध्ययन किया गया पृथ्वी पर सबसे विशाल जानवर माना जाता था.

यह लंबे समय से 33 मीटर तक पहुंच सकता है; किसी भी वजह से नहीं होने के, और किसी भी हड्डियों को तोड़ने या किसी भी मांस कुचल बिना यह निगलने - भोजन का एक निवाला तरह - अपने सिर यह पूरी तरह से एक इंसान लेने के लिए सक्षम है, कि इस तरह के बारे में एक चौथाई अपने शरीर के आकार तक पहुंच सकता है दांत.

यह समय की अवधि के लिए इसके अंदर जिंदा एक मानव रखने में मदद

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

करता अंदर ऑक्सीजन की बड़ी राशि, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की इच्छा और क्षमता से) यह पच नहीं दी गई.

यह समुद्र प्राणी (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), फ़रमाता है, उल्लेख किया गया था के रूप में आमतौर, नीली व्हेल के रूप में जाना जाता है, विशाल प्राणी के इस प्रकार के अस्तित्व के साथ ही पूरी तरह से एक इंसान को निगल करने के लिए अपनी क्षमता "तो फिर एक मछली ... उसे निगल लिया है" क्या है, है वास्तव में इस (पवित्र क़ुरआन) के लिए संकेत है.

दूर दूर से किसी भी नदी से, एक अत्यंत शुष्क और शुष्क रेगिस्तान वातावरण में रहने वाले एक समाज के बीच में पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) को पता चला - तो एक संकेत का (पवित्र क़ुरआन) के इस संकेत क्या है पानी, (व्हेल कहाँ रहते हैं) अकेले समुद्र जल जाने - व्हेल - और विशाल समुद्री जीव के इस प्रकार के अस्तित्व के लिए इसका संकेत इसके अलावा यह खास विशेषताओं में से एक (अपने मुंह से बड़े आकार की ओर इशारा 1400 से अधिक साल पहले, जो पूरा खपत और एक इंसान की निगलने उसके मांस को कुचल के बिना, साथ ही अपने विशाल आकार), हाल ही में खोज रहे थे, जो सभी वैज्ञानिक तथ्यों को स्थान देता है ?!.

पंछी के बारे में

३५- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"मक्खी उनके पास से एक बात छीन लिया और, अगर वे ... इसे से इसे जारी करने की शक्ति नहीं होगा" [कुरान, अल हज: ७३].

परिभाषाएं:

- "उनमें से एक बात छीन लिया": छिपकर एक बात चोरी.

- "वे इसे जारी करने की शक्ति नहीं होगी": वे इसे पुनः प्राप्त करने में सक्षम नहीं होगा.

(पवित्र क़ुरआन) कैसे मक्खी छीनती के बारे में बोलते हैं और एक चुपके-तरह तरह की वस्तुओं को चुरा लेता है। (पवित्र क़ुरआन) तो मक्खी द्वारा चोरी

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

उद्देश्य यह है कि इसे फिर से प्राप्त किया जा कभी नहीं कर सकते हैं कि हमें बताते हैं.

आधुनिक विज्ञान इसकी भेदी के माध्यम से सक्शन से मक्खी से छीन लिया जाता है, जो वस्तु पूरी तरह से सेकंड के भीतर पूरा अवशोषण करने में सक्षम हैं, अपने पाचन तंत्र से स्रावित एंजाइमों द्वारा अवशोषित कर लेता है कि खोज की है, इसलिए, अक्षमता, यह से वस्तु प्राप्त करने के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), रूप में कहते हैं, "वे ... इसे से इसे जारी करने की शक्ति नहीं होगा".

तो कैसे सटीक (पवित्र क़ुरआन) के भाव और 1400 से अधिक साल पहले इस वैज्ञानिक तथ्य को अपनी सूक्ष्म संकेत हैं? !! और वे का एक संकेत क्या कर रहे हैं ??

३६- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

'आप पहाड़ों में और पेड़ों में है और वे सीधा क्या में बस्तियों लें: "और अपने प्रभु कह रही है, मधुमक्खी प्रेरित किया। फिर, सभी फलों का खाते हैं, और अपने प्रभु के तरीकों से आप के लिए आसान बनाया का पालन करें। 'पुरुषों के लिए उपचार है जिसमें रंग बदलती के एक ड्रिंक, उनके पेट से आगे नहीं आता है। वास्तव में, यह वास्तव में लगता है कि लोगों के लिए एक संकेत है".

[कुरान, अल नहल : ६८-६९]

परिभाषाएं:

- "वे क्या खड़ा": वे एक घर की छत के लिए एक शाफ्ट के रूप में किया क्या.

- "अपने प्रभु के तरीके": अपने प्रभु आप के लिए मदद की है जो रास्ते.

- "आसान बना दिया": सीधी और खुली रखी.

इन दो महान छंद (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, नेतृत्व और घरों की छतों में पहाड़ों और घरों और शाफ्ट में खुद के लिए निवास बनाने के लिए मधुमक्खी निर्देशित किया है, कि हमें सूचित; मधुमक्खी उसके पेट से शहद के कई अलग अलग रंग का उत्पादन होता है, जिनमें से एक परिणाम के रूप में, फल के विभिन्न प्रकार से अपनी जरूरत जीविका लेने के लिए यह निर्देशित किया है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

(पवित्र क़ुरआन) भी मधुमक्खी के पेट से आगे आता है कि यह तरल महान लाभ होता है कि, और यह उपचार के लिए एक कारण हो सकता है कि हमारे लिए बताते हैं.

यह और मर्दाना तनाव में नहीं (छंद में इस्तेमाल क्रिया रूपों से स्पष्ट है के रूप में) संज्ञा तनाव में है इनमें से एक दो (पवित्र क़ुरआन) के छंद में संबोधित किया जा रहा है कि उल्लेख के लायक है। मतलब, इन दो महान छंद में भाषण पुरुष महिला मधुमक्खी के निर्देश पर और नहीं था। उस में ज्ञान क्या है ?!.

आधुनिक विज्ञान इन दोनों गीतों में भाषण जिससे महिला मधुमक्खी और न पुरुष के निर्देश पर, स्त्री तनाव में आ गया है कि इस तथ्य के पीछे ज्ञान का पर्दाफाश किया है जो कि हासिल की है। दरअसल, आधुनिक विज्ञान की खोज की है:

A) यही कारण है कि एक छत्ते के सदस्यों के भारी बहुमत महिलाएं हैं, और पुरुषों की संख्या केवल एक छोटा सा प्रतिशत तक है.

वहाँ सिर्फ एक रानी मधुमक्खी है, और महिलाओं (कार्यकर्ता मक्खियों) की भूमिका (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), रूप में कहते हैं, मकानों के निर्माण की तरह, छत्रक के सभी कार्य करने के लिए है, जबकि पुरुष मधुमक्खियों की भूमिका में, रानी खाद के लिए है संज्ञा तनावपूर्ण" आप पहाड़ों में और पेड़ों में है और वे सीधा क्या में बस्तियों को ले लो" और यह संज्ञा तनाव में नहीं आया था.

B) दसियों हजारों किलोमीटर की अप करने के लिए - फूलों के रस को खाते हैं और पराग बीज इकट्ठा होते हैं, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), फ़रमाता है में करने के लिए संकेत के रूप में था, "फिर, सभी फलों का खाते हैं, और पालन करने के लिए यह महिला लंबी दूरी मक्खियों कि मधुमक्खी है कि अपने प्रभु के तरीके ... "स्त्री तनाव में व्यक्त आप के लिए आसान बना दिया है, और नहीं संज्ञा तनाव (प्रयुक्त क्रिया रूपों में स्पष्ट है के रूप में).

C) यह जिसमें से महिला के पेट है कि स्त्री तनाव में है, और नहीं संज्ञा तनाव में व्यक्त (में स्पष्ट है के रूप में "..., उनके पेट एक ड्रिंक से आगे नहीं आता है," (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), फ़रमाता है में करने के लिए संकेत के रूप में था, शहद आता है क्रिया रूप में प्रयोग किया जाता).

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

D) महिला मधुमक्खी के पेट से आगे आता है कि इस पेय सिर्फ शहद तक ही सीमित नहीं है; बल्कि, उसके बाद क्रिस्टल बाहर आते हैं और कि शहद के अलावा अन्य अन्य प्रकार के तरल पदार्थ से देखते हैं.

ये अन्य क्रिस्टल तरल पदार्थ (शाही जेली, शहद कंघी, मोम, मधुमक्खी विष) से अपने अमृत और पराग बीज हो जाता है फूल के प्रकार के अनुसार, मधुमक्खी शहद में ही अलग-अलग रंगों में आता है कि इस तथ्य के अलावा, भिन्न रंग है.

और यह, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का यह कह कर लिए गया था कि क्या वास्तव में है ... "रंग बदलती का एक जाम ...".

E) (अल्लाह,अज़्ज़ाव जल) फ़रमाता है कि आधुनिक विज्ञान, महिला मधुमक्खियों के पेट से आगे आया है कि इन सभी तरल पदार्थ के कई अद्भुत चिकित्सा लाभ की खोज की है ... "पुरुषों के लिए एक चिकित्सा है जिसमें ...".

तो कैसे सटीक (पवित्र क़ुरआन) की अभिव्यक्ति कर रहे हैं - एक पत्र की साधारण अलावा द्वारा (महिला तनाव में इंगित करने के लिए) - इन अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों को उनके संकेत में, 1400 से अधिक साल पहले, हाल ही में खोज रहे थे, जो !!? और इस और के संकेत क्या है? !!

वनस्पति के बारे में

३७- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) फ़रमाता है:

"यह आसमान से पानी (बारिश) नीचे भेजता है, और इसके साथ हम सभी प्रकार की वनस्पति को आगे लाने, और इससे बाहर हम आगे मोटी अनाज क्लस्टर लाने के जो से, हरे डंठल को आगे लाने वह कौन है". [कुरान, अल अं आम: ९९]

परिभाषाएं:

- "हरे डंठल": हरे और रसीला.

- "मोटी अनाज क्लस्टर": एक दूसरे के शीर्ष पर अनाज.

इस (पवित्र क़ुरआन) की शुरुआत पानी पृथ्वी की वनस्पति के लिए कारण यह है कि हमें बताते हैं; तो यह है कि यह इस हरी कुछ के माध्यम से होता है कि हमारे पास स्पष्ट किया है कि इस तरह, हमारे लिए इस वनस्पति का फल और

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

अनाज एक विस्तृत और संक्षिप्त तरीके से, आगे लाया जाता है जिस तरह बताते हैं - वे कहते हैं, "हरे डंठल" - जो यह स्पष्ट रूप से उनकी कहावत है, में कहा गया था, के रूप में आगे आने के लिए फल और अनाज का कारण बनता है, "हम आगे मोटी अनाज क्लस्टर लाने के जो से हरे डंठल,।" मतलब, हम शीर्ष पर अनाज इस हरे बात ("हरे डंठल") से आगे लाना एक दूसरे को ("मोटी क्लस्टर अनाज") के.

आधुनिक विज्ञान (पवित्र क़ुरआन) के बारे में बताया गया है की सच्चाई का पर्दाफाश किया है: कि (पवित्र क़ुरआन) संकेत क्या सामान्यतः के रूप में जाना जाता है के लिए है कि इस हरे बात "क्लोरोफिल".

यह हरे रंग की बात है, "क्लोरोफिल," (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), फ़रमाता है है, में भेजा गया था के रूप में "हरे डंठल," इसके अलावा संयंत्र अपनी हरे रंग देता है, और जो कि कार्बन डाइऑक्साइड का उत्पादन करने के लिए बदल गया है.

जिसके माध्यम से प्रकाश आत्मसात प्रक्रिया में एक बड़ी भूमिका निभाता है मानव और अन्य जीवित चीजों की सांस लेने के लिए आवश्यक है, जो ऑक्सीजन.

इसी तरह, यह रासायनिक ऊर्जा के रूप में सौर ऊर्जा संग्रहीत करता है। इसलिए, (पवित्र क़ुरआन) की बात की थी कि इस हरे बात के महत्व को स्पष्ट हो जाता है; के रूप में अच्छी तरह से अपनी मौलिक दोनों प्रकाश आत्मसात प्रक्रिया में भूमिका और फल और अनाज के आगे लाने के रूप में.

(पवित्र क़ुरआन) पर 1400 साल पहले के बारे में हमें सूचित किया कि यह अद्भुत वैज्ञानिक तथ्य हाल ही में पता चला था.

क्या हम पर छुआ है - कोई भी उनमें से थोड़ा सा भी ज्ञान था जब एक समय में, (पवित्र क़ुरआन) और पैगंबर हदीस 1400 से अधिक वर्षों के बारे में हमें बताया कि पहले, वैज्ञानिक आश्चर्य और आधुनिक वैज्ञानिक खोजों के उदाहरण - कुछ कर रहे हैं ग्रंथ लंबी और बाहर खींचा बनाने के लिए नहीं, इतनी के रूप में मौजूद हैं कि प्रचुरतापूर्ण उदाहरण के.

दरअसल (पवित्र क़ुरआन) के साथ ही पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) आधुनिक वैज्ञानिक खोजों और वैज्ञानिक आश्चर्य की विभिन्न चित्रण से भरे हुए हैं.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इसलिए, (पवित्र क़ुरआन) और सचमुच आदर्श हदीस, एक इस विषय, सहित के साथ काम कर कई विभिन्न स्रोतों का उल्लेख कर सकते करने के लिए संकेत है कि वैज्ञानिक आश्चर्य और आधुनिक वैज्ञानिक खोजों के चित्रण के बारे में अधिक जानने के लिए:

१- वैज्ञानिक आश्चर्य की वर्सेज (डॉ ज़ग्लोल) अल-नग्गर द्वारा (पवित्र क़ुरआन) में (आकाश, पृथ्वी, जानवरों और पौधों).

२- वॉल्यूम १, (डॉ ज़ग्लोल) अल-नग्गर से सचमुच आदर्श सुन्नत में २ और ३ या वैज्ञानिक चमत्कार.

३- (डॉ ज़ग्लोल) अल-नग्गर से इस्लाम और आधुनिक विज्ञान, (पवित्र क़ुरआन) में वैज्ञानिक आश्चर्य है, के विश्वकोश.

४- (पवित्र क़ुरआन) और सुन्नत, मक्का में वैज्ञानिक आश्चर्य की परिषद द्वारा कुरान और सुन्नत के प्रकाश में भ्रूण विज्ञान,

5- कुरान के चमत्कार के विषय में क्या (प्रोफेसर करीम नगीब अल, अग़र) द्वारा गर्भ छा लेता है, उन्होंने कहा कि उनकी धन्य बुक (पवित्र क़ुरआन)) में कहा है कि दरअसल, जब (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, सच बोला:

"हम उन्हें ब्रह्मांड में हमारे लक्षण दिखाई देगा, और यह इस (कुरान) सच तो यह है कि उनके लिए प्रकट हो जाता है जब तक उनके में, मालिक है".

[कुरान, फ़ुस्से लत: ५३].

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

१४०० से अधिक साल पहले, (पवित्र क़ुरआन) और आधुनिक वैज्ञानिक की खोजों के लिए उनके संकेत के माध्यम से भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) के ज़रिये की गयी है.

(पवित्र क़ुरआन) और पैगंबर हदीस के बारे में बताया और अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों करने के लिए संकेत है - हम पिछले अंक में उल्लेख किया है - 1400 से अधिक साल पहले, एक समय में कोई भी उनमें से थोड़ा सा भी ज्ञान था जब; केवल आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से विभिन्न विज्ञान में असाधारण प्रगति के बाद हाल के दिनों (आधुनिक विज्ञान का युग) में पाया गया है कि वैज्ञानिक तथ्यों.

इसलिए, यह इस जानकारी को निम्न सवालों को प्रोत्साहित करना होगा कि अपरिहार्य था:

१) वास्तव में सबसे विस्तृत प्रकार - वह (यह करने के लिए आमंत्रित) लाया जो कुरान के माध्यम से क्या विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में, अनदेखी के इन मामलों की पसंद में तल्लीन (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), बनाया क्या साथ - साथ वह १४०० से अधिक साल पहले, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) के माध्यम से अवगत करा दिया ?!.

2) वास्तव में सबसे विस्तृत प्रकार - क्या उसे विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में, अनदेखी की इन बात की पसंद में तल्लीन करने के लिए मजबूर एक समय में कोई भी उनमें से थोड़ा सा भी ज्ञान था जब, और न ही एक स्थिति में किसी के लिए फार्म का था अनदेखी के इन मामलों के विषय में एक निर्णय; बल्कि, सटीक अज्ञात तथ्यों को इन मामलों के लिए संकेत है कि - पृथ्वी के आंदोलन और अपनी धुरी, आदि के लिए संकेत की तरह - (कुरान समय में संबोधित कर रहे थे कि) आदिम मानसिकता को परेशान होता है और में एक उपकरण होगा इस्लाम के विरोधियों के हाथों की वजह से उनमें से अपने अज्ञान को उस समय अवधि की मानसिकता को समझ नहीं सकता है, जो अज्ञात की विस्तृत तथ्यों के बारे में संदेह इन प्रकार के कास्ट करने के लिए.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

३) क्या (पवित्र क़ुरआन) और सचमुच आदर्श (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) करने के लिए संकेत और खोज की है और आधुनिक विज्ञान द्वारा स्थापित किया गया है, के साथ १४०० से अधिक साल पहले के बारे में हमें सूचित जो कि अनुरूपता से संकेत दिया है ?!.

इसलिए, यह इन उचित सवाल है जो तार्किक जवाब, हमें आगे के लिए होता है कि अपरिहार्य था:

पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) लाया जो (पवित्र क़ुरआन), साथ ही भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) वह भेजी कि थे, लेकिन (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से रहस्योद्घाटन इस ब्रह्मांड के शानदार प्रजापति, में सब कुछ का ज्ञान होने से एक यह.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, पहले से ही उन्नत युग के मानव जाति के अद्भुत और सटीक वैज्ञानिक खोजों के ज्ञान के पास जो एक.

इसलिए, इन अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों की बात की थी कि इन (पवित्र क़ुरआन) के छंद के रूप में अच्छी तरह से पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के कॉल की सत्यता की, (1400 साल पहले से अधिक) के लिए उन्हें करने के लिए संकेत प्रकाश के अद्भुत प्रकाश की किरण हैं, और सच्चाई की गवाही है कि भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) के रूप में की प्रामाणिकता (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने अपने संदेश, और वह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), शानदार प्रजापति, आकाश और सृष्टि के सभी के पृथ्वी, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, प्रभु के प्रवर्तक द्वारा निर्देश दिया गया था कि तथ्य यह है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

(पवित्र क़ुरआन) और भविष्यवाणी, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) के ज़रिये, विभिन्न क्षेत्रों से वैज्ञानिकों के नियम.

वैज्ञानिकों के स्कोर - पश्चिम से और अन्यथा - विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में कोई एक भी था जब एक समय में, 1400 से अधिक साल पहले आधुनिक वैज्ञानिक खोजों की ओर इशारा में अपनी पूर्वता साक्षी के बाद (पवित्र क़ुरआन) और (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) भविष्यवाणी की पुष्टि की है उनमें से थोड़ी सी भी ज्ञान.

कई अलग अलग वैज्ञानिक क्षेत्रों से इन नियम के कुछ उदाहरण निम्नलिखित में अभिव्यक्त किया जा सकता है:

१- **कनाडा के प्रोफेसर कीथ एल मूर:** टोरंटो, कनाडा के विश्वविद्यालय में एनाटॉमी विभाग के डीन; भ्रूणवैज्ञानिक के कनाडाई मूल के अमेरिकी संघ के अध्यक्ष; आठ भाषाओं में अनुवाद किया गया है, जो पुस्तक "मानव का विकास," के लेखक; एक लेखक पुरस्कार द्वारा लिखित सर्वश्रेष्ठ पुस्तक के प्राप्तकर्ता; दुनिया के सबसे प्रसिद्ध भ्रूणवैज्ञानिक में से एक.

वह अपनी माँ के गर्भ में भ्रूण के विकास के चरणों के बारे में विस्तार से बात जो (पवित्र क़ुरआन) के छंद को देखा और यह पुष्टि की है, वह मास्को में एक संवाददाता सम्मेलन में निम्नलिखित बयान किया:

उन्होंने उससे पूछा। "कुरान के भाव तो ठीक आधुनिक विज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम नहीं किया गया है क्या मतलब है": "क्या आप एक मुस्लिम हैं" उन्होंने कहा, "नहीं, जवाब है, लेकिन मैं कुरान के भाषण है कि गवाही (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), और, मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) उसका दास और रसूल है। मेरे परिवार से दबाव मेरे रूपांतरण की घोषणा करने से रोकता है, लेकिन आप कीथ मूर इस्लाम स्वीकार कर लिया है कि एक दिन में सुना है, तो आश्चर्य नहीं करना चाहिए "उन्होंने यह भी कहा,".

"तो फिर कीथ मूर स्पष्ट रूप से कहने लगे, एक और संवाददाता सम्मेलन में अपनी राय ने घोषणा की, "इन साक्ष्यों (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम)

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

परमेश्वर के एक रसूल है कि मेरे लिए पुष्टि करता है जो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की तुलना में कहीं दूसरे से (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) को नहीं आ सकता है".

उन्होंने कहा कि वास्तव में "इस्लामी परिवर्धन के साथ मानव का विकास" (पवित्र क़ुरआन) से भ्रूण के निर्माण के चरणों के बारे में बात करता है) "इस्लामी परिवर्धन," अपनी पुस्तक के शीर्षक के प्रतिपादन के अलावा करने के लिए सहमत है.

और सभी प्रशंसा है इस्लाम - अपने इस्लामी परिवर्धन के साथ पुस्तक कई बार मुद्रित किया गया है, और अब यह अद्भुत धर्म का एक उत्कृष्ट प्रमोटर बनने वैज्ञानिकों के बीच फैल गया है कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के लिए कि सब नबी और रसूल (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की मुहर द्वारा लाया गया था.

२- **प्रोफेसर, जो लेह सिम्पसन:** उत्तर बोस्टन, शिकागो विश्वविद्यालय में प्रसूति एवं स्त्री रोग के प्रोफेसर.

३- **प्रोफेसर, टी वी एन परसा उद:** एनाटॉमी, मैनिटोबा कनाडा विभाग के डीन; स्त्री रोग प्रकाशनों के प्रसिद्ध लेखक.

इन दोनों वैज्ञानिकों - जो लेह सिम्पसन और टीवीएन परसा उद - पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के दो (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) में एक बहुत रुचि ले लिया (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के निर्वहन की मिश्रित बूंदों के विषय में:

१- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के मैसेंजर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने कहा: "चालीस दो रातों भ्रूण पर पारित कर दिया है, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) उसके श्रवण, दृष्टि, त्वचा, मांस बनाता है तो यह आकार में जो यह करने के लिए एक रसूल भेजता है, और, और हड्डियों को फिर '? नर हो या मादा, मेरे प्रभु' तो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), वह चाहा क्या फरमान, कहते हैं, " [मुस्लिम द्वारा सुनाई: ४७८३].

जय (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए हो सकता है! सटीक संख्यात्मक राशि करके, मानव जाति आज (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से था रहस्योद्घाटन क्या कहा कि पैगंबर का एहसास है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

चुना हमें बताया, बस के रूप चालीस रात के गुजरने के बाद अर्थात - मनुष्य के रूप सातवें सप्ताह की शुरुआत तक भ्रूण में प्रकट नहीं होता है। हम अपने बयान के अर्थ का एहसास यहाँ से, जिसका अर्थ है ', यह आकार "यह अपनी विशिष्ट मानव रूप देता है.

दरअसल, वह नहीं अपने ही इच्छाओं की जो बोलता है, मंडित, सच्चा है (सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

२- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के मैसेन्जर (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने कहा:

"आप में से हर एक में, अपनी रचना के सभी घटकों को चालीस दिनों से अपनी मां के गर्भ में इकट्ठा कर रहे हैं" [बुखारी द्वारा सुनाई].

यहाँ इस महान (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) में (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के रसूल मानव रचना के घटकों को मां के पेट में इकट्ठा कर रहे हैं, जिसमें अवधि इंगित करता है.

पहले (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) में उन्होंने इन दोनों वैज्ञानिकों ने भी पुरुष और वह उसे बनाया महिला मुक्ति की बूंदों से "(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), फ़रमाता है, में बहुत रुचि ले लिया आदि भ्रूण के गठन और इसकी सुनवाई, दृष्टि का निर्माण, इंगित करता है, और उसके बाद उसे सेट कारण अनुपात में, " [कुरान, 'अबस: 19].

इस (पवित्र क़ुरआन) का अर्थ मानव भ्रूण गुणसूत्रों में निहित जीन द्वारा निर्धारित आदि जैसे बालों का रंग, आंखों का रंग, रूप में भ्रूण में अपने सभी विशेषताओं, साथ सानुपातिक जाता है.

इन दो (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) की जानबूझकर अध्ययन के बाद, प्रोफेसर जो लेह सिम्पसन खड़ा था और एक संवाददाता सम्मेलन में निम्नलिखित बयान किया:

"धर्म कुरान परमेश्वर का भाषण साबित होता है कि जो है, जो सफलतापूर्वक विज्ञान, बधिया करने के लिए यह काफी संभव है".

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

प्रोफेसर टीवीएन परसा उद निम्नलिखित कमेंटरी था:

"वास्तव में, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) द्वारा घोषित आश्चर्यजनक वैज्ञानिक बयानों संयोग से नहीं आ सकता है। नहीं, यह प्रेरणा और इन वास्तविकताओं के लिए उसे निर्देशित जो रहस्योद्घाटन होना चाहिए".

३- **प्रोफेसर, ई मार्शल जॉनसन:** प्रोफेसर और शारीरिक रचना और विकास जीवविज्ञान के डीन; डैनियल बॉ संस्थान, थॉमस जेफरसन विश्वविद्यालय, फिलाडेल्फिया, फिलीस्तीनी अथॉरिटी संयुक्त राज्य अमेरिका के निदेशक.

यह विदारक के बाद - भ्रूण का गठन किया है, जिसमें "चबाया मांस की गांठ" अंदर क्या है की उनकी व्याख्या शुरुआत करने के बाद वह इसे दो भागों में बांटा गया है उनका कहना है कि, ने कहा:

"पहले भाग का गठन कर दिया गया है कि शरीर के कुछ भागों में शामिल है; दूसरे भाग के बारे में कुछ भी नहीं, उस में गठन किया गया है। इस से, यह इस 'चबाया मांस की गांठ' का वर्णन करने के लिए अवैज्ञानिक होगा स्पष्ट है कि के रूप में पूरी तरह से गठन करने या पूरी तरह बेडौल.

मुझे (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), कुरान में यह वर्णित रास्ते में छोड़कर, सही ढंग से विज्ञान के अनुसार यह वर्णन करने के लिए इसलिए, यह असंभव है: 'तो, मांस के एक छोटे गांठ, कुछ कुछ बेडौल का गठन किया'. [कुरान, अल, हज: 5].

इस कारण से, मुझे छोड़कर कहने के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा है:

परमेश्वर की ओर से एक रसूल है (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

४- **प्रोफेसर योशी कोजी छिपाने के लिए**: टोक्यो वेधशाला, जापान की निर्देशिका। आधुनिक वैज्ञानिक खोजों के लिए इस तरह की परिशुद्धता के साथ संकेत है कि कुरान की आयतों के बारे में सीखने के बाद, उन्होंने कहा:

"मैं कुरान में इन खगोलीय तथ्य खोजने के लिए बहुत हैरान हूँ.

कुरान के बयान सटीक विस्तार से सब कुछ का ज्ञान है। कुरान पढ़ने और सवालों के जवाब देने के माध्यम से, मैं मैं ब्रह्मांड की खोज में मेरे भविष्य के पाठ्यक्रम पाया हो सकता है".

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

5- **प्रोफेसर गेराल्ड जी गोएरिंगेर :** मेडिकल भ्रूण विज्ञान, जीवविज्ञान विभाग, जॉर्ज टाउन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन, डीसी संयुक्त राज्य अमेरिका के एसोसिएट प्रोफेसर.

कुछ कुरानी आयतों के अनुवाद की खोज करने पर, उन्होंने कहा:

"कुरान छंद मानव विकास की एक व्यापक वर्णन से मिलकर बनता है, और यह वर्गीकरण, तकनीकी नियम और विवरण के संदर्भ में मानव विकास के विषय में ऐसी स्पष्टता और पूर्णता के इस तरह के एक प्रतिष्ठित सूचकांक कर दिया गया है पहले कभी नहीं".

६- **प्रोफेसर अल्फ्रेड क्रोनर:** जोहानिस गुटेनबर्ग विश्वविद्यालय, मेंज, जर्मनी में भूविज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर। (कारण पानी की अधिकता के लिए पौधों और वनस्पतियों से भरा) अरब हरे यह सूखा, शुष्क रेगिस्तान पहले था अस्तित्व में आया: प्रोफेसर क्रोनर दो सवाल है, उनमें से पहले पूछा गया था? उनकी प्रतिक्रिया थी: हाँ, साल पहले के हजारों के ऊपर (हिमयुग के दौरान).

दूसरा सवाल था: अरब हरापन के एक राज्य के लिए एक बार फिर से वापसी करने के लिए यह संभव है, पौधों और वनस्पति के साथ भरा? उनकी प्रतिक्रिया थी: हाँ, बर्फ के कारण तूफान में वृद्धि करने के लिए, भूवैज्ञानिकों तक पहुँचने के लिए कारण है कि, और अन्य खोजों (आर्कटिक दक्षिण की ओर चक्र के मध्य से बर्फ की बहती की ओर जाता है), जो अगले करने के लिए एक वर्ष से बढ़ रही है उनकी आवृत्ति इस निष्कर्ष.

फिर, पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के निम्नलिखित (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) उसे करने के लिए प्रस्तुत किया गया था: "आवर (जी उठने के) अरबों की भूमि में किया जा रहा चराई और नदियों के लिए देता है जब तक स्थापित नहीं किया जाएगा" अरब हुआ करता था कि स्पष्ट करता है, जो " [मुस्लिम द्वारा सुनाई].

भूमि की खेती की जाती है और यह हरे और रसीला बना दिया है कि के साथ ही नदियों (शब्द "चराई" से स्पष्ट है) के रूप में हरी बागानों से भरा है.

यह शायद की वजह से हम अरब के रेगिस्तान में ऐसा होने जा रहा है कि

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

शानदार पुनर्स्थापन (प्रोफेसर क्रोनर क्या उल्लेख किया है के अलावा) की वजह से सामग्री क्षमताओं की एक बहुतायत के लिए, एक बार फिर से यह भी अरब उद्यान और नदियों से भरा होगा कि इस (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) से स्पष्ट है और जैसा पहले था, चराई और नदियों का देश के लिए अरब की वापसी: वास्तविकता को पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की भविष्यवाणी लाता है कि उन्नत प्रौद्योगिकी.

प्रोफेसर क्रोनर केवल यह कह कर जवाब सकता है:

"अब यह निश्चय (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने कहा है कि क्या इस बात की पुष्टि करने के लिए उन्नत वैज्ञानिक तरीकों के लिए संभव है; और, मैं (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) हमें सूचित किया है की (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से रहस्योद्घाटन के अलावा और कुछ नहीं हो सकता है कि विश्वास करते हैं".

7- **प्रोफेसर Tejatat Tejasen**: स्कूल ऑफ मेडिसिन, चाय माई विश्वविद्यालय, थाईलैंड के दीन.

दो साल की अवधि में (पवित्र क़ुरआन) के चमत्कार अध्ययन करने के बाद, वह चौदह सदियों से, आधुनिक विज्ञान सिर्फ (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की पुस्तक में पाया जा सकता है और आ गया है की कैसे ऐसी आश्चर्यजनक विवरण समझा एक सम्मेलन में खड़ा था पहले। वह कह अपने भाषण निष्कर्ष निकाला है:

"यह कुरान की आयतें सब बातों का सबसे अधिक जानकार एक प्रजापति से (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के लिए आया था कि निश्चितता के साथ मेरे लिए करने की पुष्टि करता है, और मैं इसे मैं घोषणा समय आ गया है कि वहाँ: वहाँ (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), को छोड़कर इबादत के योग्य कोई देवता है, और (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के रसूल है; अब मैं एक मुसलमान हूँ".

"हम (पवित्र क़ुरआन) में देखा है इन सब साक्ष्यों के बाद, विशेष रूप से वैज्ञानिक चमत्कार, हमें निम्नलिखित प्रश्न अपने आप से पूछना: वह कह रही है, जारी रखा:

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

यह हो सकता है कि हाल ही में पाया गया है कि कई अलग अलग विज्ञान के क्षेत्र, और, (पवित्र क़ुरआन) में मौजूद यद्यपि के बारे में वैज्ञानिक जानकारी - चौदह सदियों पहले पता चला - मात्र संयोग से देखते है कि ?! यह (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) या किसी अन्य व्यक्ति को कुरान लिखी हो सकता है कि संभव है ?! केवल संभावित जवाब (पवित्र क़ुरआन) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का पता चला भाषण होना चाहिए".

(पवित्र क़ुरआन) और भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) के विषय में इन वैज्ञानिकों के प्रशंसापत्र इंटरनेट के माध्यम से देखा जा सकता है).

इतने अधिक वैज्ञानिकों कर रहे हैं - (पवित्र क़ुरआन), भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस), और (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) और उसकी भविष्यवाणी और संदेश (नमस्कार और शांति की सच्चाई की ओर से मामलों को दे दिया है कि विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से - हम उल्लेख लोगों की तुलना (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का) उस पर हो.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, धन्य और ऊंचा, पता चला है कि (पवित्र क़ुरआन) इस्लाम के संदेश की सच्चाई के लिए एक गवाह के रूप में, काल की स्थापना तक चलने वाले, अनन्त चमत्कार है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इस्लामी निषेधाज्ञा और यूनिवर्सल आदेश, और इसके निहितार्थ बीच मौजूद है, आधुनिक विज्ञान द्वारा खोज और अनुरूपता.

इबादत और शुद्ध मानव प्रकृति और बरकरार बुद्धि के साथ सहमत हैं कि ईमानदार विधान के कृत्यों मार्गदर्शक सहित एक धर्म और जीवन की तरह, के रूप में इस्लाम के साथ, और में भी है - (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) - (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, उसके सब भविष्यद्वक्ताओं और दूतों की मुहर भेजा (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), बनाया कि यूनिवर्सल आदेश के साथ अनुरूपता और सद्भाव, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), हज (इस्लाम के स्तंभों में से एक) की अनिवार्य अनुष्ठान के दौरान मुसलमानों के लिए कानून बनाया है, जो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के पवित्र हाउस मक्का में (का बाह शरीफ), की परिक्रमा और कर्त्तव्यातिक्ति अनुष्ठान: इस्लाम द्वारा कानून इबादत के एक अधिनियम के ऐसा ही एक उदाहरण उम्मा की.

मुसलमानों, (का बाह शरीफ) चारों ओर, स्वाभाविक रूप से एक परिपत्र पथ ले) सात पूरा दौर बना शुरुआत और एक विशिष्ट स्थान पर समाप्त करके (का बाह शरीफ) की परिक्रमा करता है - काला पत्थर - एक काउंटर घड़ी की दिशा में, (का बाह शरीफ) रखते हुए उनके बाएं तरफ.

आधुनिक विज्ञान (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), कि इस तरह के सबसे विशाल बात करने के लिए (बात है कि मेकअप परमाणुओं) (ग्रहों, तारों और आकाशगंगाओं), सबसे छोटी सबसे विस्तृत बात से बनाया है कि सार्वभौमिक आदेश के साथ परिक्रमा के मुस्लिम अनुष्ठान की अनुरूपता की खोज की है निम्नलिखित की खोज की थी:

१- एक परमाणु के नाभिक के बारे में: ऊर्जा के सात स्तरों (कश्मीर, एल, एम, एन, ओ, पी, क्यू) को फैलाने और मुसलमानों (का बाह शरीफ) के आसपास बनाने के दौर की एक ही नंबर है, जो नाभिक, चारों ओर घूमना के साथ इलेक्ट्रॉनों। इन इलेक्ट्रॉनों भी जय (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए योग्य है, मुसलमानों (का बाह शरीफ) चारों ओर परिक्रमा, जिसमें एक ही ढंग है, जो एक परिपत्र काउंटर दक्षिणावर्त गति में घूमता है !!

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

२- एक डिंब में एक शुक्राणु की डूबनेवाला इसे बारी बारी का कारण बनता है निषेचन के लिए यह घुसना करने का प्रयास करते समय, जय (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए योग्य !!

३- पृथ्वी एक काउंटर घड़ी की दिशा में अपनी धुरी पर घूमता है, जय (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए योग्य !!

४- एक ही समय में, पृथ्वी भी (का बाह शरीफ) के मुसलमानों 'परिक्रमा का एक ही दिशा है, जो एक काउंटर दक्षिणावर्त दिशा में सूर्य के चारों ओर कक्षा में घूमती है - जय (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए योग्य काउंटर दक्षिणावर्त, !!

5- सूरज एक काउंटर घड़ी की दिशा में ही चारों ओर घूमता है, जय (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए योग्य!!

६- सूरज अपनी प्रणाली के साथ घूमता है - सौर प्रणाली - एक काउंटर घड़ी की दिशा में आकाशगंगा के केंद्र के चारों ओर, जय (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए योग्य !!

और इतने पर और बहुत आगे है, ग्रहों, तारों और आकाशगंगाओं में कई उदाहरण से.

(का बाह शरीफ) की परिक्रमा की तरह - करने के लिए छोटी से छोटी, सबसे विस्तृत बात से (इलेक्ट्रॉनों की तरह), इस ब्रह्मांड की उनकी रचना में, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के सीमा शुल्क से है इसलिए, यह काउंटर दक्षिणावर्त रोटेशन स्पष्ट है कि सबसे विशाल बात (पृथ्वी और सूर्य की तरह)। वे सब के सब एक शक के बिना, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, जन्म लिया है और बनाया है कि ब्रह्मांड के साथ इस्लामी धार्मिक ग्रंथों और कानूनों के सामंजस्य और सद्भाव की पुष्टि करता है जो एक काउंटर दक्षिणावर्त, परिपत्र कक्षा में साथ चलते हैं.

इसी तरह, यह सब इस तरह से इस ब्रह्मांड के निर्माता जिसका विधानों ब्रह्मांड के साथ अनुरूपता और सद्भाव में हैं जीवन के एक तरीके के रूप में इस्लाम के साथ (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) भेजा है कि एक होना चाहिए कि साबित होता है कि उन्होंने कहा कि हम पहले उल्लेख किया है जो इस तरीके से बनाया.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इस्लामीक क़ानून और आधुनिक वैज्ञान की खोज के बीच संबंध.

इस्लाम के साथ यह सब अच्छा है और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), है, साथ ही वह इसलिए हर कोण से मानव जाति के जीवन को स्थिर से हमें निषिद्ध जो कि के रूप के साथ हमें आज्ञा दी है, जो कि सहित मानवता की सारी, के लिए फायदेमंद है युक्त बुद्धिमान रोक ले आया.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की आज्ञाओं से संबंधित इस्लामी रोक के कुछ उदाहरण:

१- (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), को साष्टांग प्रणाम की रस्म: पांच बार हर दिन में, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए साष्टांग प्रणाम के स्तंभ सहित - खुद को शुद्ध करने के बाद (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), प्रार्थना की अनिवार्य रस्म को पूरा करने के लिए अपने विश्वास दास (मुसलमानों) की कमान संभाली। इसे में, मुस्लिम प्रस्तुत करने और अपने देवता और प्रजापति से पहले खुद को सुखद, जमीन पर उसके माथे स्थानों; उनके भजन की महिमा और इस दुनिया और इसके बाद दोनों की भलाई के लिए प्रार्थना.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, सच्चा, ईमानदार, विश्वास दास की प्रार्थना कर जवाब देने का वादा किया है पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) कि (एक प्रार्थना के उत्तर दिए जाने के लिए) को सूचित किया है कि वे शर्तों को पूरा दी है कि की: उनके भोजन, पेय और कपड़े वैध आय से, और इतने पर और आगे होना है.

आधुनिक विज्ञान जमीन पर उनके माथे रखकर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के लिए मुसलमानों को 'साष्टांग प्रणाम, इस्लामी निषेधाज्ञा, वास्तव में यह करने के लिए हानिकारक हैं कि मानव शरीर में अतिरिक्त बिजली के झटके कि निर्वहन की खोज की है.

मानव शरीर अपेक्षित बिजली के झटके के साथ बोझ कुछ हद तक है; दिन भर में कई बार अलग - अलग है, कुछ समय के लिए जमीन के लिए उसके माथे को छूकर, इन अतिरिक्त बिजली के झटके (नकारात्मक झटके शामिल है) पृथ्वी की सतह में छुट्टी कर रहे हैं.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इसलिए, इस अधिनियम में यह रक्षा के लिए छुट्टी दे दी जानी चाहिए कि शरीर पर इन अतिरिक्त बिजली के झटके के नकारात्मक प्रभाव के कारण होती है कि कई शारीरिक और मानसिक बीमारियों से मानव के लिए एक सुरक्षा है.

शायद हम परिवहन अत्यधिक ज्वलनशील पेट्रोल, कि में जमीन को छू से अतिरिक्त बिजली के झटके का निर्वहन करने के लिए आदेश में यह पीछे है कि एक लोहे की चेन है कि वहाँ डिलीवरी ट्रकों की घटना पर ध्यान दिया है.

कारण उच्च तापमान में लंबी दूरी पार उनके आंदोलन करने के लिए है, यह इन ट्रकों में पेट्रोल इन अतिरिक्त बिजली के झटके से प्रज्वलित हो सकता है कि बहुत संभावना है.

तो कैसे वार मानवता की सारी के लाभ के लिए दिव्य आज्ञाओं शामिल हैं, जो इस्लामी रोक रहे हैं? !!.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की रोक से संबंधित इस्लामी रोक के कुछ उदाहरण:

१) (ईगल, गिद्ध, आदि) की तरह नाखून के साथ, साथ ही पक्षियों (शेर, बाघ, आदि) की तरह नुकीले के साथ पशुओं के मांस का भक्षण का निषेध.

२) मृत पशुओं और इस्लामी निषेधाज्ञा के अनुसार बलि नहीं किया गया है कि पक्षियों के मांस का भक्षण करने का निषेध.

3) सूअर के मांस का भक्षण का निषेध.

४) शराब पीने और मादक द्रव्यों के निषेध.

अच्छी तरह से जाना जाता है, के रूप में वह अपने नबियों और दूतों (नमस्कार की मुहर के विषय में कहते हैं, और, जैसा कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), यह अच्छा है और अपवाद के बिना मानव जाति के पूरे के लिए फायदेमंद है, सिवाय इसके कि कुछ के साथ उनके पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने नहीं भेजा और "वह उन्हें अनुमति देता है के रूप में वैध है कि सभी अच्छे और फायदेमंद है, और गैरकानूनी रूप में उन्हें प्रतिबंध लगाता है कि सब बुराई और हानिकारक है ...") [कुरान, अल-आराफ़: १५७].

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

आधुनिक विज्ञान की खोज की है:

1) उनका मांस इसे लेने से एक के व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, यह भोजन करते समय रक्त के माध्यम से चलने वाले स्राव होता है कि जब से इंसान, इसे खाती जानवरों की विशेषताओं में से कुछ मान लिया गया है.

यह क्षण में हिंसक जानवरों, उनके शरीर शिकार में उन्हें सहायता और अपने शिकार की हत्या, और शिकार प्रस्तुत किया गया था, भले ही उन्हें भोजन करते समय इन जानवरों के शव इन हार्मोन जारी है कि हार्मोन जारी अपने शिकार का शिकार करने के बारे में हैं कि स्थापित किया गया था उन्हें करने के लिए तैयार है कि यह शिकार करने के लिए बिना खाने के लिए.

यह खाने के लिए उन्हें प्रस्तुत मांस में फाड़, जबकि इस तरह के जानवरों (शेर, बाघ) में देखा नर्वस, ख़फ़ा कार्यों से स्पष्ट है (यह शिकार किया बिना), उस समय उनके चेहरे पर पेंट क्रोध की तस्वीर का उल्लेख नहीं है.

इसलिए, जंगली, हिंसक जानवरों के इन प्रकार के मांस की खपत करने वाले व्यक्ति अधिक शातिर और हिंसा और आक्रामकता को दिया बनने, प्रकृति में परिवर्तन के साथ पीड़ित है. इसलिए, (शेरों और बाघों की तरह) नुकीले के साथ जानवरों का मांस खाने की इस्लाम के निषेध के ज्ञान के साथ-साथ (ईगल और गिद्धों की तरह) नाखून के साथ पक्षियों.

२) मरे हुए जानवरों का मांस इसे लेने से एक के शरीर के लिए बीमारी बैक्टीरिया पैदा किया जाता है.

बीमारी के मामले में मौत का कारण किया जा रहा है अलावे, एक व्यक्ति के शरीर के लिए बीमारी चलता है, बस इसे खाने से.

एक मरे हुए जानवर की नसों और ऊतकों में रक्त के -इस प्रतिधारण इसे खाने व्यक्ति के शरीर के लिए चलती है, अत: उसके मांस के भीतर बीमारी पैदा करने वाले बैक्टीरिया के प्रसार की सुविधा। और इस रोग के प्रसार के लिए अग्रणी रक्त शरीर से बाहर निकलें और नहीं कर सकते हैं ताकि रगों में बनाए रखा जाना इस्लामी कानून द्वारा कानून एक तरह से हत्या की जा रही है इससे पहले मरे हुए जानवरों के मांस का भक्षण करने की इस्लाम के निषेध का ज्ञान है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

३) सूअर का मांस रोगों से भरा हुआ है और इसे लेने से एक के लिए बीमारी पैदा करने वाले बैक्टीरिया से चलता है, स्वभाव से सुअर एक सड़ा बेईमानी से जानवर है कि कारण किया जा रहा (सूअर छाले, टेप कीड़े, जिगर कीड़े, आदि) की तरह, कि लाशों खाती , कचरा, और यहां तक कि अपने आप ही उत्सर्जित अपशिष्ट। यह इसलिए यह इन कार्यों को दबाने के लिए असंभव है, इसे बनाया गया था जिस तरह से और अपने स्वभाव का एक हिस्सा है.

जिनकी भूमिका सिर्फ कुछ कीड़ों की भूमिका की तरह, लाशों और कचरे से पर्यावरण को साफ करने के लिए है सुअर मूल रूप से एक जंगली जानवर है (यह पालतू कौन - गैर मुसलमानों मनुष्य था)। इसलिए, सुअर शरीर एक बीमारी गोदाम माना जाता है.

इसके अतिरिक्त, जीव मांसाहारी और शाकाहारी के साथ मनुष्य रखा है, और यह पौधों और (चूहों की तरह) जानवरों दोनों खाती है कि इस तरह की है, साथ ही मांसाहारी और शाकाहारी की श्रेणी में सुअर में वर्गीकृत किया है; इस तरह से यह मनुष्य के पोषण का एक ही तरीके से किया है. इसलिए, इस बीमारी के चक्र मानव और सुअर के बीच परिपक्व होती है, लेकिन नहीं मानव और अन्य जानवरों के बीच, सुअर कि शेयर पोषण का एक ही तरीके से खाते हैं कि मनुष्य केवल जानवर है.

आधुनिक विज्ञान, मानव पेट एक सुअर का मांस व्याप्त है कि वसा को पचाने में सक्षम नहीं है, और न ही है, इसलिए, वसा तो कई रोगों के लिए अग्रणी (सुअर की चर्बी के रूप में) मानव शरीर में बटोरता यह स्टोर करने में सक्षम जिगर है कि खोज की है रक्त के थक्के और दिल दुस्तालता तरह विशेष रूप से रक्त विकार.

इसलिए, सूअर का मांस का भक्षण करने की इस्लाम के मजबूत निषेध का ज्ञान है.

(ईसाई और दूसरों की तरह) अन्य धर्मों सूअर का मांस की खपत की अनुमति ऐसे समय में जब, हम इस्लाम केवल हाल ही में खोज की गई है कि इस तरह के खतरनाक बीमारियों से मनुष्य के लिए एक सुरक्षा के रूप में इस सड़ी हुई, बेईमानी से जानवर की खपत पर रोक लगाने के लिए आया था कि लगता है और

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

इससे पहले कि नहीं जाने जाते थे.

इसलिए, इस ध्वनि इस्लामी निषेधाज्ञा (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की भविष्यवाणी और संदेश की सत्यता के लिए एक सच्चे वसीयतनामा के रूप में कार्य करता हैं, (सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

४) शराब और मादक द्रव्यों की खपत की ओर जाता है के अलावा - मानव जाति अन्य सभी प्राणियों पर, धन्य और ऊंचा, सम्मानित और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), ने साथ इष्ट था जो भावना के नुकसान; अपने अर्थ खो बाहर पारित कर दिया और उसके आसपास के लोगों के उपहास का पात्र बन गया है.

जो व्यक्ति के खतरनाक, पशु कार्यों; एक व्यक्ति को इस तरह बलात्कार, चोरी, लूट और हत्या जैसे अपराधों के लिए अग्रणी, पागलपन की हद तक व्यवहार करने के लिए शुरू होता है कि इस तरह के आवेगों और अभिलाषाओं को नियंत्रित करने में असमर्थता; और जंगलों में रहने वाले जानवरों को दर्शाती ... और शराब और मादक द्रव्यों की खपत के अतिरिक्त ओर जाता है कि इस तरह की अन्य चीजों - जैसे उनके आदेश (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), प्रजापति की इबादत करते हैं.

और पालन करने के लिए है, जो एक बनाया गया था, जिसके लिए उद्देश्य, को बर्बाद कर के रूप में, निर्देशों और मार्गदर्शन के रूप में यह अच्छी तरह से भ्रष्ट पृथ्वी पर उत्तराधिकारी के कार्य को पूरा करने के लिए और न ही ... आधुनिक विज्ञान जैसे शराब और मादक द्रव्यों, पीने की वजह से कई रोगों की खोज की है: अनियमित दिल की धड़कन; जिगर की सूजन; मस्तिष्क के ऊतकों को नुकसान; स्मरण शक्ति की क्षति; आदि हम ईसाई धर्म और शराब और मादक द्रव्यों की पीने की अनुमति के अन्य धर्मों लगता है.

जब एक समय में, हम यह एक ही हानि पहुँचाता होते हैं कि उन्हें मिलता-जुलता उन हानिकारक वस्तुओं की खपत और कुछ भी निषिद्ध है कि इस्लाम था कि वहाँ: भावना और मन को खोने; रोगों और बीमारियों के सभी प्रकार से पीड़ित जा रहा है; सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिकता में गिरावट आ; फैलाया, भ्रष्टता और अपराध प्रसार। इसलिए, मदिरा और मादक द्रव्यों से परहेज़ का असर: सभी रूपों का ज्ञान और ज्ञान के लिए रास्ता साफ हो गया है.

लोगों और समाज की नैतिकता अनुशासित हैं जिसके माध्यम से (अल्लाह,

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

अज़्ज़ा व जल),, धन्य और ऊंचा ने हमें दिया मन और बुद्धि, रक्षा, इसलिए, विभिन्न विज्ञान में मानव जाति की उन्नति और जीवन के हर पहलू में अपनी ऊंचाई.

इस से यह ध्वनि बुद्धि के हर व्यक्ति को स्पष्ट किया जाना चाहिए कि ध्वनि इस्लामी रोक - उन्हें कारण है कि खाद्य पदार्थ और पेय रोक लगाने के द्वारा विभिन्न रोगों से मानव जाति के लिए एक सुरक्षा के रूप में आया है कि; और ज्ञान और ज्ञान के लिए मार्ग प्रशस्त कि बुद्धि को संरक्षित करने के लिए - (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की भविष्यवाणी और संदेश की सत्यता के लिए एक सच्चे वसीयतनामा कर रहे हैं.

क्या हम ऊपर पर छुआ है महान कई इस्लामी रोक उदात्त ज्ञान और सभी मानव जीवन की रक्षा की है, जिसके द्वारा अपनी आज्ञाओं और रोक के माध्यम से शानदार लाभ का समावेश है क्या का एक छोटा उदाहरण देकर स्पष्ट करने के लिए एक संक्षिप्त मॉडल था.

कैसे बुद्धिमान तो इस्लामी रोक रहे हैं और वे कहते हैं कि अच्छा और मानव जाति के सभी के लिए फायदेमंद है, जिसमें सभी, दिव्य, ध्वनि और बुद्धिमान रोक का समावेश है क्या? !!.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की भविष्यवाणी और संदेश के नियम और संकेत का उदाहरण, एक संक्षिप्त.

1. पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), लाया और करने के लिए आमंत्रित किया है, जो पंथ: पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), कोई खराबी या दोषों से मुक्त विश्वासों का एक शुद्ध और चापलूसी नहीं सेट करने के लिए आमंत्रित करने के लिए आया था; बरकरार शुद्ध मानव प्रकृति और ध्वनि बुद्धि ने स्वीकार कर लिया मान्यताओं का एक सेट; लिए- आमंत्रित किया है, जो एक पंथ.

A. इस ब्रह्मांड के एक निर्माता में विश्वास है, और वह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), शानदार प्रजापति है.

B. परमेश्वर की एकता पैदा न ही वह उत्पन्न हुआ और कोई भी समान, बराबर या समकक्ष किससे वहाँ जाना था जो नहीं किया इस ब्रह्मांड के शानदार प्रजापति, एक और केवल, में विश्वास.

C. भव्यता और में विश्वास है कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) का सौंदर्य प्रजापति की विशेषताओं (अज़्ज़ा व जल), और उनकी विशेषताओं के सभी सुंदर हैं, कि इस तरह उनकी बुद्धि की पूरी पूर्णता, उनका अनर्गल की क्षमता और शक्ति के रूप में (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, के संबंध में पूर्णता का प्रतीक अपने ज्ञान के, और गुंजाइश.

D. विश्वास (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, यहां तक कि एक परमाणु नहीं उतारता है जो अधिकांश बस, है कि; और उन्होंने कहा कि वे उसे करने के लिए लौट सकते हैं और उसकी आज्ञाओं का पालन करने और उनकी रोक से बचना जब वे उन्हें दयालु, पश्चाताप में उसे करने के लिए बारी जब उसका दास का पश्चाताप स्वीकार करता है जो पश्चाताप के अपनाने, दयालु, है कि.

E. कई लोगों ने उसे करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, जो उसे शोभा नहीं है कि बदसूरत, कसूरवार लक्षण से (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की उमंग के कारण उनके अज्ञान और सम्मान की कमी है और उसके बारे में स्तुति (अज़्ज़ा

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

व जल) करने के लिए.

F. इस तरह के एक पत्नी या बेटे लेने के रूप में उसे करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है कि उन कसूरवार लक्षण से (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की उमंग; और वह एक पत्नी या बेटे को ले, या धार्मिक गुण अपने में एक समानता, समान या बराबर होने के ऊपर उच्च है.

G. (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के नबियों और दूतों में विश्वास, उन्हें लौ और एक देवता के स्तर और स्थिति के लिए उनमें से किसी को ऊपर उठाने के बिना, उन्हें सम्मान.

दरअसल, यहूदियों मरयम (यीशु मसीह की मां) को अनैतिकता के हवाले किया गया, जहां एक समय में, जिससे वह अपने संदेश के रूप में के रूप में अच्छी तरह से, व्यभिचार से कल्पना की थी और कहा कि यीशु मसीह मरयम के बेटे की अवमानना; और एक ही समय में, ईसाई 'का दावा है, कि यीशु मसीह कि मरयम के बेटे पिया, सोया और बस के रूप में सब किया था.

उसकी खा लिया, जो एक इंसान होने के बावजूद, इबादत करने के लिए अपने देवता के रूप में उसे ले जा रही है, कोई देवता अन्य मनुष्यों करते हैं - पेशाब और शौच की तरह है - और संकेत मिलता है और उसकी मानवीयता की पुष्टि जो अन्य बातों; हम पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) शुद्ध, चापलूसी मानव प्रकृति और ध्वनि बुद्धि ने स्वीकार कर लिया विश्वासों, के एक मध्यम सेट लाया वह है जो कि लगता है; यहूदियों की उपेक्षा के बिना, पंथ वह शुद्ध ऐसे लाया और कहा कि वे यीशु मसीह के खिलाफ मरयम का बेटा बना यहूदियों कि व्यर्थ दावों को समाप्त करते हुये, उसके लिए जिम्मेदार ठहराया है, जो कि से मरयम (यीशु मसीह की मां) को बरी कर दिया; और ईसाइयों की उपेक्षा के बिना, पंथ उन्होंने कहा इस तरह लाया है कि यीशु मसीह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की और कहा कि एकता मरयम का बेटा कोई भी धर्मी विशेषता के पास है, और वह अन्य सभी इंसानों की तरह एक मानव था, लेकिन वह सिर्फ अन्य सभी नबियों के रूप में, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से रहस्योद्घाटन प्राप्त किया है कि और दूतों. इसलिए, यीशु मसीह मरयम के बेटे (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा भेजे गए एक सम्माननीय रसूल है.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

H. कहा कि सभी की अस्वीकृति आदि मनुष्य, पत्थर या मूर्तियों से, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), इसके अलावा इबादत जाता है.

I. इबादत के उन अधिनियमों आदि इबादत के कृत्यों के इस तरह के विभिन्न अभ्यावेदन आम और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), अलावा अन्य इबादत में एकजुट हो रहे एक मानव, रॉक या पेड़, के लिए कर रहे हैं कि क्या (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), अलावा अन्य की ओर निर्देशित इबादत के सभी कृत्यों की अस्वीकृति । उस के कुछ उदाहरण हैं: ईसाइयों एक इंसान की इबादत कैसे (यीशु मसीह मरयम के बेटे की उनकी इबादत); और अरब इबादत पत्थरों और मूर्तियों के लिए इस्तेमाल किया (पैगंबर, मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के आने से पहले.

J. निष्ठा से अकेले (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), करने के लिए सभी इबादत निर्देशन, और उस में उसके अलावा अन्य जोड़ नहीं

दरअसल, पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), यह की ओर से वह सब से सबसे गंभीर दुश्मनी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है, जो एक शुद्ध और चापलूसी नहीं पंथ, ले गया, अभी तक धैर्यपूर्वक आशंका (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), उसे अनुदान होगा कि अपने दुश्मनों और अत्याचारी पर विजय.

हमें आश्चर्य है: पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), ने अपने संदेश या खुले तौर पर एकेश्वरवाद अपने कॉल करने की घोषणा करने के लिए उसे मजबूर क्या (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से एक रसूल, में सच्चा नहीं किया गया था - बरकरार मानव प्रकृति और ध्वनि बुद्धि ने स्वीकार कर लिया शुद्ध कॉल - ओर से जो, वह जिसका सच्चाई, विश्वसनीयता एक था, और तर्कसंगतता हर कोई ?! के लिए गवाही दी, जबकि इसके बारे में वह सबसे गंभीर दुश्मनी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, एक शक के बिना, इस ने अपने संदेश में वास्तव में सच्चा था, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के निष्कर्ष है कि हमारे पास जाता है, और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से एक रसूल.

२. पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के माननीय चरित्र और सराहनीय लक्षण: उन लोगों के बीच से: सच्चाई और विश्वसनीयता (जिसके द्वारा वह एक रसूल के रूप में भेजे जाने से पहले उपनाम और वह बुलाया करते थे " सत्यवादी भरोसेमंद," और उसके लोगों के साथ उसे सौंपना होता था उनकी

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

संपत्ति); शालीनता, खुले हाथ सत्ता, उदारता, तप, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) चेतना, दूसरों के साथ सभ्य संबंधों, एक अच्छा दोस्त है, दूसरों के लिए ... और उसकी प्रशंसा के लक्षण के अन्य कई लोगों और माननीय चरित्र (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) का सम्मान.

३. अपने महान वंश: अपने अपने नबियों और दूतों की मुहर के रूप में, अपने (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा चुने जाने का एक सबूत है जो अरबी वंश, के रईसों था (सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

४. वह करने के लिए बुला रहा था क्या के पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के अवतार: महान चरित्र रिश्तेदारी के संबंधों को बनाए रखने, जल्दबाजी (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की इबादत की ओर निंग, और उसके दिल (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के स्मरण से सदा व्यस्त जा रहा है.

५. सांसारिक जीवन और अपनी वस्तुओं और आकर्षण को पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के घृणा: उन्होंने कहा कि वह अपने प्रभु, धन्य और ऊंचा की खुशी की मांग की है जिसके माध्यम से तप और ईश्वर भक्ति, के संदर्भ में नकल करने के लिए सबसे अच्छा उदाहरण था.

पाली आस्तिक वास्तव में उसे अपने संदेश रोकने के लिए प्राप्त करने के लिए महंगा है और मूल्यवान संपत्ति और धन के साथ उसे वर्षा के द्वारा, पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के साथ सौदा करने का प्रयास किया.

हालांकि, पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) सांसारिक जीवन का श्रंगार और आकर्षण इंकार कर दिया सिवाय कुछ भी नहीं है, और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, अपने संदेश की सच्चाई और प्रामाणिकता के लिए एक वसीयतनामा के साथ क्या था चुना सकता है.

यदि नहीं, तो क्या उसे सांसारिक जीवन और अपने आकर्षण के मना करने के लिए, या तपस्वी और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के प्रति सजग होने के लिए मजबूर किया ?!.

6. उसके लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के समर्थन की एक वसीयतनामा के रूप में किसी भी कारण के लिए उसे करने के लिए खुद को संलग्न है, जो सभी पर

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

सृष्टि के सभी और उनके आशीर्वाद के लिए पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के करुणा.

७. आदेश में, उसकी इबादत का जवाब देने से पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का समर्थन, अपने संदेश (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की सच्चाई का एक सबूत होने के लिए.

८. पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का समर्थन, प्रत्यक्ष चमत्कार के माध्यम से, केवल एक नबी द्वारा प्रदर्शन किया जा सकता है कि उन अलौकिक बातें भेजा और उनके संदेश की सच्चाई और प्रामाणिकता के लिए एक वसीयतनामा होने के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) से प्रजापति (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),) समर्थित (नमस्कार और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की शांति) उस पर हो.

९. पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के लिए अनन्त चमत्कार की (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के संरक्षण (पवित्र क़ुरआन)).

यह किसका ईश्वरीय ग्रंथों और चमकदार चमक संरक्षित किया गया है केवल परमात्मा किताब है; अरब और गैर अरब के लिए - अपनी वाक्पटुता, इसके अर्थ के वैभव, अपने भाव और नींव, और अपने उद्देश्यों और लक्ष्यों की उंचाई के सद्भाव एक चुनौती है इसे करने के लिए इसी तरह की भी एक अध्याय (एक लाइन) का उत्पादन करने के लिए.

फिर भी, वे काबिल नहीं है और इस तरह विफल रहे थे। ऐसा लगता है कि १४०० साल पहले के बारे में बात की है कि अद्भुत वैज्ञानिक तथ्यों भी शामिल है.

कि केवल परमात्मा पुस्तक है, और फिर आधुनिक विज्ञान (पवित्र क़ुरआन) कि एक सबूत के रूप में, अपनी सटीकता और प्रामाणिकता के लिए गवाही देने के लिए आया था कि कोई भी ... का थोड़ा सा भी ज्ञान था कि (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से रहस्योद्घाटन लेकिन है.

१०. उसे के समर्थन में और अपने संदेश में उसे करने के लिए एक सहायता के रूप में, उसे नुकसान या उसे मारने के लिए इस्लाम के दुश्मनों द्वारा कई प्रयास के बावजूद, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की सुरक्षा (सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

११. पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के संदेश के प्रसार को पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों के लिए (सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

उन्होंने कहा कि ४० साल की उम्र में रहस्योद्घाटन प्राप्त किया, और उन्होंने कहा कि वह खत्म करने में सक्षम था, जिसके दौरान कई राजनेताओं और नेताओं के शासनकाल के लिए, उनके संदेश की अवधि केवल २३ साल का था, जिसका अर्थ है, (६३) साल की उम्र में एक अवधि के बराबर की मृत्यु हो गई बहुदेववाद, मूर्तियों और (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), अलावा अन्य की इबादत की जड़ों; (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), पूरी तरह से समर्थन किया गया था.

कि एक वसीयतनामा के रूप में, दिल में, इसके अलावा में अरब प्रायद्वीप के सभी भ्रष्ट सीमा शुल्क को खत्म करने के लिए - एक ईश्वर में आस्था और विश्वास की खेती के साथ - साथ मजबूती से (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का शुद्ध, चापलूसी इबादत दाखिल - अकेले साथी के बिना उसे और उसके संदेश (सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

१२. पैगंबर की सराहनीय हालत और उदाहरण के लिए, बोलने का सुंदर तरीके: वह (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ज्यादातर चुप, लगातार चिंताग्रस्त था और जरूरत नरम स्वभाव, खुद की खातिर नाराज हो गया है, कभी नहीं उठी जब केवल बात की (अपने क्रोध उनकी पवित्रता का उल्लंघन किया गया जब (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की खातिर था.

कि इस तरह, उन्होंने कहा कि वह मजाक और उसके साथी के साथ चारों ओर खेलने के लिए इस्तेमाल किया, मुस्कुराते हुए हंस रहे थे, वह सराहनीय विवरण से इतना और इतनी आगे सच्चाई को छोड़कर बात की थी.

और कभी नहीं (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) ने अपने नबियों और दूतों की मुहर के रूप में, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), द्वारा चुने जाने के लिए एक वसीयतनामा के रूप में सेवारत बोलने के पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के तरीके.

१३. पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की उपस्थिति का सही गुणों उदाहरण के लिए, (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) : वह एक उज्ज्वल रंग था लाली का एक रंग के साथ गोरी चमड़ी था, उसके चेहरे दौर पूरा चांदनी रात की

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

तरह था, उसकी आँखें थे स्वाभाविक रूप से काले - मतलब, आप उसे देखा है और आप उसकी आंखों की वजह से उनके प्राकृतिक सुंदरता के लिए काले थे कहेंगे उसे देखा, जब सुरमा के उपयोग की वजह से नहीं; उसकी आँखें उन दोनों के बीच लंबे समय से भट्ठा के साथ व्यापक थे.

उन्होंने कहा कि वह कनेक्ट नहीं किया कि नाजुक भौहें, एक विस्तृत माथे, एक उच्च नाक, किसी भी व्यक्ति की सबसे खूबसूरत होठों केवल उसकी आंखों की सुंदरता के लिए जोड़ा गया है.

कि लंबे समय तु ला वह था एक उसके सामने दांत में अंतर है और वह प्रकाश उन दोनों के बीच से उत्पन्न हुआ है, तो के रूप में किया गया था बात की थी जब यह चांद के एक टुकड़े के रूप में अगर, वह खुश थी.

जब उसके चेहरे प्रकाश होगा, वह सीधे और न ही और घुंघराले न के बीच काले बाल थे उसकी गर्दन चांदी के रूप में के रूप में शुद्ध था, वह काले दाढ़ी वाले, वह लंबा है और न ही कम है. लेकिन लंबा करने के लिए करीब है, न ठोस शरीर, न तो भारी है और न ही पतली थी (उम्र बढ़ने के बाद) भूरे बालों की एक छोटी संख्या के साथ था उसकी छाती और एक दूसरे के साथ एक और भी स्तर पर पेट, वह कभी अपने ही खातिर गुस्सा बनने दायरिक समज गया था.

बल्कि उसका क्रोध (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) ... पूर्ण प्रकाश की खातिर था: अपने शरीर के किसी भी भाग से उजागर हो गया जब - इस तरह के रूप में अपने हज या (उम रह) के दौरान कंधे - यह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से चुना जा रहा है, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के लिए गवाह के रूप में सेवारत होने के कारण इसकी सुंदरता और चमक ... और इतना अधिक पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के खूबसूरत शारीरिक वर्णन से करने के लिए शुद्ध प्रकाश की तरह था उनकी भविष्यद्वक्ताओं और संदेशवाहक की मुहर, और क्या एक उपयुक्त स्थान के रूप में!.

और इतना अधिक है कि हम नियम और पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) (सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की भविष्यवाणी और संदेश के संकेत के रूप में पर छुआ है क्या अधिक है.

◈ ◈ ◈

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

उदाहरण: भविष्यद्वक्ताओं और संदेशवाहक की ओर से गवाही दी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के बारे में.

कई बुद्धिजीवियों पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के संदेश की भव्यता को गवाही दी है, और तार्किक नींव पर निर्भर करता है, और समझदार नियमों के द्वारा समर्थित है, जो अपने संदेश, के कारण शिक्षित बन गए हैं.

इन मामलों के कुछ उदाहरण:

१- **(डी। १८६९), ला मार्टिन, फ्रांसीसी लेखक और इतिहासकार ने कहा:**

"दार्शनिक, वक्ता, प्रेरित, विधायक, योद्धा, विचारों के विजेता, छवियों के बिना एक पंथ के तर्कसंगत विश्वासों के आरोग्य; बीस स्थलीय साम्राज्य के और एक आध्यात्मिक साम्राज्य के संस्थापक, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) है.

मानव महानता मापा जा सकता है जिसके द्वारा सभी मानकों का संबंध है, हम अच्छी तरह से किसी भी आदमी को उस से बड़ा नहीं है, कह सकते हैं.

२- **थॉमस अर्नोल्ड, अंग्रेजी प्राच्य (१८६४-१९३०), ने अपनी पुस्तक में "इस्लाम में कहते हैं," ने कहा:**

"(मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) किसी अन्य नेता एक अंतर के साथ, इस पर शुरू किया है बस के रूप में प्राधिकरण की अवधि पर शुरू: धार्मिक संबंधों रक्त और पारिवारिक संबंधों को बदलने के लिए आया था, इस्लाम जिससे एक धार्मिक प्रणाली के रूप में के रूप में ज्यादा एक राजनीतिक व्यवस्था हो रहा है.

(मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) एक नया धर्म का प्रसार करता है, वह एक पूरी तरह से अलग अति सूक्ष्म अंतर के साथ एक राजनीतिक प्रणाली की स्थापना की.

उनके प्रयासों के लिए अपने 'लोगों को (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की एकता में विश्वास है, और अपने देश के पुराने सत्तारूढ़ प्रणाली को नष्ट करने के लिए प्रतिबंधित किया गया.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ परिवार अपने स्वयं के बैनर तले सामान्य मामलों की राजनीति का संचालन होता है जिसमें पुराने के अभिजात वर्ग पर विजय प्राप्त की.

इसके अलावा, ब्रिटिश ज्ञान के घेरे में, ग्यारहवें संस्करण:

"(मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) सबसे उत्कृष्ट धार्मिक व्यक्ति के रूप में अच्छी तरह से सबसे सफल रहा था.

अरबों क्षय के एक राज्य में गिर गया था जब पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) कोई सम्मानजनक धार्मिक निर्देशों, और न ही सभ्य, राजनीतिक और सामाजिक सिद्धांतों रहा है, एक समय में दिखाई दिया.

वे गर्व होना करने के लिए कोई कला या विज्ञान था, न ही वे बाहर की दुनिया से कोई संबंध था.

वे उन दोनों के बीच कोई संबंध के साथ विभाजित किया गया, एक दूसरे के साथ लड़ स्वतंत्र हर जाति.

यहूदियों उन्हें गाइड करने का प्रयास किया लेकिन असमर्थ थे.

ईसाइयों प्रयास को सिर्फ सुधार पर अपने सभी अन्य पिछले प्रयास के रूप में व्यर्थ साबित हुआ.

हालांकि, पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) सृष्टि के सभी के लिए मार्गदर्शन दिया.

बर्बर विचार किया गया है - केवल कुछ ही वर्षों में, वह अरबों निर्देशन, एकेश्वरवाद को नीच बुतपरस्ती से ऊपर उठाने, अरब प्रायद्वीप के सभी भ्रष्ट सीमा शुल्क उखाड़ करने में सक्षम था, सत्य और कसौटी के रास्ते पर मार्गदर्शन के लिए कॉल करने बनने और वे बुतपरस्ती और भ्रष्टाचार के लिए कॉल किया गया था के बाद अखंडता, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), का वचन को बढ़ाने के लिए काम कर पृथ्वी में फैलाने.

और इतना अधिक है कि हम भविष्यद्वक्ताओं और संदेशवाहक की सील की ओर से बुद्धिजीवियों की गवाही से छुआ है क्या से, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) और उनके संदेश.

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

क्यों वोलोग इस्लाम धर्म स्वीकार किये थे?

दरअसल (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) की तरफ से (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) एक नबी और रसूल के रूप में, साथ ही साथ की प्रामाणिकता पर विश्वास, एक धर्म के रूप में इस्लाम को उनकी सफलता और मार्गदर्शन के साथ कई लोगों पर उनका पक्ष कोताही उसे पता चला था जो (पवित्र क़ुरआन).

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की इच्छा से, हम (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), वे उन्हें दी गई है कि बुद्धि का आशीर्वाद का अच्छा इस्तेमाल किया कैसे समझा, इस्लाम के लिए निर्देशित उन जिसे कई लोगों के कुछ उदाहरण देकर स्पष्ट करना होगा.

(अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), धन्य और ऊंचा करने के लिए प्रस्तुत की, जो उन लोगों के कुछ उदाहरण:

१- **गणितज्ञ और पूर्व ईसाई, डॉ गैरी मिलर।**

वह अपनी कहानी "। यह इस धर्म, मैं किसी भी अन्य धर्म में नहीं मिला था एक स्पष्टता के लिए मुझे आकर्षित किया है कि पंथ की सादगी थी", कहते हैं:

एक दिन गैरी मिलर ईसाई धर्म में मुसलमानों को बदलने की कोशिश करते हुए अपने रुख को मजबूत होता है कि यह गलतियों में खोजने के इरादे के साथ कुरान पढ़ने के लिए कामना की. उन्होंने कहा कि कुरान रेगिस्तान और इस तरह के बारे में बात की थी, जो चौदह सौ साल पहले लिखा एक प्राचीन पुस्तक को खोजने के लिए उम्मीद कर रहा था.

हालांकि, उन्होंने कहा कि वह क्या मिला पर हैरान था! दरअसल, वह इस किताब को दुनिया में किसी भी अन्य पुस्तक में नहीं पाए जाते हैं कि चीजें शामिल की खोज की.

उन्होंने कहा कि यह इस तरह अपनी पत्नी, सय्येदाह खादिजाह रदियल्लाहो अन्हा, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), उसके साथ खुश हो सकता है, की मौत के रूप में पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) , बेफेल कि महत्वपूर्ण घटनाओं में से कुछ में खोजने के लिए उम्मीद कर रहा था; या अपने बच्चों की मौत; हालांकि,

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं पाया गया है, और क्या उसे सबसे भ्रम वह बाइबिल या अन्य कोई एक तरह से सम्मानित किया गया मरयम (शांति उस पर हो) जिसमें " मरयम," शीर्षक से कुरान में एक पूरा अध्याय पाया था कि वजह से ईसाई किताब कभी किया था। इसी समय, उन्होंने कहा, "आयशा" (पैगंबर, मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की पत्नी, या "फातिमा" (उनकी बेटी) नामक एक अध्याय नहीं मिल रहा था - (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), उन दोनों के साथ खुश हो सकता है.

इसी तरह, वह पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) कुरान एक निर्माण पर (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल),, धन्य और ऊंचा से रहस्योद्घाटन लेकिन है, और नहीं साबित कर दिया कि, जो केवल 4 बार उल्लेख किया गया था, जबकि मसीह, कुरान में नाम से 25 बार उल्लेख किया गया था कि पाया पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) का हिस्सा है, इसलिए, वह (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) , लाया है कि संदेश, और वह करने के लिए आमंत्रित किया गया था कि इस्लाम की सच्चाई की प्रामाणिकता की स्थापना.

२- **विन्सेंट Montagne।**

उन्होंने कहा कि कुरान मेरे लिए ईसाई इतिहास के बारे में बताया, "कहते हैं.

पहले ईसाइयों इस्लामी समझ से दूर नहीं थे, और मसीह यह मसीह एक देवता था कि एक मतदाता के वोट से निर्णय लिया गया था जिसमें - 325 - सीई, में आयोजित किया गया था कि अच्छा परिषद तक एक देवता नहीं था.

इस एक वोट के लिए, मसीह पूरी तरह से ईसाई धर्म में मानव बना रहा होगा यदि नहीं, तो शुद्ध इस्लामी धर्म कहते हैं बस के रूप में.

३- **(मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) असद (लियोपोल्ड वेइस)।**

उन्होंने कहा कि मैं यांत्रिक आंदोलनों सहित एक प्रार्थना को देखा तो मैं उलझन में था, "कहते हैं.

तो मैं इमाम से पूछा: "क्या तुम सच में अपने विश्वास पर और फिर से झुकने और प्रोस्ट रेटिंग के द्वारा प्रकट करने के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), इंतज़ार कर रही है लगता है?

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

यह आप के अंदर देखने के लिए, और अपने दिल के साथ चुपचाप अपने प्रभु के लिए प्रार्थना करने के लिए बेहतर नहीं है?

किस तरह से आप हम (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की इबादत कर सकते लगता है कि "उन्होंने कहा,"? नहीं आत्मा और शरीर एक साथ बनाए गए थे? इसलिए, उन्होंने कहा कि हमें एक शरीर और एक आत्मा बनाया बस के रूप में, हम अपने शरीर और आत्मा? साथ प्रार्थना नहीं करनी चाहिए "तो फिर वह प्रार्थना के प्रत्येक आंदोलन का अर्थ समझाने पर चला गया" और कहा कि उसके स्वीकार करने में इस्लाम के लिए पहले दरवाजा था.

और हम (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), धन्य और ऊंचा, उन पर दिया है कि बुद्धि के आशीर्वाद के उत्कृष्ट इस्तेमाल कर रही है, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), सारी सृष्टि के प्रभु को प्रस्तुत की, जो उन लोगों से क्या उल्लेख किया है की तुलना में बहुत अधिक.

सभी प्रशंसा इस्लाम, मार्गदर्शन और सफलता का आशीर्वाद के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), के लिए है.

हम इस्लाम के लिए सभी अपने दास के दिलों को खोलने के लिए (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से पूछते हैं, और नबियों और दूतों की मुहर के बाद, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

निष्कर्ष के तौर पर

कोई भी थोड़ा सा भी था, तब क्या पहले की है, एक समय में, 1400 से अधिक साल पहले (पवित्र क़ुरआन) और, भविष्यवाणी (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) में तो कई आधुनिक वैज्ञानिक खोजों के लिए इस्लाम के संकेत के पूर्वता के माध्यम से, (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के संदेश की सच्चाई के बारे में हमें कुछ बनाता है उनमें से ज्ञान; यह रहस्योद्घाटन के साथ पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के कनेक्शन का एक वसीयतनामा और संकेत के रूप में कार्य करता है, और आकाश और पृथ्वी, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), सारी सृष्टि के प्रभु के निर्माता से सीखने.

यही कारण है कि हम संक्षेप में पर छुआ है कि पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) की भविष्यवाणी और संदेश के साक्ष्यों के अतिरिक्त है.

दरअसल, नियम, निहितार्थ और साक्ष्यों धन्य और ऊंचा, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), से उसके लिए समर्थन और सहायता के रूप में (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) के संदेश की सच्चाई और प्रामाणिकता, दिखाने के लिए एक साथ काम किया है, उनके बयान की पुष्टि "कोई बात नहीं तुम उसकी मदद नहीं करते हैं, तो (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए वास्तव में उसकी मदद की थी ..." [क़ुरान, ताऊ बाह: ४०].

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

एक संदेश

पैगंबर (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम), की सच्चाई और प्रामाणिकता के बाद संदेश स्पष्ट नियम के माध्यम से हमें सिद्ध किया गया है और अकाट्य हम उस (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), (इस्लाम) के धर्म का समर्थन करने के लिए हमें आवश्यक है कि पता होना चाहिए, इसका सबूत, और यह बात का पालन करने और विभिन्न उचित दा वाह चैनलों, इस युग में बर्दाश्त किया गया है, कि जो कुछ उदाहरणों को देखें, प्रामाणिकता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ यह करने के लिए आमंत्रित करके इस प्रकार है:

१- अलग-अलग भाषाओं में विशेष इस्लामी दा वाह पुस्तकों मुद्रण, और दुनिया भर के प्राच्य केन्द्रों, किताबों की दुकानों और विश्वविद्यालयों में उन्हें वितरण, आदि.

२- अलग-अलग भाषाओं में विशेष इस्लामी दा वाह वेबसाइटों की स्थापना.

३- स्थापना उपग्रह चैनलों और प्रसारण हेरफेर और झूठ के माध्यम से इस्लाम के अपने विरूपण खारिज करते हुए इस्लामी दा वाह और मुकाबला पश्चिमी और यहूदी मीडिया में विशेष.

४- इस्लामोफोबिया द्वारा डिजाइन किए हैं कि उन लोगों के इंटरनेट वेबसाइटों उजागर, फिर भी परोक्ष रूप से इस्लामी होने का दावा करने, और उन्हें मुसलमानों का ध्यान बुला रही है.

और इस प्रकार आगे भी···

नबियों और रसूलों, की मुहर लाया है, कि सबसे उत्कृष्ट धर्म और जीवन के रास्ते के अनुयायियों - एकेश्वरवाद में विश्वासियों - अंत में, हम अमेरिका के मुसलमानों कर रही है, वह हमारे साथ इष्ट है, कि इस्लाम के आशीर्वाद के लिए धन्य और ऊंचा (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), की स्तुति (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम).

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

ओह (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल), अपने नबी और रसूल (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) नमस्कार, शांति और आशीर्वाद भेजने के लिए, और उसके शुद्ध घर, अपने उत्कृष्ट साथियों पर, और बदला के दिन तक, उनके मार्गदर्शन और तरीके और नक्शेकदम पर पीछे चलें, जो उन पर, सभी प्रशंसा, (अल्लाह, अज़्ज़ा व जल) के लिए सारी सृष्टि का स्वामी है.

تم التنسيق بمركز البينة للخدمات العلمية
(002) 01113772679-(002) 01094017402
Centerelbeyeina@gmail.com
www.facebook.com/Centerelbeyeina
https://twitter.com/Centerelbeyeina
مركز البينة للخدمات العلمية

www.alukah.net إهداء من شبكة الألوكة

(سَنُرِيهِمْ ءَايَٰتِنَا فِى ٱلْءَافَاقِ وَفِىٓ أَنفُسِهِمْ حَتَّىٰ يَتَبَيَّنَ لَهُمْ أَنَّهُ ٱلْحَقُّ ۗ أَوَلَمْ يَكْفِ بِرَبِّكَ أَنَّهُۥ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ شَهِيدٌ ﴿٥٣﴾)

सूरए हामीम सज्दा-छटा रूकू

अनुवाद : हम उन्हें दिखाएंगे अपनी आयतें दुनिया भर में और ख़ुद उनके आपे में यहाँ तक कि उनपर खुल जाए कि बेशक वह हक़ है क्या तुम्हारे रब का हर चीज़ पर गवाह होना काफ़ी नहीं .

“ शानदार वैज्ञानिक तथ्य जिसकी खबर 1400 साल पहले से अधिक क़ुरआन और (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम, की हदीस) शरीफ ने दी है जिस समय किसी को भी इस तरह के तथ्यों का थोड़ा सा भी ज्ञान नहीं था फिर इसकी सच्चाई और विश्वसनीयता की पुष्टि करने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक खोजें आईं और यहीं से हज़रत (मुहम्मद, सल्लाहो अलैहे व सल्लम) (सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम) के नबी और रसूल होना साबित होता है “

मुहम्मद अल्सय्यद मुहम्मद